मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.9	27.2
जमशेदपुर	33.6	25.6
डालटनगंज	36.0	24.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, मंगलवार 09 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 04 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 91 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

हेमंत सोरेन सरकार ने जीता विश्वास मत, किया मंत्रिमंडल विस्तार, मंत्रियों का विभाग भी बंटा

14 साल बाद मिला 12वां मंत्री

दीपिका पांडेय पार्टी : कांग्रेस विभाग : कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता, आपदा प्रबंधन

मिथिलेश ठाकुर पार्टी : जेएमएम विभाग : पेयजल एवं स्वच्छता

हफीजुल हसन पार्टी : जेएमएम विभाग : अल्पसंख्यक कल्याण, निबंधन, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य, नगर विकास एवं आवास

बैद्यनाथ राम पार्टी : जेएमएम विभाग : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता, उत्पाद एवं मद्य निषेध

सत्यानंद भोक्ता पार्टी : आरजेडी विभाग : श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास, उद्योग

हेमंत सोरेन पार्टी : जेएमएम विभाग : मुख्यमंत्री, कार्मिक, पथ, भवन निर्माण, वैसे सभी विभाग जो मंत्रियों को आवंटित नहीं

सीपी राधाकृष्णन राज्यपाल झारखंड

चंपाई सोरेन पार्टी : जेएमएम विभाग : जल संसाधन, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा

बन्ना गुप्ता पार्टी : कांग्रेस विभाग : स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले

दीपक बिरुवा पार्टी : जेएमएम विभाग : एससी/एसटी एवं ओबीसी कल्याण, परिवहन

इरफान अंसारी पार्टी : कांग्रेस विभाग : ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य, पंचायती राज

बेबी देवी पार्टी : जेएमएम विभाग : महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा

रामेश्वर उरांव पार्टी : कांग्रेस विभाग : वित्त, योजना एवं विकास, वाणिज्य कर, संसदीय कार्य

6-4-1 फॉर्मूला फिट, चंपाई नंबर दो

कौशल/रवि। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को दिन में सदन में बहुमत साबित करके अपराह्न चार बजे उन्होंने कैबिनेट का विस्तार भी कर लिया है. देर शाम सभी मंत्रियों के विभागों का बंटवारा भी कर दिया. इससे पहले राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में सभी मंत्रियों को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई. नई कैबिनेट की खास बात यह है कि पूर्व सीएम चंपाई सोरेन को नंबर दो पर रखा गया है. कैबिनेट में झामुमो से सात मंत्री हैं, तो कांग्रेस से चार और राजद से एक मंत्री. कांग्रेस से डॉ. इरफान अंसारी, दीपिका पांडेय सिंह नए चेहरे हैं, जबकि झामुमो से बैद्यनाथ राम को नए चेहरे के तौर पर रखा गया है. हालांकि, वे पूर्व में भी मंत्री रह चुके हैं. सोमवार को राजभवन में आयोजित समारोह में मंत्रियों, विभागीय सचिवों और गणमान्य लोगों की मौजूदगी में सभी 11 मंत्रियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली. सबसे पहले झामुमो के चंपाई सोरेन को शपथ के लिए बुलाया गया और इसके बाद एक-एक कर अन्य मंत्रियों को शपथ दिलाई गई. इस प्रकार कैबिनेट में चंपाई नंबर दो की हैसियत से शामिल हुए हैं. इस बीच, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शपथ के बाद शाम को कैबिनेट की बैठक की. इसके बाद सभी मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर दिया गया.

- 11 मंत्रियों को राज्यपाल ने पद और गोपनीयता की दिलाई शपथ
- कांग्रेस से इरफान, दीपिका और झामुमो से बैद्यनाथ राम नए चेहरे
- बादल और बसंत सोरेन ड्राप, छह मंत्रियों ने तीसरी बार ली शपथ

बता दें कि पूरे 14 साल बाद झारखंड सरकार में फुल कोटा यानी 12 वें मंत्री का पद भी भरा गया है. अब से पहले भी 12 वें मंत्री का पद रिक्त रहा है. 2009 में जब राज्य में अर्जुन मुंडा की सरकार बनी थी, उस समय भी 12 वां मंत्री पद रिक्त था. इसके बाद जब 26 महीने के लिए अर्जुन मुंडा सरकार को बेदखल करके 2013 में हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बने, तब भी 12वें मंत्री का पद रिक्त रहा. - शेष पेज 07 पर

मंत्रियों का बंटा विभाग, हफीजुल का बढ़ा कद

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने मंत्रियों के विभाग का बंटवारा कर दिया है. इस बंटवारे में मंत्री हफीजुल हसन का कद बढ़ा है. इन्हें चार–चार विभाग का दायित्व दिया गया है. वहीं स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता को स्वास्थ्य के अतिरिक्त खाद्य आपूर्ति का भी जिम्मा दिया गया है. आलमगीर आलम के सारे विभाग डॉ. इरफान अंसारी को दे दिए गएं है. इरफान को ग्रामीण, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज का जिम्मा दिया गया है. वहीं दीपिका सिंह पांडेय को बादल पत्रलेख के विभाग कृषि के अतिरिक्त आपदा प्रबंधन विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गयी है.

बनेगा विस्थापन आयोग : सीएम

विशेष संवाददाता । रांची

मंत्रियों के शपथ ग्रहण और मंत्रियों का विभाग बंटवारे के बाद प्रोजेक्ट भवन सचिवालय में सीएम हेमंत सोरेन मीडिया से रूबरू हुए. उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ने जो जिम्मेवारी दी है, उसे निभाने का काम फिर से शुरू करना है. समय कम है और काम बहुत. मंत्रिमंडल का गठन कर लिया गया है. हमने मंत्रिमंडल की बैठक की. अब अपने काम में जुटेंगे. आज का दिन मील का पत्थर साबित हो. हमारे राज्य में मानइिंग गतिविधियां चलती हैं. मगर इससे प्रभावित होने वाले के लिए कोई स्पष्ट नीति सरकार के पास नहीं थी. जो विस्थापित हुए या होने वाले हैं, उनके लिए जल्द विस्थापन आयोग बनेगा. इस पर कैबिनेट में निर्णय लिया. इसका जल्द एक मसौदा तैयार करेंगे. सभी विस्थापितों का सामाजिक और आर्थिक सर्वेक्षण भी करेंगे. एक डाटा बेस तैयार किया जाएगा, जिससे सभी माइनिंग क्षेत्रों में उतार-चढ़ाव को समझ सकें. एक दस्तावेज तैयार होगा. इस राज्य में माइनिंग गतिविधियों और प्रभाव, क्या खोते हैं या पाते हैं, क्या मिला, क्या नहीं मिले. इसको लेकर बहुत जल्द मसौदा तैयार करेंगे. विस्थापन के कारण कैसे हमारे ग्रामीण भाइयों को खेत-खलिहान, घर-बार छोड़ना पड़ता है, इसको लेकर बहुत जल्द सरकार एक नीति बनाएगी. उस नीति के साथ हम प्रभावितों के लिए काम करेंगे. जो बातें कही जा रही हैं उसे जमीन पर उतारा जाएगा. यह पहले हो जाना चाहिए था मगर आज मैंने यह निर्णय लिया है. जितना जल्दी हो सके इस पर काम शुरू होगा.

- कैबिनेट की बैठक में हुआ निर्णय, विस्थापितों का आर्थिक एवं समाजिक सर्वे
- मंत्रियों को सीएम की दो टूक सभी योजनाओं को समीक्षा कर उसके जड़ तक जाएं
- सहायक पुलिस कर्मी के प्रति सरकार संवेदनशील, धरना-प्रदर्शन छोड़ बातचीत करें

सोरेन ने सहायक पुलिस कर्मियों के सवाल पर कहा कि हम तो यही संदेश कहना चाहेंगे, धरना प्रदर्शन छोड़ें, सरकार बात करने और समस्याओं के समाधान को तैयार है. यह तभी होगा जब बात होगी. यह सरकार संवेदनशील है. इसके आंख-कान और नाक खुली है, जो सुनती भी है और समझती भी है. मंगलवार को हमारे मंत्री पदभार ग्रहण करेंगे. सरकार ने साढ़े चार साल में जितने भी कार्य किए हैं, निर्णय लिए हैं, उन सभी की समीक्षा होगी. नयी नीति बनाने और आगे बढ़ने से पहले आप वर्तमान स्थिति का आकलन बेहतर तरीके से करें और मजबूती से उसे धरातल पर उतारें. कई शिकायते आती हैं.

हेमंत सरकार ने विधानसभा में जीता विश्वास मत, विपक्ष को दिखाया आईना - पेज 07 पर

ईडी ने हेमंत की बेल को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

रांची/दिल्ली। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हाईकोर्ट से मिली बेल के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है. ईडी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट में झारखंड हाईकोर्ट 28 जून के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें न हेमंत सोरेन को कुछ शर्तों के साथ जमानत की सुविधा प्रदान की गई है. हालांकि फ़िलहाल ईडी की याचिका सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए अभी सूचीबद्ध नहीं हुई है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,400
चांदी (किलो)	95,000

ब्रीफ खबरें

शंकराचार्य ने राहुल के बयान का किया समर्थन

नयी दिल्ली। ज्योतिर्मठ के 46वें शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'हिंदुत्व वाले बयान' का समर्थन किया है. शंकराचर्य ने कहा, हमने राहुल का भाषण ध्यान से सुना है. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिंदू धर्म हिंसा को खारिज करता है. राहुल गांधी का बयान पूरी तरह सही है.

कठुआ के पहाड़ी इलाके में सैन्य वाहन पर फिर आतंकी हमला

5 जवान शहीद, 5 घायल, मुठभेड़ जारी

एजेंसी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में सेना की गाड़ी पर सोमवार को आतंकी हमले में पांच जवान शहीद हो गए. इस आतंकी हमले की जिम्मेदारी कश्मीर टाइगर्स ने ली है. आतंकी संगठन ने जारी बयान में कहा कि उसने हमले में एम4 असाल्ट राइफल्स, ग्रेनेड्स और अन्य हथियारों का इस्तेमाल किया.

आतंकी संगठन ने और हमले करने की भी बात कही है. कश्मीर टाइगर्स नाम के आतंकी संगठन की ओर से कहा गया कि ये 26 जून को डोडा में

मारे गए तीन आतंकियों की मौत का बदला है. बता दें कि कठुआ में घात लगाकर आतंकियों ने सेना की गाड़ी पर फायरिंग की और ग्रेनेड से हमला किया. इस हमले में सेना के पांच जवान शहीद हो गए और 5 जवान घायल हुए हैं.

मुठभेड़ अभी भी जारी: सेना की आतंकियों के साथ मुठभेड़ अभी भी जारी है. इसके साथ ही सेना ने बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया हुआ है. अधिकारियों ने बताया कि हमले के बाद आतंकियों ने ग्रेनेड फेंका और फिर फायरिंग शुरू कर दी. सेना ने जवाबी कार्रवाई की, लेकिन आतंकी जंगल में भाग गए. हमला कठुआ से 150 किमी दूर लोहई मल्हार के बदनोता गांव में हुआ. सेना के कुछ वाहन इलाके में गश्त पर थे. इसी दौरान आतंकियों ने काफिले पर हमला बोल दिया.

अच्छी खबर एक इंजेक्शन से मिल जाएगा मरीज को100% सफल इलाज

एचआईवी नहीं रही लाइलाज बीमारी, मिल गई दवा

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

अब एड्स लाइलाज बीमारी नहीं रहेगा. जी हां एचआईवी का इलाज मिल गया है. एक ऐसे इंजेक्शन की खोज हुई है, जिसे साल में दो बार लगवाने से ही इस जानलेवा बीमारी से 100% सेफ्टी हो सकती है.

ऐसा एक स्टडी में दावा किया गया है, जो दक्षिण अफ्रीका और युगांडा में हुई है. इस इंजेक्शन का नाम लेनकापाविर है. जिसका बड़े लेवल पर ट्रायल करे के बाद पता चला कि ये इंजेक्शन लड़कियों को एचआईवी से पूरी तरह सुरक्षा देती है. मेडिकल सेक्टर के लिए यह बड़ी खोज है और जल्द ही बाकी दुनिया को इसका लाभ मिलेगा.

एचआईवी इंजेक्शन का हो चुका ट्रायल

इस ट्रायल में जानने की कोशिश की गई कि लेनकापाविर इंजेक्शन 6-6 महीने पर लगवाने से एचआईवी इंफेक्शन से बाकी दवाइयों की तुलना में बेहतर सुरक्षा मिलती है.

लेनकापाविर और दो अन्य दवाइयों का ट्रायल युगांडा में तीन और दक्षिण अफ्रीका में 25 जगहों पर 5 हजार लोगों पर किया गया है. क्लीनिकल ट्रायल करने वाले साउथ अफ्रीका के साइंटिस्ट लिंडा गेल बेकर ने इसकी जानकारी दी.

एचआईवी वाला इंजेक्शन कितना असरदार

लेनकापाविर (लेन एलए) एचआईवी कैप्सिड में जाकर इस वायरस से बचाता है. कैप्सिड एक प्रोटीन शेल होता है जो एचआईवी की आनुवंशिक सामग्री और प्रतिकृति के लिए जरूरी एंजाइमों की रक्षा करने का काम करता है. इसे हर छह महीने पर स्किन पर लगाया जाता है. बता दें कि पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका में लड़कियों और महिलाओं में एचआईवी का इंफेक्शन सबसे ज्यादा है. इस इंजेक्शन के ट्रायल में पता चला कि इसे लगवाने वाली 2,134 महिलाओं को एचआईवी का संक्रमण नहीं हुआ, जिससे पता चलता है कि लेनकापाविर इंजेक्शन 100 परसेंट असरदार है.

दुनिया में एचआईवी के कितने मरीज

पिछले साल ग्लोबल लेवल पर 13 लाख नए एचआईवी संक्रमित मिले थे, जो 2010 में आए 20 लाख मामलों से काफी कम हैं. एचआईवी की जांच, कंडोम, यौन संक्रमणों के लिए जांच और इलाज के साथ बच्चे पैदा करने योग्य महिलाओं के लिए गर्भनिरोधक दवाओं के साथ ही प्री–एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस– पीईईपी देनी चाहिए, लेकिन इन उपायों के बावजूद हम उस स्टेज पर नहीं पहुंचे हैं, जहां नए इंफेक्शन को रोक पाएं. वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इस इंजेक्शन से मुश्किलें काफी कम हो सकती हैं.

पेपर लीक तो हुआ है, पता करें कितने 'मुन्ना भाई' थे

नीट मामले पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी अगली सुनवाई 11 को

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 को रद्द करने की अर्जी पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए सख्त रूप अपनाया है और सरकार से यह पता करने को कहा है कि पेपर लीक से कितनों को फायदा हुआ है. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने मामले में दायर कुल 38 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि पेपर तो लीक हुए हैं, हम इससे इनकार नहीं कर सकते. सीजेआई चंद्रचूड़ ने सख्त रुख अपनाया और कहा, पेपर लीक पर विवाद नहीं किया जा सकता. हम इसके परिणामों पर भी विचार कर रहे हैं. हम एक आदर्श दुनिया में नहीं रहते हैं, लेकिन दोबारा परीक्षा पर निर्णय लेने से पहले हमें हर पहलू पर गौर करना होगा क्योंकि हम जानते हैं कि हम 23 लाख छात्रों के भविष्य की बात कर रहे हैं.

कल शाम तक दें हलफनामा : सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले की सुनवाई गुरुवार को करेगा. कोर्ट ने बुधवार की शाम 5 बजे तक एनटीए, केंद्र सरकार और सीबीआई को हलफनामा पेश करने को कहा है. कोर्ट ने एनटीए से उन उम्मीदवारों की पहचान करने को कहा है, जिन्हें नीट-यूजी पेपर लीक से फायदा हुआ है. कोर्ट ने एनटीए से उन केंद्रों/शहरों की पहचान करने को भी कहा है, जहां पेपर लीक हुआ है. सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने पूछा कि गलत कृत्य करनेवाले कितने छात्रों के परिणाम रोके गए हैं. कोर्ट ने कहा कि हम ऐसे लाभार्थियों का भौगोलिक विवरण जानना चाहते हैं.

सीजेआई ने पूछे सवाल

- मान लें कि सरकार परीक्षा रद्द नहीं करेगी, लेकिन पेपर लीक करनेवालों की पहचान के लिए क्या करेगी?
- **हमारी साइबर फोरेंसिक टीम के पास किस तरह की टेक्नोलॉजी है. क्या हम सभी संदिग्धों का एक डेटा तैयार नहीं कर सकते?**
- इस परीक्षा में जो हुआ, वह आगे नहीं हो, क्या हम इसके लिए कदम नहीं उठा सकते?
- **केंद्र और एनटीए ने गलत काम करनेवालों की पहचान करने के लिए अब तक क्या- क्या कदम उठाए हैं?**

तो हमें परीक्षा रद्द करनी ही होगी

सीजेआई ने कहा कि अगर परीक्षा की पवित्रता खत्म हो जाती है, तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना होगा. यदि दागी और बेदाग को अलग करना संभव नहीं है, तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना ही होगा. अगर पेपर लीक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से हुआ है, तो यह जंगल में आग की तरह फैल सकता है और बड़े पैमाने पर लीक हुआ हो सकता है. हम पूरी प्रक्रिया जानना चाहते हैं. मामले में दर्ज एफआईआर की प्रकृति और पेपर लीक कैसे फैला, इसकी भी जानकारी चाहते हैं. कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की कि जिस किसी ने भी परीक्षा के नियमों का उल्लंघन किया है, उसे वहां रहने का अधिकार नहीं है. हम जानना चाहते हैं कि सरकार ने इस बावत क्या कदम उठाए हैं.

एनटीए और सरकार मान चुके हैं पेपर लीक

कोर्ट की सबूत वाली बात पर वकील ने कहा कि एक तरफ एनटीए कह रहा है कि छोटी गड़बड़ी हुई, लेकिन दूसरी तरफ अलग–अलग राज्यों में केस दर्ज होने के बाद जांच सीबीआई को सौंप दी गई. इस पर कोर्ट ने पूछा कि यानी एनटीए मान चुकी है कि पेपर लीक हुआ? सॉलीसीटर जनरल ने कहा, सिर्फ एक जगह पर ऐसा मामला सामने आया है. इस दलील के बाद सरकार ने पहली बार कोर्ट में माना पेपर लीक हुआ है. वहीं, छात्रों के वकील ने कहा कि ऐसे तथ्य सामने आ चुके हैं, जहां पर यह साफ हुआ है कि पेपर व्हाट्सएप और टेलीग्राम चैनल पर लीक हुआ. हमारे पास इसके सबूत हैं.

परीक्षा रद्द करने के पक्षकार बोले

जिन छात्रों ने पेपर रद्द करने की मांग की है, उनके वकील ने कहा कि 5 मई को परीक्षा हुई थी और 14 जून को रिजल्ट आने वाला था लेकिन यह 4 जून को ही आ गया. परीक्षा से एक दिन पहले एक टेलीग्राम चैनल पर जानकारी आ गई की कल होने वाले नीट का परीक्षा पेपर यहां मौजूद है और साथ ही आंसर शीट भी मौजूद थी. एनटीए ने भी माना है कि कुछ छात्रों को गलत पेपर मिल गए थे. ऐसे कई मामले सामने आए जहां पर यह कहा गया कि नीट का पेपर लीक हुआ. पटना में केस भी दर्ज है. इस पर कोर्ट ने पूछा ऐसे कितने छात्र थे, जिनको ग्रेस मार्क्स मिले थे. वकील ने जवाब दिया एक भी नहीं. बताया कि इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ, जब दो–तीन छात्रों से ज्यादा किसी को पूरे नंबर मिले हों. यह पहला मौका है जब 67 बच्चों ने 720 में से 720 नंबर हासिल किए. कोर्ट ने कहा नहीं 2 सेंटर के 1563 बच्चे ऐसे थे, जिनको ग्रेस मार्क्स दिए गए जिसमें से 6 बच्चों के 720 में से 720 नंबर आए थे.

चार जुलाई की रात शिवराज सिंह चौहान मिले थे सुदेश महतो से

भाजपा-आजसू में सब कितना ठीक!

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड में एनडीए विपक्ष में है. इसमें भाजपा और आजसू दो प्रमुख घटक दल हैं. तीन-चार माह बाद विधानसभा चुनाव होने हैं. पांच दिन पहले कुछ ऐसा हुआ है, जो सार्वजनिक नहीं हुआ है, लेकिन राजनीतिक गलियारे में इसकी चर्चा है. वो घटना और उसके बाद के हालात दोनों दलों के रिश्ते के बीच सबकुछ ठीक-ठाक ना होने की चुगली कर रहा है. गलती किसकी है, यह तो दोनों दलों के नेता ही जानेंगे, समझेंगे, लेकिन अगर बात आगे बढ़ी, तो दूरियां और बढ़ने के संकेत साफ हैं.

जानकारी के मुताबिक चार जुलाई को मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के नेता शिवराज सिंह चौहन रांची में थे. वह केंद्र सरकार में कृषि मंत्री हैं और झारखंड विधानसभा चुनाव के प्रभारी भी हैं. शिवराज सिंह चौहान का यह झारखंड में दूसरा दौरा था. आजसू प्रमुख सुदेश महतो से उनकी औपचारिक मुलाकात का वक्त चार जुलाई की रात 9.30 बजे तय हुआ था. शिवराज सिंह चौहान, झारखंड भाजपा के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह और प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी तय समय से कुछ पहले ही सुदेश महतो के कांके रोड स्थित आवास पर पहुंच गए थे. लेकिन सुदेश महतो घर पर नहीं थे. दिन में वह सिल्ली चले गए थे. लौटने में लेट होने लगी. सुदेश महतो रात के करीब 9.50 बजे के बाद, यानी तय समय से 20-25 मिनट बाद आवास पर पहुंचे.

सूत्रों के मुताबिक भाजपा के राष्ट्रीय नेता शिवराज सिंह चौहान का 20-25 मिनट इंतजार करना, भाजपा नेताओं को ठीक नहीं लगा है. इंतजार के वक्त वो असहज होते रहें. ऊपर-ऊपर से यही लगा कि कोई बात नहीं, सब ठीक है. लेकिन कुछ ऐसा हुआ है कि मामला चर्चा का विषय बन गया है. भाजपा के किसी भी नेता ने इस मुलाकात के बारे में अपनी सोशल मीडिया एकाउंट से सार्वजनिक नहीं किया. ना ही झारखंड भाजपा ने इस मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ भी शेयर किया. हां, सुदेश महतो के ट्विट को बाबूलाल मरांडी ने जरूर रीट्विट किया है. इससे यह माना जा रहा है कि भाजपा नेताओं को इंतजार करना नागवार गुजरा है.

फ्लोर टेस्ट व शपथ ग्रहण में दिखा जोश

राजभवन में शपथ ग्रहण के दौरान सीएम हेमंत सोरेन व चंपाई सोरेन.

ऑल इज वेल : विधानसभा जाने से पूर्व खुश दिखे चंपाई सोरेन.

दीपिका पांडेय सिंह ने दिखाया विक्ट्री का साइन.

कल्पना पहली बार पहुंचीं सदन, बड़ों के छुए पांव

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन बतौर विधायक के रूप में पहली बार सदन पहुंचीं और सदन की कार्यवाही में हिस्सा लिया. उन्होंने सबसे पहले सदन में अपने पार्टी के सीनियर विधायक (अभी निष्कासित) लोबिन हेंब्रम, कांग्रेस के सिनियर विधायक डॉ रामेश्वर उरांव, सविता महतो और पूर्व सीएम चंपाई सोरेन को झुककर उनके चरण स्पर्श किया और आशीर्वाद लिया.

साढ़े चार साल कठिन परिस्थितियों से गुजरी हमारी सरकार : चंपाई सोरेन

सत्ता और विपक्ष ने लगाए एक-दूसरे पर आरोप

विशेष संवाददाता। रांची

हेमंत सोरेन सरकार के विश्वास मत के दौरान सत्ता एवं विपक्ष ने एक दूसरे पर जमकर निशाना साधा. पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने विश्वास मत के पक्ष में बोलते हुए कहा कि राज्य बनने के बाद यहां बैठे सभी राजनीतिक दलों ने सरकार चलाया, नेतृत्व किया. इसके बाद भी राज्य की क्या दशा और दिशा है, किसी से छिपी नहीं है. 2019 में हमारे गठबंधन को पूर्ण बहुमत मिला और हेमंत बाबू के नेतृत्व में सरकार बनी. मगर सरकार बनते ही संकट और कठिन परिस्थितियां उत्पन्न होते रहीं. सरकार बनते ही कोरोना आ गया. कोरोना के बाद काम शुरू हुआ तो सरकार को किसी न किसी कारण अस्थिर करने का प्रयास किया जाता रहा. इस बीच मुझे भी पांच महीने नेतृत्व करने का मौका मिला. मगर तीन महीने चुनाव में ही गुजर गया. एक बार फिर से हेमंत बाबू के नेतृत्व में सरकार बनी है. इसलिए कम समय में काफी कुछ करना है. जो राज्य की दशा एवं दिशा तय करेगी.

पहले मोदी जी से 2014 में किए गए वादों के बारे में पूछे भाजपा : उमाशंकर अकेला : विश्वास मत के पक्ष में बोलते हुए कांग्रेस विधायक उमाशंकर अकेला ने अपने अंदाज भाजपा को जमकर लताड़ा. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पर ऊंगली उठाने के पहले भाजपा के लोग 2014 में नरेंद्र मोदी के द्वारा किए गए वादों के बारे में पूछें. कहा गया प्रतिवर्ष 5 करोड़ नौकरी. कहां गया हर खाते में 15 लाख रुपये. मणिपुर क्यों नहीं गए. किसानों को एमएसपी क्यों नहीं दिया. राज्य बनने के बाद सबसे अधिक समय तक भाजपा यहां सत्ता में रही. इसलिए इस राज्य के विकास नहीं होने की जिम्मेवारी भी इनकी ही बनती है. इनलोगों ने राज्य को बर्बाद कर दिया. राज्य गठन के बाद सबसे अधिक आदिवासी सीएम भाजपा के रहे. इसके बाद भी आदिवासियों की स्थिति सुधरी क्यों नहीं. हमारी सरकार ने 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति, ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने और सरना धर्म कोड प्रस्ताव पास करके राजभवन भेजा. मगर इनके राज्यपाल ने इसे वापस कर दिया.

फ्लोर टेस्ट में जीत के बाद सीएम ने लिखा संदेश

विधानसभा में फ्लोर टेस्ट से पूर्व संबोधित करते सीएम हेमंत सोरेन.

वे भूल जाते हैं कि हम झारखंडी हैं...

रांची। सीएम हेमंत सोरेन बहुमत साबित करने और मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद लगातार दो ट्वीट किए. दोनों ट्वीट के जरिये उन्होंने भाजपा पर तंज कसा है. भाजपा को लगता है कि वे एजेंसियों का दुरुपयोग कर, अपने धन बल व शातिराना चालों से जनता को जनमत को अन्य राज्यों की तरह ख़रीद लेंगे-लूट लेंगे - पर वे भूल जाते हैं कि हम झारखंडी हैं - हमने कभी अंग्रेजों के समक्ष घुटने नहीं टेके तो ये आज के अंग्रेज तानाशाह के सामने हम कभी नहीं झुकेंगे. ना झारखंड झुका है, ना झारखंडी झुकेगा. सीएम ने दूसरे ट्वीट में लिखा है कि मुझे विधानसभा से दूर रखने के लिए भाजपा ने हर षड्यंत्र रचा.

सीएम ने ये भी लिखा : अन्याय के विरुद्ध खड़े रहेंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे, भय और दमन से नहीं डरेंगे, न्याय और समानता के लिए लड़ेंगे.

अब सदन की नहीं जनता का विश्वास लेने की जरूरत है

विश्वास मत के विरोध में बोलते हुए आजसू पार्टी विधायक सुदेश कुमार महतो ने कहा कि आखिरकार सरकार को विश्वास मत लेने की जरूरत ही क्यों पड़ी. विपक्ष ने कोई मांग नहीं की. हमे लगता है कि चंपाई सोरेन को लेकर अविश्वास है. अब इस सदन का विश्वास लेने का समय गुजर गया है. सरकार को अब जनता का विश्वास लेने का समय आ गया है. उन्होंने कहा कि पांच महीने के कार्यकाल में चंपाई दा ने बहुत अच्छा काम किया. लगा कि झारखंड और झारखंडियों की सरकार है. इनसे मिलना आसान था. यह सरकार साढ़े साल में 50 हजार भी नौकरी नहीं दे पायी. यहां तक की निजी क्षेत्र में नौकरियां क्रियेट नहीं कर सकी. झारखंड में अब भी बुनियादी सवाल जस के तस हैं.

भाजपा को भ्रष्टाचार पर बोलने का हक ही नहीं : प्रदीप यादव

कांग्रेस के विधायक प्रदीप यादव ने विश्वासमत पर बोलते हुए कहा कि भाजपा के हाथ खून से रंगे हुए हैं. भाजपा के लोगों को भ्रष्टाचार पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है. उन्होंने दो किताबें लहरायी. पूर्व मुख्यमंत्री विधायक सरयू राय द्वारा लिखित किताब और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा लिखित किताब को दिखाते हुए कहा कि सरयू राय ने मंत्रीमंडल में रहते हुए भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार पर लिखा है. बाबूलाल मरांडी ने भी भ्रष्टाचार पर किताब प्रकाशित कर भाजपा सरकार से जवाब मांगा था. इसलिए भाजपा के नेताओं को भ्रष्टाचार पर बोलने का कोई अधिकार ही नहीं है. ये लोग क्या बोलेंगे. इनके हाथ खून से रंगे हुए हैं. अब भाजपा की नहीं चलेगी. अब ये लोग खुलकर जयश्री राम भी नहीं बोल रहे हैं.

'ईडी और सीबीआई के गलत इस्तेमाल से हेमंत को जाना पड़ा'

माले विधायक विनोद सिंह ने विश्वास मत के पक्ष में बोलते हुए कहा कि आज फिर से हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बने हैं. इसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूं. हाईकोर्ट के ऑर्डर को गंभीरता से पढ़ेंगे तो पता चलेगा कि ईडी और सीबीआई जैसे जांच एजेंसियों के गलत इस्तेमाल के कारण हेमंत सोरेन को जेल में रहना पड़ा. अगर सही इस्तेमाल होता तो आज होटवार जेल भाजपा नेताओं से भरा होता. उन्होंने कहा कि अब समय काफी कम बचा है सरकार के पास. कम समय में सरकार को बहुत काम करने होंगे. अबुआ आवास योजना की त्रुटियों को दूर करना होगा. इस सरकार ने कई नयी योजनाएं लायी और शुरू की. इसका सही लाभ जनता तक पहुंचे, इसके लिए काम करना होगा.

बसंत को ड्रॉप कर हेमंत ने एक तीर से साधे कई निशाने

कौशल आनंद। रांची

अपने छोटे भाई बंसत सोरेन को ड्राप करके हेमंत सोरेन ने एक तीर से कई निशाने साधे हैं. चंपाई सोरेन से सत्ता हस्तांतरण के बाद भाजपा लगातार सोरेन परिवार पर हमलावार थे. भाजपा परिवारवाद का आरोप लगा रहे थे. इसका जवाब देने के लिए हेमंत ने 12 वां मंत्री भरने के बाद अपने भाई को इससे दूर रखा. इसलिए हेमंत ने इस आरोप का करारा जवाब अपने भाई को ड्रॉप करके दे दिया है. अब साढ़े चार साल तक सरकार में दलित कोटा का कोई मंत्री नहीं था. इसलिए हेमंत ने न केवल साढ़ चार साल से रिक्त पड़े 12 वें मंत्री को अपने खाते में कांग्रेस से लेने में न केवल सफल रहे बल्कि अपने पार्टी के दलित विधायक बैद्यनाथ राम को मंत्री बनाकर भाजपा द्वारा हर मौके पर लगाए जा रहे दलित विरोधी आरोप का भी जवाब दे दिया.

कोल्हान को फिर बैलेंस करने का प्रयास

राज्य में हेमंत सरकार बनने के बाद से ही कोल्हान से दो मंत्री हमेशा सरकार में रहे. जब इसके पहले हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री थे तो कोल्हान से चंपाई सोरेन और जोबा मांझी मंत्री रहे. जब चंपाई सोरेन मुख्यमंत्री बने तब भी कोल्हान से दीपक बिरूआ को मंत्री बनाकर इसे बैलेंस रखा गया. अभी जब फिर से हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बने तो कोल्हान के दो कोटे को बरकरार रखा. न केवल दीपक बिरूआ को कंटीन्यू किया बल्कि पार्टी के दिग्गज और सिनियर लीडर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन को फिर से मंत्रीमंडल में जगह दी. यानि कि कोल्हान से कोई छेड़छाड़ हेमंत सोरेन ने नहीं की. इसके अलावे स्व. जगनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी और स्व. हाजी हुसैन अंसारी के पुत्र हफीजुल हसन को पुनः मंत्री बनाकर अपने स्व दो पूर्व वरिष्ठ नेता परिवार को भी खुश करने और बैलेंस करने का प्रयास किया. पार्टी और पलामू एक मात्र अगडी जाति के विधायक पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर को पुनः मंत्री बनाकर क्षेत्र और जातिगत समीकरण को भी साधा.

खास बातें

- मंत्रिमंडल विस्तार में दिखे हैं कई राजनीतिक मायने
- कांग्रेस ने भी बादल को बदल कर मंत्रियों को दिया संकेत

कांग्रेस ने अपने मंत्रियों को दिया कड़ा संदेश

आलमगीर आलम के जेल जाने के बाद मुस्लिम कोटा से डॉ इरफान अंसारी का मंत्री बनना पहले से ही तय हो चुका था. मगर कांग्रेस ने बादल पत्रलेख का पत्ता साफ करके अपने कोटे के मंत्रियों को साफ कड़ा संदेश दे दिया है कि पहले संगठन है तब कोई सांसद, विधायक और मंत्री हैं. बादल पत्रलेख का लोकसभा चुनाव में भूमिका और परफोर्मेंस बहुत खराब रहा. निगेटिव रिपोर्ट आलाकमान के पास गयी. अंततः नेतृत्व ने बादल को बदलकर लोकसभा चुनाव में टिकट देकर फिर वापस लेने से नाराज चल रहीं दीपिका सिंह पांडेय को मंत्री बनाकर डैमेज कंट्रोल करने का प्रयास किया. दीपिका को जगह मिलने से कांग्रेस ने महिला कार्ड भी खेला है. वर्तमान में कांग्रेस में चार महिला विधायक हैं.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने नवगठित हेमंत सरकार पर साधा निशाना

झूठ व भ्रष्टाचार की बुनियाद पर खड़ी है हेमंत सरकार: बाबूलाल

- सबक सिखाने के लिए सही समय का इंतजार कर रही जनता
- - विधि व्यवस्था ध्वस्त, अपराधी बेखौफ, हताश हो चुके हैं युवा

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को फिर एकबार नवगठित हेमंत सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि यह सरकार अपने पहले दिन से झूठ और भ्रष्टाचार की बुनियाद पर खड़ी है, केवल पैसे और परिवार के लिए बनी है. इस सरकार ने पिछले साढ़े चार वर्षों से राज्य को केवल लूटा है. खान, खनिज, पत्थर, बालू, जमीन, गरीबों के अनाज और युवाओं की नौकरियों को लूटा गया है. मरांडी ने कहा कि आदिवासी, दलित, पिछड़ा, महिला युवा सभी वर्गों में निराशा है. विधि व्यवस्था ध्वस्त है. राजधानी में भीड़भाड़ के बीच हत्या हो जा रही है. अपराधी बेखौफ हैं. महिलाएं, बहन, बेटियां सुरक्षित हैं. सामूहिक बलात्कार की घटाएं आम हो गई हैं. हेमंत सरकार ने अपने पहले बजट सत्र में लाखों युवाओं को नौकरी देने, नहीं तो बेरोजगारी भत्ता देने की बात सदन पटल पर कही थी. लेकिन, आज युवा हताश और निराश हैं.

पत्रकारों से बात करते बाबूलाल मरांडी.

जेपीएससी, जेएसएससी की परीक्षाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ीं

मरांडी ने कहा कि जेपीएससी, जेएसएससी की परीक्षाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई. ब्लैक लिस्टेड एजेंसी के माध्यम से परीक्षाओं का संचालन करा कर राज्य सरकार ने नौकरियों को लाखों लाख में बेचवा दिया. आज युवा अभ्यर्थी धरने पर बैठने को मजबूर हैं. उनके पास भ्रष्टाचार के स्पष्ट प्रमाण हैं. यह सरकार नियम-कानून से नहीं, बल्कि मनमाने ढंग से चल रही है. इस सरकार ने पारा शिक्षकों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, निविदा कर्मियों, सहायक पुलिस कर्मियों को नियमित करने का आश्वासन देकर समर्थन प्राप्त किया था, लेकिन ये सब आज झूठा साबित हुआ.

पिछले चार वर्षों से वृद्धों को भी पेंशन नहीं दे रही सरकार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज सर्वजन पेंशन की बात करने वाली सरकार पिछले चार वर्षों से वृद्धों को भी पेंशन नहीं दे रही है. ग्रीन कार्ड पर अनाज देने के नाम पर एक दो-महीने नाटक किया गया. सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार द्वारा गरीबों के लिए भेजे जा रहे अनाज भी बिचौलिए और दलाल लूट ले रहे हैं. जनता इस सरकार से ऊब चुकी है और इसे सबक सिखाने के लिए सही समय का इंतजार कर रही है.

कोर्ट की खबरें

प्रोफेशनल लोगों की नियुक्ति क्यों नहीं?

रांची। राजेश कुमार सिंह के द्वारा विद्युत विभाग में इंडियन इलेक्ट्रिसिटी एक्ट के तहत उच्च पदों पर नियुक्ति के लिए दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. अदालत ने बिजली बोर्ड और राज्य सरकार को नोटिस जारी कर मौखिक रूप से पूछा कि विज्ञापन जारी कर कुशल लोगों की नियुक्ति क्यों नहीं की जा रही? आईएएस अधिकारियों व अन्य अफसरों को पदभार देकर क्यों काम चलाया जा रहा है? अदालत अब इस मामले में 24 जुलाई को सुनवाई करेगा.

आलमगीर ने कोर्ट से याचिका वापस ली

रांची। पूर्व मंत्री और कांग्रेस के विधायक आलमगीर आलम हेमंत सोरेन के फ्लोर टेस्ट में शामिल नहीं हो पाये. उन्होंने विधानसभा के विशेष सत्र में शामिल होने की मांग वाली याचिका सोमवार को वापस ले ली. सोमवार को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में हुई आंशिक सुनवाई के बाद उन्होंने अपनी याचिका वापस ले ली. बता दें कि टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने आलमगीर आलम को 15 मई को गिरफ्तार किया था.

क्लासिफाइड

तापमान
32.7° अधिकतम | 23.6° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, मंगलवार 09 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 04 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 91 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

धुर्वा गोलीकांड : दूसरे दिन बस स्टैंड चौक इलाके में पसरा रहा सन्नाटा, बंद रहीं सारी दुकानें

जांच में जुटी पुलिस को नहीं मिल पाया अपराधियों का कोई सुराग, विरोध शुरू

सौरभ सिंह। रांची

धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित धुर्वा बस स्टैंड पर पूर्व पार्षद वेद प्रकाश को अपराधियों ने गोली मार दी थी. यह घटना रविवार की देर शाम हुई थी. घटना के बाद सोमवार को धुर्वा बस स्टैंड चौक में सन्नाटा पसरा रहा. आसपास की सारी दुकानें बंद रही. वहीं दूसरी तरफ घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों का अब तक कोई पता नहीं चला है. संदेह के आधार पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की. घायल पूर्व पार्षद वेद प्रकाश की स्थिति में गंभीर बनी हुई है. पारस अस्पताल के डॉक्टरों की टीम उन पर नजर रख रही है. मुलाकातियों की भीड़ दिन भर आती रही.

चाय दुकान पर बैठे थे वेद प्रकाश सिंह : वेद सिंह पर अपराधियों ने उस वक्त हमला किया, जब वे रविवार की शाम धुर्वा बस स्टैंड के पास स्थित एक चाय दुकान में बैठे हुए थे. इसी दौरान हाथ में देशी कट्टा लिए एक अपराधी पैदल ही वेद सिंह के पीछे पहुंचा और गोली चलाना शुरू कर दिया. गोलीबारी

में वेद सिंह को तीन गोली लगी. जबकि दो अपराधी बाइक पर ही बैठे हुए थे.गोलीबारी के समय चाय दुकान में भगदड़ मच गई थी.

वेद प्रकाश सिंह धुर्वा के जानेमाने व्यक्ति हैं : वेद प्रकाश सिंह धुर्वा के जानेमाने व्यक्ति हैं, वह हर रोज शाम में बस स्टैंड स्थित चाय दुकान पर आकर बैठा करते थे. वेद सिंह पर हमला करने के लिए अपराधियों ने पहले रेकी की थी. अपराधी जानते थे कि वेद सिंह हर दिन चाय दुकान पर आते हैं. इसीलिए वहीं पर उनपर हमला किया गया. पुलिस घटना स्थल के पास सीसीटीवी खंगाल रही है. वहीं पूर्व पार्षद वेद प्रकाश सिंह पर गोली चलने के बाद सैकड़ों की संख्या में लोग पारस हॉस्पिटल पहुंचे थे. घटना के बाद लोगों में काफी आक्रोश है.

सीमा विवाद को लेकर एफआईआर दर्ज करने में हुई देरी

वेद प्रकाश को गोली मारने के मामले में एफआईआर दर्ज करने को लेकर सीमा का मामला सामने आया. जिस वजह से घटना के 20 घंटे के बाद मामला दर्ज हुआ. धुर्वा थाना और विधानसभा थाना के सीमा क्षेत्र को लेकर एफआईआर में देरी हुई. जिसके बाद सोमवार को विधानसभा थाना में मामला दर्ज हुआ.

24 घंटे में अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो जन आंदोलन : संजय सेठ

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रशासन को चेताते हुए कहा कि प्रशासन धैर्य की परीक्षा ना ले जिस प्रकार आए दिन रांची में हत्याएं हो रही हैं. प्रतिदिन लूट की घटनाएं हो रही है, और प्रशासन हाथ पर हाथ धरी बैठी है. लगातार भाजपा के कार्यकर्ताओं को टारगेट किया जा रहा है.आज जिस प्रकार दिनदहाड़े भाजपा के पूर्व पार्षद धुर्वा निवासी वेद सिंह को अपराधियों ने गोली मार दी यह घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है, और रांची प्रशासन के लिए शर्म की बात है. जहां आज जगन्नाथपुर का मेला लगा हुआ है. पूरा प्रशासन उस मेले में लगा हुआ है, और वहीं मेला परिसर के 500 मीटर की दूरी पर अपराधी घटना को अंजाम देकर भाग निकलते हैं. यह शर्म की बात है, सरकार भी मूकदर्शक बनी हुई है. सरकार और प्रशासन अगर 24 घंटे के अंदर अपराधियों को गिरफ्तार नहीं करती है, तो रांची के सड़कों पर प्रशासन के खिलाफ जन आंदोलन होगा.

पूर्व पार्षदों ने तख्तियां ले किया विरोध प्रदर्शन

कानून व्यवस्था ठीक करने व हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग की

रांची । निवर्तमान पार्षद वेद सिंह को गोली मार कर घायल किए जाने के विरोध में सोमवार को विधानसभा के गेट पर प्रदर्शन किया गया. रांची नगर निगम के निवर्तमान पार्षदों ने हाथों में तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया. उनकी तख्तियों में लिखा था कानून व्यवस्था ठीक करो, हमलावरों को गिरफ्तार करो. इससे पूर्व सारे पूर्व पार्षद घायल पार्षद से मिलने गये. प्रदर्शन करने वालों में पूर्व पार्षद अरुण कुमार झा, अर्जुन राम, ओम प्रकाश, रोशनी खालको, दीपक लोहार, उर्मिला यादव, सविता कुजूर, झाड़ी लिंडा, दीनूराम, सविता लिंडा, नकुल तिर्की, जमीन कुजूर, सुचिता रानी राय, पप्पू सिंह, रीता मुंडा, आशा देवी गुप्ता, निरंजन कुमार, प्रीति रंजन, राहुल चौधरी आदि शामिल थे.

ग्रामीण इलाकों में होगी अगस्त से जमीन महंगी

विनीत आभा उपाध्याय। रांची। राजधानी के ग्रामीण क्षेत्रों में 1 अगस्त से जमीन और मकान की रजिस्ट्री महंगी हो जाएगी, इसका प्रस्ताव तैयार किया जा रहा. जिले के ग्रामीण इलाकों में निबंधन शुल्क में अधिकतम 10% की वृद्धि हो सकती है. इसका असर नगर निगम के कुछ इलाकों के अलावा बुंडू पंचायत और आरआरडीए क्षेत्राधिकार व सेंसस टाउन के इलाकों की भूमि के निबंधन पर भी पड़ेगा. रांची में सबसे ज्यादा कीमत ओरमांझी और नामकुम क्षेत्र में हो सकती है. यहां ज़मीन की सरकारी कीमत 9 लाख रूपये प्रति डिसमिल की दर को पार कर सकती है. बता दें कि भू-राजस्व एवं निबंधन विभाग के निर्देश पर हर वर्ष निबंधन शुल्क में वृद्धि का पुनरीक्षण होता है. शहरी क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्रों में हर दो वर्ष में जमीन और मकान के रेट में वृद्धि की जाती है. वर्ष 2022 में अंतिम बार ग्रामीण इलाकों की रैयती भूमि और मकान की कीमतों में 10% की वृद्धि की गई थी. जो 1 अगस्त 2024 तक लागू रहेगी. सरकार के नियम के मुताबिक, हर 2 वर्ष पर ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में जमीन की सरकारी दर बढ़ाई जाती है.

ब्रीफ खबर

डोरंडा: महिला डॉक्टर ने कर ली खुदकुशी

रांची। डोरंडा थाना क्षेत्र के बंधु नगर स्थित आवास पर एक महिला डॉक्टर ने खुदकुशी कर ली. मृतक डॉक्टर का नाम इंदु भारती है. डॉ. इंदु भारती ने रस्सी के सहारे अपने कमरे में खुदकुशी कर ली. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया. थाना प्रभारी आनंद किशोर प्रसाद ने बताया कि खुदकुशी के कारणों का पता नहीं चल पाया है. फिलहाल पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है.

रिम्स जाएं, तो सावधान रहें, कहीं डेंगू-मलेरिया के शिकार न हो जाएं

रिम्स ने ठानी | हम ही करेंगे बीमार हम ही करेंगे इलाज

आकर्ष अनिकेत। रांची

झारखंड के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स में राज्य के अलग-अलग हिस्सों से लोग इलाज कराने आते हैं. लेकिन अस्पताल की व्यवस्था दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है. पहले से ही अस्पताल में वार्ड ब्वॉय की कमी है. सफाई कर्मचारियों का वेतन कई महीनों से रुका हुआ है. अब मॉनसून आ चुका है और बारिश भी हो रही है.

लेकिन रिम्स में साफ-सफाई की व्यवस्था ऐसी है कि इलाज कराने आये मरीज अपनी-अपनी बीमारियों का इलाज तो कराएंगे ही, लेकिन हो सकता है लौटते वक्त डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों को भी साथ ले जाएं. रिम्स के अंदर और बाहर दोनों ही जगह गंदे पानी का जमाव हो रहा है, जिससे इस मौसम में डेंगू और मलेरिया के मच्छरों के पनपने का खतरा बना हुआ है. कहीं नाली का गंदा पानी जम रहा है, तो कहीं बरसात का. पर उसे साफ करने वाले कोई नहीं.

रिम्स के बाहर भी गंदगी

रिम्स की सफाई व्यवस्था तो चरमराई हुई है ही, रिम्स के बाहर भी साफ-सफाई की व्यवस्था ठप है. रिम्स के बाहर कचरे का अंबार जमा रहता है, जिसमें बारिश होने पर गंदा पानी जम जाता है. हालांकि रिम्स के मुख्य गेट के पास मौजूद मंदिर के बगल में कचरे का अंबार लगा रहता है. पहले यहां डस्टिबन की सुविधा थी, पर अब नहीं है. सड़क के किनारे ही कचरा पसरा रहता है. रिम्स के सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक और मुख्य बिल्डिंग के बीच में भी गंदगी और जलजमाव की समस्या है.

इस साल रांची में सर्वाधिक 28 डेंगू के मरीज

इस साल अब तक पूरे राज्य में 76 डेंगू के मरीज पाए गए हैं. इनमें से सर्वाधिक 28 मरीज रांची में मिले हैं. डेंगू के 28 मरीज के साथ रिम्स में 13 मलेरिया के मरीज भी भर्ती हैं.

रिम्स के बाहर पसरा कचरे का अंबार.

आर्थोपेडिक वार्ड के पीछे जमा कचरा.

आईसोलेटेड यूनिट फॉर स्पेशल वार्ड के पीछे बजबजाती नाली.

रिम्स परिसर में खुले में जमा नाली का गंदा पानी.

सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक व मुख्य बील्डिंग के बीच में कचरा.

जमीन कारोबारी कमलेश को ईडी ने फिर भेजा समन

संवाददाता। रांची

- 12 जुलाई को ईडी ऑफिस में उपस्थित होने को कहा

जमीन कारोबारी कमलेश कुमार को ईडी ने दोबारा समन भेजा है. ईडी ने समन भेजकर 12 जुलाई को उपस्थित होने को कहा है. इससे पहले बीते 28 जून को ईडी ने कमलेश को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया था.

गौरतलब है कि 21 जून को ईडी ने कमलेश के ठिकानों पर छापेमारी की थी. इस दौरान उसके ठिकानों से एक करोड़ कैश और 100 कारतूस बरामद हुए थे. जिसके बाद ईडी के सहायक निदेशक देवव्रत झा ने पूरे मामले में झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह को पत्र लिखा और कार्रवाई की मांग की थी. रांची के कांके में थाना में कमलेश के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था.

शेखर कुशवाहा के बयान पर हुई कार्रवाई : फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन हड़पने वाले सिंडिकेट से जुड़े शेखर कुशवाहा ने बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी कांके इलाके में कई जगहों पर कमलेश कुमार द्वारा जमीन के फर्जी दस्तावेजों के सहारे जमीन हड़पने की जानकारी दी थी. मामला सामने आने के बाद ईडी ने समन कर कमलेश कुमार को रांची जोनल आफिस में पूछताछ के लिए बुलाया था.

लेकिन ईडी के समन पर उपस्थिति ना होकर कमलेश फरार हो गया था. जिसके बाद शुक्रवार की दोपहर 12 बजे ईडी की टीम कांके रोड के चांदनी चौक स्थित एस्ट्रो ग्रीन स्थित फ्लैट पहुंची. लेकिन ईडी के पहुंचने से ठीक पहले कमलेश वहां से निकल गया था. स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में ईडी ने इस फ्लैट को सर्च किया.

इस दौरान ईडी को वहां से 100 जिंदा कारतूस और एक करोड़ कैश मिला. इस मौके से एजेंसी ने जमीन से जुड़े दस्तावेज समेत कई महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद किये हैं. कांके रोड में छापेमारी के बाद ईडी ने देर शाम कमलेश के चेशायर होम रोड स्थित आवास में भी छापेमारी की थी.

हाईकोर्ट द्वारा शराब टेंडर मामले में लिए संज्ञान पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

संवाददाता। रांची/दिल्ली

- शीर्ष कोर्ट की टिप्पणी ऐसा पीआईएल खारिज कर देना चाहिए

सुप्रीम कोर्ट में झारखंड में थोक शराब के लिए जारी टेंडर में गड़बड़ी की जांच को लेकर दाखिल जनहित याचिका के खिलाफ दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के बाद कोर्ट ने हाईकोर्ट के द्वारा लिए गए संज्ञान पर रोक लगा दी है. कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि इस तरह के पीआईएल खारिज कर देनी चाहिए. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुधांशु धुलिया और जस्टिस ए अमानुला की खंडपीठ में यह मामला सूचीबद्ध था.

राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल ने शीर्ष अदालत में पक्ष रखा. दरअसल राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (स्पेशल लीव पिटीशन) दाखिल कर कहा गया है कि थोक शराब के लिए जारी टेंडर से जुडी जनहित याचिका सुनवाई योग्य नहीं है यानी जनहित याचिका की मेनटिब्लिटी को ही चुनौती दी गई है. इसके साथ ही याचिका में यह भी कहा गया है कि झारखंड हाईकोर्ट के पीआईएल (पब्लिक इंट्रेस्ट लिटिगेशन) रूल्स का भी पालन नहीं किया गया है. बता दें कि शराब के लिए जारी टेंडर में गड़बड़ी की जांच को लेकर अधिवक्ता राजीव कुमार ने जनहित याचिका दायर की थी. पूर्व में हुई सुनवाई में अदालत राजीव कुमार को इस केस से हटाते हुए संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है.

अच्छी खबर राज्य सरकार के एकमात्र मनोचिकित्सा संस्थान में निर्माण व मरम्मत कार्य पूरे होंगे

अपग्रेड होगा रिनपास, राज्य सरकार से मिले 36.95 करोड़

प्रमुख संवाददाता। रांची

राजधानी का रिनपास (रांची मनोचिकित्सा एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान) अपग्रेड होगा. राज्य सरकार ने रिनपास को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 36 करोड़ 95 लाख दो हजार रुपये की राशि उपलब्ध करा दी है. इस राशि से निर्माण व मरम्मत संबंधी कार्य इस्टीमेट तैयार कर पूरे किए जाएंगे. पूर्व से चल रहे निर्माण व मरम्मत कार्यों की समाप्ति के बाद ही नए काम शुरू किए जाएंगे.

स्वास्थ्य विभाग ने जारी आदेश में कहा है कि निर्माण व मरम्मति संबंधी कार्यों के पूर्व एवं बाद का फोटो व वीडियो विभाग को अभिलेख के लिए उपलब्ध कराया जाना अनिवार्य होगा.

निर्माण व मरम्मति कार्य की गुणवत्ता रिनपास के निदेशक सुनिश्चित करेंगे. साथ ही साथ समय-समय पर विभाग को प्रगति प्रतिवेदन और स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग एवं महालेखाकार कार्यालय को उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध करायेंगे.

हर साल एक लाख से अधिक मरीजों का इलाज : रिनपास में हर साल एक लाख से अधिक मरीजों का इलाज होता है. इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो साइकेट्री एंड एलायड साइंस (रिनपास) राज्य सरकार का एकमात्र मनोचिकित्सा संस्थान है. राज्य सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सहयोग और भारत सरकार के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की मॉनिटरिंग में इसका संचालन होता है. सुप्रीम कोर्ट समय-समय पर संस्थान की रिपोर्ट लेता है.

चार जगहों पर चल रहा सैटेलाइट क्लीनिक : रिनपास 15 साल पहले जोन्हा में केवल एक सैटेलाइट क्लीनिक चला रहा था. अगस्त 2003 से खूंटी, सरायकेला खरसावां और हजारीबाग में तीन और सैटेलाइट क्लीनिक खोले गये.

संस्थान इन आउटरीच सामुदायिक केंद्रों में मनोचिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ और छात्रों से बनी मेडिकल टीम भेजता है, जहां उन्हें एक महीने के लिए परामर्श और मुफ्त दवाइयां दी जाती हैं. हर पखवाड़े एक मनोचिकित्सक बिरसा सेंट्रल जेल, रांची और चेशायर होम, रांची में मानसिक बीमारी से पीड़ित कैदियों का इलाज करने जाता है. इसके अलावा दुमका, डाल्टनगंज, गुमला और जमशेदपुर में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के कामकाज के लिए रिनपास का नोडल केंद्र भी है.

खास बातें

- उपलब्ध राशि से निर्माण व मरम्मत कार्य किया जाएगा
- रिनपास के निदेशक कार्य की गुणवत्ता पर रखेंगे नजर

इन कामों पर फोकस

- मानसिक रोगियों के लिए नैदानिक और चिकित्सीय सुविधाएं देना.
- **मानसिक रोगियों के सामाजिक और व्यावसायिक पुनर्वास के लिए बुनियादी ढांचे का विकास करना.**
- मनोचिकित्सा, नैदानिक मनोविज्ञान, मनोचिकित्सा सामाजिक कार्य और नर्सिंग के क्षेत्र में पेशेवर और अर्द्ध -पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान करना.
- क्षेत्र में चिकित्सा और अर्धचिकित्सा कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान कर के सामुदायिक स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना.
- व्यवहार विज्ञान में अनुसंधान करना.

डीपी ज्वेलर्स लूटकांड: अपराधी गिरफ्तार

पुंदाग से लूटे जेवरात बरामद

संवाददाता। रांची

जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के बिरसा चौक स्थित डीपी ज्वेलर्स में बीते 28 जून को लूट की घटना हुई थी. एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार किया. हालांकि इस लूट में शामिल एक अपराधी अभी भी फरार चल रहा है.

पुलिस ने घटना के बाद अपराधियों को सहयोग करने के आरोप में दो-तीन लोगों को हिरासत में लिया है. साथ ही पुंदाग स्थित एक निर्माणाधीन अपार्टमेंट से लूटे जेवरातों में से एक बैग जेवरात बरामद किये हैं. पुलिस की टीम रविवार को उस अपार्टमेंट में पहुंची थी. फ्लैट के कमरे में जेवरातों से भरे बैग को छिपा कर रखा गया था, ताकि किसी को शक न हो. फिलहाल पुलिस ने इस मामले में अधिकारिक पुष्टि नहीं की है.

सीसीटीवी में अपराधी एक दूसरे का ले रहे थे नाम, पुलिस को मिला सुराग : लूट की घटना के बाद पुलिस ने जब ज्वेलरी शॉप के सीसीटीवी को खंगाला तो फुटेज में अपराधी एक दूसरे का नाम लेते सुनाई दिये. उसी से पुलिस को अभियुक्तों का सुराग मिला. इसके बाद पुलिस ने रातू रोड में होटल का पता लगाया, जहां अपराधी रुके थे. उस होटल से भी कुछ संदिग्धों को पुलिस ने पकड़ा. उनसे पूछताछ में पता चला कि अपराधियों में कुछ पलामू, लातेहार और बिहार के हैं. इसके बाद पुलिस की टीम लगातार रेड कर रही थी. घटना के बाद दो अपराधी मौके पर दोबारा आये थे. ये सीसीटीवी में कैद था. पुलिस ने जब ठीक से देखा तो वह अभियुक्त को सीसीटीवी में कैद पाया. इसके बाद ही अभियुक्तों की कड़ी जुड़ती चली गयी.

घर का ताला तोड़कर 12.60 लाख के समान की चोरी

रांची। राजधानी में चोरी की घटना भी लगातार हो रही है. इसी दौरान सोमवार को चोरों ने डोरंडा थाना क्षेत्र के मेकॉन में रहने वाले विवेक कुमार के घर में चोर ताला तोड़कर 12 लाख के जेवरात और 60 हजार रुपए नगद लेकर फरार हो गए. विवेक कुमार गोप मेकन के स्ट्रक्चरल डिपार्टमेंट में मैनेजर के पद पर कार्यरत है. वे मेकॉन में आवास संख्या एल/46 में रहते है. आठ जुलाई की सुबह उनके घर में सुबह तीन बजे चोरी की घटना हुई. उनका पूरा परिवार अपने एक रिश्तेदार के घर गए थे. पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

शहर में आज

1. आजस का हल्ला बोल कार्यक्रम, कई प्रखंडों में दिन के 10 बजे
2. मंत्रियों का पदभार ग्रहण, नेपाल हाउस, प्रोजेक्ट भवन में दिन के 11 बजे से

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

वोटर लिस्ट का द्वितीय विशेष पुनरीक्षण 25 से

रांची। मतदाता सूची में सुधार और छूटे हुए मतदाताओं को जोड़ने के लिए 25 जुलाई से मतदाता सूची का द्वितीय विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू हो रहा है. एक जुलाई 2024 को अहर्त्ता तिथि मानते हुए 25 जुलाई 2024 से मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हो रही है. इसके तहत 25 जुलाई को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन होगा. 25 जुलाई से नौ अगस्त तक दावा और आपत्ति दाखिल किया जाएगा. 27-28 जुलाई और 03-04 अगस्त को विशेष अभियान तिथि रखी गई है.

कांके प्रखंड राजद अध्यक्ष बने सूरज

रांची । कांके प्रखंड चौड़ी बस्ती के रहने वाले सूरज कुमार राय को कांके प्रखंड राजद का अध्यक्ष और मो शोएब को कांके प्रखंड का सचिव मनोनीत किया गया है. रांची जिला राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष धर्मेंद्र महतो ने कहा कि इनके पदाधिकारी बनने से प्रखंड में राजद का संगठन और भी मजबूत होगा. उन्होंने प्रखंड अध्यक्ष सूरज कुमार राय को जल्द से जल्द प्रखंड कमेटी का गठन करने का निर्देश दिया है, ताकि होने वाले विधानसभा चुनाव में कांके में पार्टी सबसे आगे रहे.

मनरेगा कर्मी संघ आयुक्त से मिला

रांची। झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ प्रदेश कमेटी का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी झारखंड के बुलावे पर उनके कार्यालय कक्ष में उनसे और उसके बाद सचिव ग्रामीण विकास से मिला। विक्रांत ज्योति केंद्रीय अध्यक्ष, सुशील पाण्डेय केंद्रीय संयुक्त सचिव झारखंड राज्य अनुबंध कर्मचारी महासंघ झारखंड के उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न वार्ता टीम की अगुवाई महेश सोरेन प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ राजेश दास प्रदेश सचिव ने किया. प्रथम चरण की वार्ता में मनरेगा कमिश्नर ने गम्भीरता से हमारी मांगों को सुना.

झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र : परिसर के बाहर धरने पर बैठे भाजपा विधायक

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया था. इस सत्र में हेमंत सोरेन ने विश्वास मत हासिल किया. हेमंत सरकार के फ्लोर टेस्ट से पहले विपक्षी पार्टी बीजेपी के विधायक विधानसभा परिसर के बाहर धरने पर बैठे हैं. इस दौरान सभी विधायक आदिवासी विरोधी सरकार, सत्ता का भूखा हेमंत शर्म करो, पांच लाख नौकरी का क्या हुआ, राज्य में चौपट विधि व्यवस्था के लिए हेमंत सोरेन शर्म करो, पत्थर-कोयला-बालू और जमीन लुटवाने वाली सरकार हाय हाय के नारे लगा रहे थे.

हेमंत मंत्रिमंडल में सभी वर्ग के लोगों को मिला बर्थ, अगड़े के साथ दलित वोट बैंक भी साधा

कैबिनेट जातीय समीकरण में भी फिट

रवि भारती। रांची

हेमंत कैबिनेट में 6-4-1का फॉर्मूला तो फिट हो ही गया, इसके साथ ही मंत्रिमंडल में जातीय समीकरण को भी पूरी तरह से फिट किया गया है. सभी वर्ग के लोगों को बर्थ मिली है. अगड़ी जाति से लेकर दलित वोट बैंक को पूरी तरह से साधने की कोशिश की गई है. आदिवासी समाज को भी मंत्रिमंडल में तवज्जो मिली है. वहीं कुर्मी समाज के प्रतिनिधि के रूप में बेबी देवी को मंत्रिमंडल में जगह दी गई है. इस मंत्रिमंडल के गठन कर हेमंत सरकार ने आरोपों और विवादों से भी बचने की कोशिश की है. बसंत सोरेन को मंत्री नहीं बनाकर परिवारवाद के आरोपों को भी दरकिनार करने की कोशिश की गई है.

झामुमो ने जातीय समीकरण का रखा ख्याल : झामुमो ने मंत्रीपद बंटवारे में जातीय समीकरण का भी पूरा ध्यान रखा है. इसमें ब्राह्मण, कुर्मी, मुस्लिम, अनुसूचित जनजाति, और अनुसूचित जाति को तवज्जो दी गई है. इसकी वजह यह है कि चुनाव में आदिवासी, मुस्लिम, और कुर्मी निर्णायक भूमिका में रहते हैं. वहीं कांग्रेस ने भी सभी वर्गों का ध्यान रखा है. कांग्रेस ने आदिवासी समाज से डॉ. रामेश्वर उरांव, मुस्लिम समाज से इरफान अंसारी, अगड़ी जाति से दीपिका पांडेय सिंह और ओबीसी से बन्ना गुप्ता को मंत्री बनाया है

झामुमो का जातीय समीकरण

- मिथिलेश ठाकुर – ब्राह्मण,
- बेबी देवी – कुर्मी
- हफीजुल हसन – मुस्लिम
- दीपक बिरुआ – अनुसूचित जनजाति
- बैद्यनाथ राम – अनुसूचित जाति

अब होगी ताबड़तोड़ बल्लेबाजीः इरफान

रांची। डॉ इरफान अंसारी ने शपथ ग्रहण के बाद कहा कि अब ताबड़तोड़ बल्लेबाजी होगी. समय कम है. हम फाइनल के लिए तैयार हैं. झारखंड से बीजेपी को भगाऊंगा. पांच महीने तक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल में रखा. एक-एक दिन का बदला लूंगा. बताते चलें कि इरफान अंसारी को आलमगीर आलम के जगह पर मंत्री पद मिला है. वहीं कैबिनेट मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि समय कम है काम ज्यादा करना है. एक-एक पल झारखंड के हित में लगाया जाएगा.

कांग्रेस विधायक दल का नेता कौन, इस पर नहीं हुआ निर्णय

रांची। कांग्रेस आलाकमान पार्टी कोटे से कौन-कौन मंत्री होगा, इस पर तो पर्दा मंत्री पद के शपथ के साथ ही उठा दिया. मगर सदन में कांग्रेस विधायक दल का नेता कौन होगा. इस पर सस्पेंस कायम रखा है. इस पर अपने पत्ते नहीं खोले हैं. बतातें चलें कि आलमगीर आलम मंत्री होने के साथ-साथ विधायक दल के नेता भी रहे थे. मगर उनके इस्तीफे के बाद से ही यह पद रिक्त है. फिलहाल सदन में पार्टी उपनेता प्रदीप यादव को ही विधायक दल का काम देखने को कहा गया है. इस पद के रेस में पार्टी के सबसे सीनियर विधायक और मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव का नाम सबसे आगे है. मगर दीपिका सिंह पांडेय और बन्ना गुप्ता के नाम की भी चर्चा है.

नेता प्रतिपक्ष ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन, कहा

हफीजुल अंसारी को दिलाएं पुनः शपथ

राज्यपाल को ज्ञापन सौंपते नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी.

रांची। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी एवं मुख्य सचेतक बिरंचि नारायण ने सोमवार को झारखंड के राज्यपाल से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में उन्होंने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन ने अपनी मंत्रिपरिषद का विस्तार किया. पद और गोपनीयता की शपथ के दौरान मधुपुर के विधायक हफीजुल अंसारी ने जिस तरह से आपके शपथ के कॉल के बाद उन्होंने धार्मिक पंक्ति के साथ शुरुआत की, मुझे लगता है वह गैर संवैधानिक थी. अतएव उन्हें पुनः शपथ दिलाएं एवं तब तक उन्हें मंत्री पद से मुक्त माना जाए. राज्यपाल ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के ज्ञापन पर न्याय संगत कार्रवाई की जाएगी.

देश की सबसे बड़ी ठग और भ्रष्ट सरकार : अमर बाउरी

नेता प्रतिपक्ष ने विश्वास मत के विरोध में बोलते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने सरकार की वादाखिलाफी से लेकर संताल परगना में बदलती डेमोग्राफी का मुद्दा उठाया. हेमंत सरकार पर भ्रष्टाचार के भी आरोप लगाए. उन्होंने कहा कि यह देश की सबसे भ्रष्ट सरकार है. ठग और झूठ की सरकार है. बाउरी ने कहा कि आदिवासियों की संख्या लगातार घट रही है. अगर आदिवासी ही नहीं बचेंगे, तो किस आदिवासियत की हम बात करेंगे. सिदो-कान्हू की धरती भोगनाडीह में अब सिर्फ 60 आदिवासी परिवार बचे हैं. बाउरी ने कहा कि सरकार बार-बार कह रही है कि वह लोगों को पेंशन दे रही है. लेकिन, सच यह है कि पिछले 4 महीने से बुजुर्गों को पेंशन नहीं मिली. उन्होंने कहा कि ग्रीन कार्ड धारकों को 11 महीने से राशन नहीं मिला है. परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक हुए हैं. कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. कई राज्यों में ब्लैकलिस्टेड हो चुकी कंपनी को परीक्षा कराने की जिम्मेदारी दे दी. उन्होंने आरोप लगाया कि चूंकि जांच की आंच सरकार तक पहुंच रही थी, जांच को ही ठंडे बस्ते में डाल दिया. अमर बाउरी ने सरकारी नौकरियों को बेचने का सरकार पर आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि पारा शिक्षक सड़क पर आंदोलन के लिए तैयार हैं.

इंडिया गठबंधन से चाहा जुड़ना पर नहीं मिला साथ : उपाध्यक्ष

रेहान अहमद। रांची

मो. शहाबुद्दीन

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग विधानसभा चुनाव में 20 सीटों पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है. मुस्लिम लीग के प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रदेश प्रवक्ता मो शहाबुद्दीन ने कहा कि लोकसभा चुनाव के समय हमारी पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ मिल कर चुनाव लड़ना चाहती थी, इसलिये झारखंड प्रदेश कांग्रेस से संपर्क कर गठबंधन से जुड़ने के लिए बात की गई थी.

हमारी पार्टी गठबंधन से जुड़ने से काफी खुश थी, लेकिन समन्वय समिति में हमारे मुस्लिम लीग से एक भी सदस्य को शामिल नहीं किया गया. कहने पर इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया. इसलिये इसबार हमारी पार्टी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग विधानसभा चुनाव अपने बुते लड़ने का निर्णय लिया है. उन्होंने कहा कि विधानसभा की 20 सीटों का चयन विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोणों से किया गया है. प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के लिए विकास व समावेशी नीति को बढ़ावा देना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सुधार के लिए पार्टी ने कई योजनाएं तैयार की हैं.

प्रदेश उपाध्यक्ष मो शहाबुद्दीन ने कहा कि मुस्लिम लीग ने समाज के सभी वर्गों से समर्थन और सहयोग की अपील की है. पार्टी ने विश्वास जताया कि उनके उम्मीदवार जनता की समस्याओं को समझते हुए समाधान प्रदान करेंगे.

2019 में मुस्लिम लीग पांच सीटों से लड़ा था चुनाव : मो शहाबुद्दीन शहाबुद्दीन ने कहा कि वर्ष 2019 के झारखंड विधानसभा चुनाव में मुस्लिम लीग 5 सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन किसी सीट से जीत हासिल नहीं किया था. पांच सीटों में मांडू, पश्चिम सिंहभुम, गोमया, गांडेय, जरमुंडी विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं.

खास बातें

- विधानसभा के 20 सीटों पर चुनाव की है तैयारी
- मुस्लिम लीग अपने बूते लड़ेगी विधानसभा चुनाव

इस विस चुनाव में 20 सीटों पर चुनाव लड़ने का इरादा

वहीं 2024 के विधानसभा चुनाव में मुस्लिम लीग ने 20 सीटों पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है. 20 सीटों में हटिया, बड़कागांव, गांडेय, गिरिडीह, जरमुंडी, धनबाद, पश्चिम सिंहभुम, हुसैनाबाद, पाकुड़, बोड़िया, बरहेट, लोहरदगा, राजमहल, मधुपूर, गोड्डा, हजारीबाग, जमशेदपुर शामिल हैं. 20 विधानसभा क्षेत्रों की भी जल्द घोषणा की जाएगी.

भाजपा को जीत का मंत्र देने 20 को रांची आएंगे गृह मंत्री अमित शाह

संवाददाता। रांची

हेमंत सोरेन सरकार ने विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर कैबिनेट का विस्तार कर लिया है. सदन में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने सरकार को भ्रष्टाचार और घुसपैठ को लेकर घेरा. अब 20 जुलाई को यहां होने वाली भाजपा की विस्तारित कार्यसमिति की बैठक में चुनाव से पहले हेमंत सोरेन सरकार को घेरने का ऐलान पार्टी करेगी. गृहमंत्री अमित शाह भी इस बैठक में प्रदेश से लेकर मंडल स्तर तक के आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे. पार्टी के चुनाव प्रभारी कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और सह प्रभारी असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा एक दिन पहले यानी 19 जुलाई को ही रांची आएंगे और तैयारियों को अंतिम रूप देंगे. दोबारा संगठन प्रभारी बनाए गए लक्ष्मीकांत वाजपेयी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे.

झारखंड विधानसभा में जीत के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आने से भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह है. कार्यकर्ताओं का मानना है कि गृहमंत्री के भाषण से तीन महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनाव की दिशा तय होगी. जो एजेंडा गृहमंत्री और दूसरे नेता देंगे उसपर काम किया जाएगा. विस्तारित कार्यसमिति के बाद गृहमंत्री अमित शाह प्रदेश भाजपा की कोर कमेटी और पुराने नेताओं से भी मिल सकते हैं. आदिवासी सुरक्षित सीटों पर जीत दर्ज करने की रणनीति के तहत गृहमंत्री का आदिवासी समाज के राजनीतिक और सांस्कृतिक लोगों से मिलने का कार्यक्रम भी बनाया जा रहा है.

खास बातें

- भाजपा के प्रदेश से लेकर मंडल स्तर तक के कार्यसमिति सदस्य बैठक में होंगे शामिल
- शिवराज चौहान, हिमंत बिस्वा सरमा और लक्ष्मीकांत वाजपेयी भी कार्यक्रम में रहेंगे मौजूद

परिवहन पदाधिकारी ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की

जिला परिवहन पदाधिकारी सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेते हुए.

संवाददाता। रांची

जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) अखिलेश कुमार की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी के द्वारा जिले में सड़क दुर्घटना की समीक्षा कि गई. डीटीओ ने सभी ब्लैक स्पॉट पर स्टेक होल्डर को जॉइंट विज़िट करने का निर्देश दिया. साथ ही होटल लीलैक और जेवियर कॉलेज के पास स्पीड ब्रेकर बनाने का निर्देश दिया गया. डीटीओ ने आरसीडी और ट्रैफिक डीएसपी को निर्देश दिया कि जिस 10 लोकेशन पर एसवीडी ओवेरस्पीडिंग कैमरा से चालान काटा जाता है, वहां साइन बोर्ड लगाने का निर्देश दिया गया. डीटीओ ने एमवीआई को निर्देश दिया कि रांची के सभी स्कूल बसों की चेकिंग की जाए. साथ ही प्रति माह सड़क दुर्घटना पर रोक लगाने हेतु समिति लोगों से आवश्यक विचार विमर्श किये.

झारखंड में मॉबलिंचिग की लगातार घटना से इमरान प्रतापगढ़ी चिंतित

पीड़ित परिवार से मिलेंगे इमरान

संवाददाता। रांची

अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी झारखंड में हुई दो मॉबलिंचिंग की घटनाओं से काफी चिंतित हैं, और इसी सप्ताह झारखंड आकर पीड़ित परिवार से मिलेंगे. उनके न्याय के लिए हर संभव कोशिश करेंगे. यह जानकारी झारखंड प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता अख्तर अली ने दी. उन्होंने बताया कि बरकट्ठा में मौलाना सहाबुद्दीन की हुई हत्या पर प्रदेश प्रभारी उमैर खान और प्रदेश अध्यक्ष मंजूर अंसारी ने गंभीरता से लिया और त्वरित एक जांच कमिटी प्रदेश पदाधिकारियों का बनाया था. जिसमें मुख्य रूप से जावेद इकबाल, रुस्तम अली और तस्लीम अंसारी को जांच का जिम्मा दिया गया था. जिसकी रिपोर्ट राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी को भेजी गई है.

उसके बाद राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने इसे काफी गंभीरता से लिया और खुद पीड़ित परिवारों से मिलने की बात कही और इसी सप्ताह आयेंगे और पीड़ित परिवार और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मुलाकात कर न्याय दिलाने की बात करेंगे. प्रवक्ता महासचिव अख्तर अली ने कहा कि कल कांके के कटमकुली के अख्तर अंसारी की टाटीसिल्वे में हुई मोबलिंचिंग पर प्रदेश प्रभारी उमैर खान और प्रदेश अध्यक्ष मंजूर अंसारी ने गंभीर चिंता व्यक्त किया और पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए परिवार वालों को आश्वस्त किए है कि इस विकट समय में हम सभी उनके साथ खड़े है और न्याय दिलाने का हर संभव कार्य करेंगे.

अमानवीयता धुर्वा डैम स्थित डहुटोली में एक आदिवासी परिवार को खतियान धारी ने बेघर कर दिया

ग्रामीणों ने ही छीन लिया गरीब आदिवासी परिवार का आशियाना

बसंत मुंडा। रांची

जमीन को खतियानी बताकर पीड़ित आदिवासी परिवार का तोड़ा गया घर.

झारखंड में आदिवासी एकता का पैगाम फैलाया जा रहा है. आदिवासी एकता की बात कही जाती है. देश के आदिवासी एक हो, का नारा लगाया जाता है. वही दूसरी ओर सैकड़ों आदिवासियों ने एक गरीब आदिवासी परिवार का आशियाना ही छीन लिया .यह कहानी धुर्वा डैम स्थित डहुटोली की है, जहां एक आदिवासी परिवार को खतियान धारी ने बेघर कर दिया. पीड़ित परिवार अनिमा मिंज ने बताया छह जून को सैकड़ों ग्रामीण शाम 4.30 बजे घर पहुंचे.परिवार के सभी लोगों को घर से बाहर निकाला गया. सभी लोगों ने सोमू मिंज के साथ मारपीट की. लोगों ने दौड़ा दौड़ा कर मारा .जानलेवा हमला किया. लोगो ने पैर हाथ तोड़ दिया. माथे पर रॉड और लाठी डंडे से मारा. माथे पर गंभीर चोट आई है. आनन फानम में रिम्स में भर्ती कराया गया. जहा उसका इलाज चल रहा है.

मुखिया ने कहा : मुखिया जीतू लिंडा ने बताया कि जमीन मालिक अनिता तिर्की का घर है. अंचल में भी इसकी जानकारी दी गई है. किराए पर घर दिया गया था.जब घर मालिक किराया मांगने जाता था.तब उसके साथ गाली गलौज करते थे. किराया भाड़ा नही देने का धमकी दी जाती थी. इसकी शिकायत पुलिस को दी गई थी. ग्रामीणों के साथ इस पर कई बार बैठक भी की गयी. इसके बावजूद रैयती जमीन को सरकारी जमीन बता कर किराया नही दे रही थी. इसके बाद ही रैयत और किराएदार के बीच झगड़ा हुआ है.

रैयत अनीता तिर्की ने कहा : रैयत अनिता तिर्की ने कहा कि हम लोगों ने अनिमा मिंज को किराये पर रहने के लिए घर दिये थे. जब महीना पूरा होने पर पैसा मांगने जाते थे. तब पैसा नही देती थी. उल्टा हमलोगों के साथ साथ गाली गलौज करती थी. किराया भाड़ा मांगने पर मारपीट करने पर उतारू हो जाती थे. पहले अनिमा मिंज के परिवार ने मारपीट करना शुरू किया था.

20 वर्षों से धुर्वा डैम के समीप रह रहे थेः अनिमा मिंज

पीड़ित परिवार ने बताया कि 20 वर्षों से धुर्वा डैम की जमीन पर चार रूम का मिट्टी का बनाकर रह रहे थे. लेकिन ग्रामीणों ने उक्त जमीन को खतियानी बता कर पुरी तरह से जमींदोज कर दिया. इसकी जानकारी पुलिस को दी गई थी. लेकिन पुलिस की सुरक्षा नही मिल पाई. शाम में पुलिस के जाते ही ग्रामीणों घर से पूरा सामान को फेंक दिया. पूरा कमरा को ध्वस्त कर दिया. घर के लोगों के साथ मारपीट की.

आर्किटेक्ट विनोद सिंह की अग्रिम जमानत पर सुनवाई 20 जुलाई को

संवाददाता। रांची

रांची में जमीन घोटाला मामले में बड़गाई की 8.5 एकड़ जमीन कब्जा मामले में आरोपी विनोद सिंह की अग्रिम जमानत पर पीएमएलए कोर्ट में अब सुनवाई 20 जुलाई को होगी. मामले में ईडी की ओर से अब तक जवाब दाखिल नहीं हो सकता है. विनोद सिंह ने रांची पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) की विशेष अदालत में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की है. मामले में विनोद सिंह का नाम तब आया जब ईडी से पूछताछ के दौरान उनके मोबाइल से हेमंत सोरेन के साथ व्हाट्सएप चैट में अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग में सिफारिश की लिस्ट एवं बड़गाईं की विवादित जमीन पर बैंक्विट हॉल बनाने के संबंध में डिजाइन मिला था.

ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े भूमि घोटाले मामले में अभियोजन शिकायत (पीसी) दायर की थी, जिस पर कोर्ट ने संज्ञान लिया है. इसके बाद से विनोद पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है.दरअसल, 30 मार्च को ईडी केअधिकारियों ने रांची की विशेष अदालत में पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) के तहत अभियोजन शिकायत (पीसी) दायर की थी. इस मामले में बड़गाईं इलाके के भू-राजस्व कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद हैं.

एनएसयूआई ने मांगों की पूर्ति के लिये प्राचार्य को घेरा

रांची। एनएसयूआई के प्रतिनिधिमंडल ने एसएस मेमोरियल कॉलेज के प्राचार्य डॉ बीपी वर्मा का घेराव किया. प्रतिनिधिमंडलन ने अपनी पांच मांगों को रखा. मांगों में सभी शिक्षकों का बायोमेट्रिक हो, शिक्षक समय पर आये, कॉलेज स्टाफ का स्थानांतरण हो, कॉलेज परिसर में लाइट, वाईफाई एवं बेंच टेबल की व्यवस्था हो, लाइब्रेरी में नई शिक्षा नीति के अनुसार पुस्तकों की व्यवस्था हो. कॉलेज प्राचार्य ने कहा कि मांग जायज है जल्द छात्रहित में सभी विषयों पर कार्य शुरू होंगे. प्रतिनिधिमंडल में जिला अध्यक्ष अमन अहमद, छात्र संघ पूर्व उपाध्यक्ष हुसैन अंसारी, जिला उपाध्यक्ष पवन कुमार, जिला सचिव अंकिता शेखर, सरफराज अहमद, सोनी राजवंशी, प्रिंस राज, कैश अहमद, आदिब आलम शामिल थे.

मस्जिद ए जाफरिया में 10 दिनी मजलिस जिक्रे शहीदाने कर्बला के दूसरे दिन मौलाना सैयद तहजिबुल हसन रिजवी ने फरमाया की

मुहर्रम वह महीना है, जो यादे हुसैन और हक का महीना है

संवाददाता। रांची

मस्जिद ए जाफरिया में 10 दिवसीय मजलिस जिक्रे शहीदाने कर्बला के दूसरे दिन सोमवार को मौलाना सैयद तहजिबुल हसन रिजवी ने फरमाया की. साल के 12 महीने अपनी अपनी अजमतो से पहचाने जाते हैं.

मुहर्रम वह महीना है, जो यादे हुसैन और हक का महीना है. हक वालों को दुनिया मिटा नहीं सकती है. क्योंकि हक वालों की हिफाजत की जिम्मेदारी अल्लाह ने ली है. मैदान ए कर्बला में यजीदी लशकर की हार से कायनाथ को पता चल गया की बातिल के पास चाहे दौलत हो, चाहे लशकर हो, चाहे सिपाहियों की कसरत हो वह उसे जीत नहीं दिला सकती है. हक का लशकर लाखों के मुकाबले में छोटा हो तो भी जीत उसी की होगी. मस्जिद ए जाफरिया में 10 दिनी मजलिसे जिक्रे शहीदाने कर्बला 17 तक है. आयोजन स्व. अधिवक्ता यावर हुसैन एवं स्व. हाजी अजहर हुसैन के पुत्रों द्वारा किया गया. मजलिस के बाद नौहा मातम किया गया. मौके पर बड़ी संख्या में शिया समुदाय के महिला पुरुष शामिल थे.

शोहद-ए-करबला की याद में पूरे महीने चलेगा रक्तदान शिविर

रांची। मुहर्रम की पहली तारीख को शोहद ए कर्बला की याद में एकरा मस्जिद चौक, मेन रोड में सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन रांची सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, पूर्व डीडीसी हासिब अख्तर (अध्यक्ष, जमीतुल इराकिया पंचायत, रांची) सैफुल हक (इनकम टैक्स अधिकारी एवं महासचिव, जमीतुल इराकिया पंचायत) एवं लहू बोलेगा (संस्था) के नदीम खान के द्वारा किया गया. शिविर में 18 यूनिट रक्त जुटे, सदर अस्पताल ब्लड बैंक को दिया गया. ज्यादातर रक्तदाता पहली बार रक्तदान शिविर में शामिल हुए. रक्तदाताओं को संस्था

लहू बोलेगा की ओर से जामुन व शीशम के पौधा दिये गये. नियमित रक्तदाताओं को रक्तदाता सम्मान मैडल से सम्मानित किया गया. पहला रक्तदान शिबू चौधरी और अंतिम शाहिद अय्यूबी ने किया. रक्तदान करने में मो फिरोज पिंटू, मो करीम खान, एकराम खान, रोहित बर्णवाल, डॉ दानिश रहमानी, मो मुर्शिद, तौसीफ खान, मो खालिद अनवर,शोहेब अख्तर, दानिश अंसारी, मो शाहजादा, रिषभ सरकार, जुबैर खान, इरफान अंसारी, सूर्यश राज, मो इमरान शामिल हैं. मौके पर शम्स तबरेज,अकरम राशिद, साजिद उमर, इंजीनियर शाहनवाज अब्बास, डॉ दानिश रहमानी, नसीम खान, राकेश कुमार बंटी, सैफ हैदरी, मो फहीम, मो कमरान,अधिवक्ता रमजान रजा कुरैशी, एनातुल्लाह अंसारी, मो आसिफ,मोख्तार अंसारी,अतिकुर रहमान आदि शामिल थे.

डोरंडा सेंट्रल मुहर्रम कमेटी की रस्म ए पगड़ी

रांची। डोरंडा सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के तत्वाधान में यूनुस चौक में मुहर्रम की पहली तारीख सोमवार को सद्भवना एवं भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए रस्मे पगड़ी का कार्यक्रम किया गया. इसकी अध्यक्षता कमिटी अध्यक्ष अशरफ अंसारी ने की. कार्यक्रम में श्री महावीर मंडल रांची के अध्यक्ष जय सिहं यादव, सेंट्रल मुहर्रम कमेटी रांची के महासिचव अकिलुर्रहमान, वरिष्ठ कांग्रेसी आलोक दुबे, डोरंडा थाना प्रभारी आनंद किशोर, मो इसलाम समेत अन्य अतिथियों की पगड़ी पोशी की गई. इस अवसर पर मो नसीमुल हक, मौलाना मनीर, अतिकुर्रहमान गद्दी, नसीम गद्दी, छोटे गद्दी, शमीम हव्वारी, मोहसिन खान, इफ्तेखार, मो शकील, मो इकबाल, मो आरिफ, मो अकबर, मौलाना अबु राफे समेत बड़ी संख्या में डोरंडा क्षेत्र के सभी मुहल्लों के खलीफा, मुहल्ले वासी शामिल हुए. संचालन सचिव मुमताज गद्दी ने किया.

फाइनल में जेएसएसपीएस का सामना स्टार वॉरियर्स से होगा

रांची छोटानागपुर एथलेटिक्स एसोसिएशन.

संवाददाता। रांची

टानागपुर एथलेटिक्स एसोसिएशन (सीएए) की ओर से आयोजित स्वर्गीय अमिताभ चौधरी रांची महिला में झारखंड स्टेट स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएसपीएस) का सामना स्टार वॉरियर्स चडरी, कांके की टीम के साथ होगा. सोमवार को सुपर-6 के मुकाबले में स्टार वॉरियर्स चडरी, कांके की टीम ने कड़े संघर्ष के बाद तरुण घोष एफसी, धुर्वा को 2-1 से पराजित किया. वहीं, जय जवान डिबडीह ने लिटिल एंजेल गोवा रेड को 3-0 से हराकर जेएसएसपीएस का फाइनल में खेलने का रास्ता क्लियर कर दिया. खेलगांव के प्रैक्टिस ग्राउंड में पहला मुकाबला स्टार वॉरियर्स व तरुण घोष की टीम के बीच खेला गया. तरुण घोष की टीम में कई स्टार खिलाड़ी मैच खेल रही थीं. लेकिन टीम को हार से बचा नहीं पाई. पहले हाफ के खेल में दोनों ही टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं. लेकिन दूसरे हाफ के खेल में स्टार वॉरियर्स की खिलाड़ियों ने शानदार रणनीति बनाकर हमला करना शुरू किया. 43वें मिनट में यमुना कुमारी ने बेहतरीन गोलकर टीम को 1-0 से आगे कर दिया. 52वें मिनट में बिनी कुमारी ने गोल दागकर टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी. 64वें मिनट में तरुण घोष के लिए अनिता कुमारी ने गोल कर हार का अंतर कम किया.

जय जवान ने रेड को हराया

वहीं, दूसरे मुकाबले में जय जवान डिबडीह ने लिटिल एंजेल गोवा रेड को 3-0 से धोया. 11वें मिनट में बिमला लकड़ा, 32वें व 44वें मिनट में निशा तिग्गा ने गोल मारा. बता दें कि लीग चरण में 19 टीमों को 3-3 ग्रुप में बांटा गया था. सभी ग्रुप की टॉप-2 टीमों ने सुपर-6 के लिए क्वालीफाई किया. इसके बाद सुपर-6 में 2 ग्रुप बांटा गया, जिसमें ग्रुप-ए में जेएसएसपीएस, लिटिल एंजेल गोवा रेड, जय जवान व ग्रुप-बी में युवा, तरुण घोष, स्टार वॉरियर्स की टीम को रखा गया. ग्रुप-ए से जेएसएसपीएस व ग्रुप-बी से स्टार वॉरियर्स की टीम ने फाइनल में खेलने का स्थान पक्का कर लिया.

एनआईटी-त्रिची के संजीव, आईआईटी दिल्ली के तुष्य टॉप-3 में शामिल

दूसरी बार राष्ट्रीय विजेता बन विजवल एकबोटे ने बनाया रिकॉर्ड

नाइस 2024

संवाददाता। पटना/रांची

नेशनल इंटर-कॉलेज क्रॉसवर्ड एक्सपीडिशन (नाइस) 2024 में लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय विजेता का खिताब जीतकर विजवलएकबोटे ने रिकॉर्ड कायम किया है. दिल्ली स्थित इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के छात्र एकबोटे ने रविवार को आयोजित चौथे और आखिरी ऑनलाइन राउंड "ई"में पहला स्थान हासिल किया है. मालूम हो कि इससे पहले उन्होंने ऑनलाइन राउंड सी में भी राष्ट्रीय विजेता का खिताब अपने नाम किया था.

नाइस 2024 के ऑनलाइन राउंड ई के लकी विजेता : एस एन पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बरदोली, गुजरात के छात्र केविन जितेशभाई पटेल ऑनलाइन राउंड ई के लकी विजेता हुए.

लकी विजेता का चयन नाइस 2024 में अधिकतम रजिस्ट्रेशन कराने वाले संस्थान के छात्रों में किया गया. नाइस 2024 का पहला चरण पूरा, अगला पड़ाव जोनल राउंड.

ऑनलाइन राउंड ई के साथ ही नाइस 2024 के पहले चरण के तहत तय सभी चार ऑनलाइन राउंड पूरे हो चुके हैं. एनआईसी और ई ऑनलाइन राउंड में प्रतिभागियों के कुल अंकों की गणना के आधार शीर्ष प्रतिभागी जोनल राउंड में अपना दमखम दिखायेंगे. ऑफलाइन आयोजित होने वाले प्रत्येक जोनल राउंड में 50 प्रतिभागी होंगे. सभी जोनल राउंड के शीर्ष 6-6 प्रतिभागी फाइनल राउंड में पहुंचेंगे. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), भारत सरकार, एक्स्ट्रा-सी, आईआईटी मद्रास व आईआईएम मुंबई द्वारा आयोजित नाइस 2024 के जोनल राउंड्स का कैलेंडर जल्द जारी किया जाएगा.

नाइस 2024 के ऑनलाइन राउंड ई के राष्ट्रीय विजेता

प्रथम स्थान : विजवलएकबोटे (इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी)
द्वितिय स्थान : संजीव (एनआईटी, तिरुचिरापल्ली)
तृतिय स्थान : तुष्य खंडेलवाल (आईआईटी, दिल्ली)

नाइस 2024 के ऑनलाइन राउंड ई के जोनल विजेता

राष्ट्रीय विजेताओं के अलावा अंक के आधार पर सभी पांच जोन के विजेताओं की सूचि

ईस्ट जोन : आदित्री वैभव (आईआईटी, खड़गपुर)
वेस्ट जोन : समृद्धि सलगांवकर (गोवा डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल)
नॉर्थ जोन : आरुष उत्कर्ष (आईआईटी दिल्ली)
साउथ जोन : गौरव नारायणन (एनआईटी, तिरुचिरापल्ली)
नॉर्थ-ईस्ट जोन : किरन भागवथ (आईआईटी गुवाहाटी)

बिहार में उज्जवलराजअव्वल, झारखंड में अनन्या सिन्हा ने बाजी मारी

- नाइस 2024 के ऑन लाइन ई राउंड में गया कॉलेजऑफ इंजीनियरिंग के छात्र उज्जवल राज ने बिहार राज्य में पहला स्थान हासिल किया है. शहर स्तरीय श्रेणी में पहले स्थान पर रहे प्रतिभागी.
- गया- गौतमकुमार (गया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग)
- वैशाली- अमन कुमार (जीईसी-वैशाली)
- पटना- संदेश कुमार (बख्तियारपुर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग)
- ऐमिटीयू निवर्सिटी की अनन्या सिन्हा ने झारखंड टॉपर का खिताब हासिल किया. शहर स्तरीय श्रेणी में भी महिलाओं का रहा दबदबा
- धनबाद- पूनम कुमारी (बीआईटीसिंदरी)
- रांची- दीक्षा वर्मा (ऐमिटी यूनिवर्सिटी, रांची)

न्यूज अपडेट

झारखंड में छिन रहे हक-अधिकार: मौलाना रिजवी

राष्ट्रीय जनक्रांति मोर्चा की प्रेस कांफ्रेंस प्रेस क्लब में

रांची। झारखंड में न्याय प्रक्रिया कमजोर हो चुकी है. मुसलमानों के हालात दलितों से भी खराब हैं. सोमवार को राष्ट्रीय जनक्रांति मोर्चा के अध्यक्ष मौलाना अब्दुल मोबीन रिजवी ने प्रेस क्लब मे मीडिया को सम्बोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि झारखंड के लोगों के हक-अधिकार की लड़ाई जन-जन पहुचाई जाएगी. झारखंड में मुसलमानों की संख्या अन्य समुदायो से अधिक है. इसके बावजूद झारखंड में राजनीति के क्षेत्र में स्थान नही दिया जा रहा है.

मेकॉन इस्पात क्लब में कार्यक्रमों का आयोजन

मेकॉन के कर्मचारियों के लिए आयोजित कैरम प्रतियोगिता.

रांची। मेकॉन के कर्मचारियों के लिए मनोरंजक केंद्र मेकॉन इस्पात क्लब है. क्लब ने अपने सदस्यों के लिए पूरे सप्ताह विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन किया है. 4 जुलाई को शुरू हुए इन कार्यक्रमों में बच्चों, महिलाओं और पुरुषों के लिए कैरम, शतरंज और कार्ड ब्रिज सहित विभिन्न प्रकार के खेल और टूर्नामेंट शामिल हैं. यह कार्यक्रम सदस्यों को मानसिक शांति, तनाव दूर करने तथा अपने सहकर्मियों और मित्रों के साथ आपसी समन्वय बढ़ाने का एक मंच प्रदान कर रहा है. इन कार्यक्रमों और गतिविधियों में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है. सप्ताह भर चलने वाले इन कार्यक्रमों और गतिविधियों का समापन 13 जुलाई को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ किया जाएगा.

गोस्नर कॉलेज में फिल्म मेकिंग सत्र का आयोजन

गोस्नर कॉलेज में फिल्म मेकिंग सत्र का आयोजन.

रांची। गोस्सनर कॉलेज के मास कम्युनिकेशन विभाग में टाटा स्टील संवाद ने फिल्म मेकिंग सत्र का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि सहित्यकार महादेव टोप्पो,डॉ रामदयाल मुंडा के पुत्र गुंजल इकिर मुंडा,सतीश मुंडा, रवि राज मुर्मू,कुमार गौरव, सूरज गिलुआ, जेम्स मिंज, प्रफुल बोदरा ,प्रवीण टुडू, नीतीश कुमार शामिल हुए.इस अवसर पर बच्चों को ट्राइबल से जुड़ी फिल्में दिखाई गई. फिल्म निर्माताओ ने फिल्म बनाने की बारिकी पर चर्चा किया. डायरेक्ट सजीत मुंडा, राइटिंग अश्विन कुमार की फिल्म लैंड ऑफ म्यूजिक को छात्रो को दिखाया गया. मौके पर कमिकेशन के प्रोफेसर गोल्डन महिमा ,और अनुज सर,अनुराग पूर्ति,प्रशांत कुमार शामिल थे.

लोकपाल बनने से समस्या का जल्द होगा निराकरण

यूसी मेहता को सम्मानित करते मारवाड़ी कॉलेज के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल एवं सौरव .

रांची। सोमवार को मारवाड़ी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो (डॉ) यूसी मेहता को रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय व रांची विश्वविद्यालय के लोकपाल नियुक्त होने पर एल्युमनी एसोसिएशन मारवाड़ी कॉलेज के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल एवं सौरव कुमार ने अंगवस्त्र देकर बधाई दी.। अध्यक्ष गौरव अग्रवाल ने कहा इनके लोकपाल बनने से विश्वविद्यालय को नई ऊर्जा मिलेगी व छात्रों का समस्या जल्द से जल्द निराकरण कर दी जाएगी.

पहाड़ी बाबा पर जलाभिषेक करेंगे बाल भक्त

संवाददाता। रांची

बाल कांवड़ यात्रा को लेकर श्री शिव बारात आयोजन महासमिति, पहाड़ी मंदिर की पहाड़ी मंदिर प्रांगण में बैठक हुई. अध्यक्षता महासमिति के अध्यक्ष राजेश साहू ने की. बैठक में निर्णय लिया गया कि 11 अगस्त को बाल कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें भोलेनाथ के बाल भक्तों द्वारा पहाड़ी बाबा पर जलाभिषेक किया जाएगा.

बाल कांवर यात्रा में एक न्यूनतम शुल्क के माध्यम से पंजीकृत बच्चे ही भाग ले सकते हैं.

सभी को ड्रेस, पूजन सामग्री, कांवड़, दूध, फूल-माला, लोटा एवं सभी प्रकार की पूजन सामग्री महासमिति प्रदान करेगी. बैठक में महासमिति के प्रवक्ता बादल सिंह, दीपक नंदा, उर्मिला चौधरी, राजकुमार तलेजा, स्वपना चटर्जी, शुभाशीष चटर्जी, संजना शर्मा, राम सिंह, कुमकुम गुप्ता, राजीव वर्मा, मेहुल प्रसाद, गगन कुमार, हर्ष कुमार, अर्चना मिर्धा, पूनम जायसवाल, मुरारी लाल मंगल आदि मुख्य रूप से शामिल रहे.

पहाड़ी मंदिर परिसर में श्री शिव बारात आयोजन महासमिति के सदस्य.

तीन से 13 वर्ष तक के बच्चे ले सकते हैं भाग

बाल कांवर यात्रा में शिव-पार्वती के स्वरूप होंगे. ढोल-ताशे एवं डीजे की धुन पर झांकी निकलेगी. इसमें रांची शहर एवं आसपास के जिलों से तीन वर्ष से 13 वर्ष तक के बच्चे भाग ले सकते हैं. इन बच्चों के अभिभावक महासमिति के संपर्क नंबर कॉल कर या व्हाट्स ऐप के माध्यम से अपना पंजीकरण करा सकते हैं. यह यात्रा राजभवन के समीप हटनिया तालाब से जल लेकर पैदल पहाड़ी मंदिर पहुंचेगी और फिर बाल भक्त पहाड़ी बाबा पर जलाभिषेक करेंगे.

महासमिति ने जारी किए संपर्क नंबर
राजेश साहू- 9431114482
दीपक नंदा- 7004021801
राजकुमार तलेजा- 9835334811

जगन्नाथपुर मेले का दूसरा दिन: कम रही भीड़, दुकानदार मायूस

रांची । जगन्नाथपुर मेले के दूसरे दिन सोमवार को भीड़ कम रही. मेले में कई झूले शाम 8 बजे ही बंद हो गए. जो झूले चल रहे थे उनमें भी भीड़ नही दिखी. मेले में लोग केवल घूमने पहुंचे थे. अधिकतर दुकानों में एक्का दुक्का लोग ही समान देखते दिखे. दुकानदारों के चेहरे पर मायूसी देखने को मिली. उनका कहना था की पिछले साल से भी कम बिक्री हुई. मेले में जिएंट व्हील, फ्रेसबी, सुनामी और हैमर झूले का टिकट 100 रुपए है. वहीं ब्रेक डांस का टिकट 80 रुपए का है. मौत का कुआं देखने के लिए 50 रुपए खर्च करने होंगे. मिक्की माउस के लिए भी 50 रुपए टिकट है. भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ मौसीबाड़ी में हैं.

दिव्यांग छात्रों के लिए 31 अक्टूबर तक नेशनल स्कॉलरशिप का मौका

रांची : राज्य के दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पाने का मौका 31 अक्टूबर तक है. इस संबंध में महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखंड ने सूचना जारी की है. बताया है कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए दिव्यांग विद्यार्थियों को नेशनल स्कॉलरशिप मिलनी है. इसके लिए इस स्कॉलरशिप का पोर्टल 30 जून से शुरू किया जा चुका है.पोर्टल पर प्री मैट्रिक (कक्षा 9-10), पोस्ट मैट्रिक (11वीं से पीजी डिग्री/डिप्लोमा तक) तथा टॉप क्लास स्कॉलरशिप (स्नातक, शिक्षा में नोटिफाइड पीजी डिग्री/डिप्लोमा संस्थान) योजना के अंतर्गत अलग-अलग तिथियों तक आवेदन दर्ज करने होंगे. प्री मैट्रिक के लिए 31 अगस्त 2024 तक जबकि पोस्ट मैट्रिक और टॉप क्लास स्कॉलरशिप के लिए 31 अक्टूबर तक आवेदन किए जा सकते हैं. राज्य के सभी योग्य एवं बेंचमार्क दिव्यांग छात्र (40 प्रतिशत या इससे अधिक की विकलांगता) वेबसाइट (www.scholarships.gov.in) के जरिए वांछित डॉक्यूमेंट्स के साथ स्कॉलरशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं.

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के लिए विशेष शिविर

शिविर में उपस्थित लोग.

संवाददाता। रांची

सोमवार को थड़पकना के छोटानागपुर बालिका उच्च विद्यालय रांची में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना अन्तर्गत लाभुकों को लाभ प्रदान करने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में निदेशक समाज कल्याण शशि प्रकाश झा ने योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में लाभुकों को आर्थिक लाभ प्रदान किया. शिविर में सभी जिलों के जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अपनी टीम के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे. इसमें कक्षा 8 वीं से 12 वीं तक की छात्राओं एवं 18-19 वर्ष की किशोरियों को योजना अन्तर्गत लाभ दिया गया. कार्यक्रम में भाग लेने वाली किशोरियों को 18 वर्ष पूर्ण करने के बाद ही विवाह करने एवं बाल विवाह की रोकथाम हेतु अपने आस-पास प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता के लिए शपथ भी दिलाई गई.

निदेशक ने कहा कि राज्य सरकार सभी बालिकाओं के शिक्षा-स्वास्थ्य एवं चहुमुखी विकास के लिए संकल्पित है, जिसे साकार करने हेतु यह योजना काफी प्रभावशाली है. रांची के साथ राज्य के सभी जिलों में विद्यालय स्तर पर यह कार्यक्रम आयोजित् किया गया. योजना का उद्देश्य राज्य की बालिकाओं को शिक्षा हेतु पर्याप्त आर्थिक सहयोग देना, बालिकाओं को स्वतंत्र निर्णय लेने हेतु सक्षम बनाना एवं राज्य की विकास में उनकी भागीदारी को सुनिश्चित् कराया जाना है. कार्यक्रम को कंचन सिंह सहायक निदेशक समाज कल्याण, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरभि सिंह, मिताली सरकार प्रधानाध्यापिका छोटानागपुर बालिका उच्च विद्यालय मौजूद रही.

समारोह लायंस क्लब ऑफ रांची का 65वां पदस्थापन समारोह का आयोजन

लायंस क्लब ऑफ रांची के कार्य सराहनीय : वाजपेयी

संवाददाता। रांची

लायंस क्लब ऑफ रांची का 65वां पदस्थापन समारोह हर्ष और उल्लहास के बीच संपन्न हुआ. 2024 -2025 के लिए अरुण सिंह के नेतृत्व में नई टीम को पदस्थापन अधिकारी पूर्व मल्टीपल काउंसिल चेयरमैन एसपी वर्मा ने शपथ दिलाकर पदस्थापित किया. एसपी वर्मा ने लायंस सदस्यों से आव्हान किया कि निःस्वार्थ भाव से सेवा कार्य करे और सेवा के प्रति समर्पित लोगों को लायनवाद से जुड़े.

निवर्त्तमान अध्यक्ष परविंदरजीत सिंह ने क्लब के सभी पूर्व अध्यक्षों और सदस्यों के प्रति आभार प्रकार किया. उन्होंने 2023 - 2024 में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सदस्यों को सम्मानित किया. सर्वोत्तम कमेटी चेयरपर्सन डॉ प्रदीप कुमार, लेडी लायन ऑफ थे ईयर - शुभ्रा मजूमदार , क्लब के गौरव (परार्डड) डॉ हरमिंदर बीर सिंह , लायन ऑफ दि ईयर सिमलजीत कौर और बेस्ट कोषाध्यक्ष अनिल गोयल. मुख्या अतिथि जिलापाल 322ए सीमा वाजपेयी ने जिले के अग्रणी क्लब के रूप में लायंस क्लब ऑफ रांची के कार्यों कि प्रशंशा कि और डिस्ट्रिक्ट ऐप से जुड़ने का आग्रह किया. अध्यक्ष अरुण सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान अनेक नई योजनाए और सेवा कार्यों को प्राथमिकता देंगे. नये सत्र कि शुरुआत में क्लब कि ओर से 11 जरूरतमंदों को व्हील चेयर प्रदान किये गए. रांची क्लब परिसर में प्रतीक स्वरुप पौधारोपन भी किये गये. संचालन डॉ हरममिन्दर बीर सिंह, मास्टर अरूप सिंह, धन्यवाद् ज्ञापन मनीष गाड़ोदिया ने किया. मौके पर पूर्व जिलापाल जीजे मूर्ति, विनोद गदयान, राजीव सिंह , राजेश गुप्ता पवन , सजीव चौधरी, धर्मेंद्र कुमार, शुभम वाजपेयी, राजेश कसेरा, रतन अग्गरवाल, विजेंद्रा, विनोद प्रकाश, पूनम आनंद समेत क्लब के सभी सदस्य शामिल थे.

लायंस क्लब ऑफ रांची के वार्षिक समारोह में उपस्थित अतिथिगण.

30 सदस्यीय अमरनाथ यात्रियों का रांची रेलवे स्टेशन पर पासवा अध्यक्ष ने किया भव्य स्वागत

संवाददाता। रांची

30 सदस्यीय अमरनाथ यात्रियों का जत्था गरीब रथ से सोमवार की सुबह 11 बजे बाबा बर्फानी व माता वैष्णो देवी का दर्शन कर सकुशल रांची वापस लौटा. यहां पासवा अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने अमरनाथ यात्रियों को अंग वस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया व उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद भी लिया.

इस मौके पर मीडिया कर्मियों से बात करते हुए आलोक दूबे ने कहा, वर्ष में एक बार बाबा बर्फानी अपना दर्शन देते हैं और वहां वही जाते हैं जिन्हें बाबा का बुलावा होता है. वह लोग बड़े सौभाग्यशाली होते हैं जिन्हें बाबा अपना दर्शन के लिए बुलाते हैं. आलोक दूबे ने अमरनाथ यात्रियों के बैग भी उठाया और सेवा की. इससे पहले भी जब अमरनाथ यात्री बाबा बर्फानी का दर्शन करने जा रहे थे, उस वक्त भी आलोक कुमार दूबे उनके बीच उपस्थित होकर कुशल यात्रा शुभकामनाएं दी थीं. अमरनाथ यात्रियों में मुख्य रूप से नवीन सिंह, संजय झा, विजय कुमार, गौतम दूबे(गोपी), अवधेश कुमार, बबलू मोहंती, अशोक कुमार, विनोद कुमार सिन्हा, धर्मेंद्र कुमार, अजित कुमार, नवीन केशरी, अक्षत रंजन, आलोक शर्मा, विनका देवी, विपिन कुमार, राजेश कुमार, अतुल कुमार, संजीव कुमार शामिल थे.

अमरनाथ यात्रियों का स्वागत करते पासवा अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे.

हजारीबाग में धड़ल्ले से चल रहा कोयले का अवैध कारोबार, बड़कागांव इलाके में हर दिन 40-50 ट्रैक्टर कोयले का अवैध खनन

अवैध कोयला कारोबार से प्रतिदिन 16 लाख रुपये कमा रहे जिम्मेदार

संवाददाता। हजारीबाग/रांची

जिले में कोयले का अवैध कारोबार रुक-रुक कर जारी है. बड़कागांव, चरही और विष्णुगढ से एक-दो दिन रुक-रुक कर 20 ट्रक कोयला निकाला जाता है. सूत्र बताते हैं कि इसके एवज में जिम्मदारों को प्रति ट्रक 80 हजार रुपये दिये जाते हैं. इस तरह से हर दिन 16 लाख रुपये की वसूली होती है. वहीं महीने के करीब 20 दिन अवैध कोयला लदा ट्रक हजारीबाग से बनारस की मंडी जाता है. ऐसे में एक महीने में करीब 3.50 करोड़ रुपये की वसूली होती है.

- अवैध कोयला खनन से एक महीने में 3 .50 करोड़ की वसूली
- महीने में 20 दिन बनारस की मंडी भेजा जाता है अवैध कोयला

कोयले के अवैध कारोबार में पूरी व्यवस्था मैनेज, पर्दे के पीछ से बड़े खिलाड़ी कर रहे खेल

सूत्रों की मानें तो अवैध कारोबारी पूरी व्यवस्था को मैनेज कर कोयले का कारोबार कर रहे हैं. इस बात की भी चर्चा है कि पर्दे के पीछे से बड़े खिलाड़ी खेल रहे हैं. इसमें सच्चाई भी नजर आ रही है. क्योंकि, कोयले का अवैध कारोबार धड़ल्ले से हो रहा है, पर इसको रोकने वाले मौन हैं. सूत्रों ने यह भी बताया कि पूरी रात तय स्थान पर अवैध कोयले का भंडारण होता है. रात में ही ट्रकों से कोयले को बाहर भेजा जाता है. इतनी गतिविधि होने के बाद भी किसी का ध्यान नहीं जाना, कई गड़बड़ियों की ओर इशारा करता है.

गो तस्करी के तर्ज पर हो रही कोयले की तस्करी

कोयला तस्कर गो तस्करी के तर्ज पर कोयले की तस्करी कर रहे हैं. जिस तरह से गो तस्कर ट्रक का नंबर प्लेट को बदल देते हैं, उसी तरह से कोयला तस्करों द्वारा भी ट्रक का नंबर प्लेट बदल कर कोयले की तस्करी करने का मामले सामने आया है. विगत रविवार को हजारीबाग में अवैध कोयला लदे दो ट्रकों को पकड़ा गया था. इसमें एक ट्रक में जो नंबर प्लेट लगा हुआ था, उसी नंबर का दूसरा ट्रक टाटीझरिया में खड़ा था.

किसके संरक्षण में चल रहा कोयले का अवैध खनन

बड़कागांव, विष्णुगढ़, चरही और केरेडारी इलाके से कोयले का अवैध खनन जारी है. ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि किसके संरक्षण में कोयले का अवैध खनन किया जा रहा है. बड़कागांव इलाके में हर दिन 40-50 ट्रैक्टर कोयला अवैध खनन कर निकाले जा रहे हैं. इसके बाद इसे ट्रैक्टर में लोड कर बासाडीह स्थित कोयला डिपो में डंप किया जाता है. इसके अलावा चरही कोयला साइडिंग से भी कोयला लोड कर बासाडीह के डिपो में गिराया जाता है.

ब्रीफ खबरें

नाबालिग को भगाने के आरोपी को भेजा जेल

मांडर। रातू थाना क्षेत्र के पाली निवासी ऋषि यादव को पिठोरिया से गिरफ्तार कर मांडर पुलिस ने सोमवार को जेल भेज दिया. उसके खिलाफ मांडर थाना क्षेत्र की एक नाबालिग छात्रा को बहला फुसलाकर भगाने का आरोप है. इस मामले में छात्रा के पिता ने दो सप्ताह पहले 24 जून को उसके खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी. वहीं छानबीन में ऋषि यादव के पिठोरिया में होने की मांडर पुलिस ने उसे धर दबोचा और नाबालिग छात्रा को बरामद कर परिजनों को सौंप दिया.

रातू बड़ा तालाब के पास से शव बरामद

रातू। थाना क्षेत्र के रातू बड़ा तालाब के पास सोमवार की सुबह पुलिस ने एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया है. शव के पीछे गहरी चोट के निशान पाए गए हैं. आशंका है कि मारपीट कर युवक की हत्या कर दी गई है. इससे पहले सुबह टहलने निकले लोगों ने रातू पुलिस को बताया कि तालाब के किनारे झाड़ी में किसी युवक का शव पड़ा है. सूचना मिलने पर पुलिस शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया.

राहे में सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

राहे। प्रखंड के बसंतपुर गांव के 18 वर्षीय युवक गोविंद अहीर का मौत मोटरसाइकिल टक्कर में हो गया है . घटना रविवार शाम 6 बजे की बताई जा रही है. परिजनों ने बताया कि गांव के एक युवक मुकेश मुखीयार के साथ दोनो बुंडू जा रहे थे. राहे तालाब के सामने एक अन्य मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति ने सीधे टक्कर मार दिया . टक्कर से दोनों मोटरसाइकिल के सवार गिर गए थे. आसपास के लोगो ने गोविंद अहीर और मुकेश मुखीयर को बुंडू रेफरल अस्पताल पहुंचाया. मुकेश को सामान्य चोट थी.टक्कर के बाद अन्य मोटरसाइकिल सवार भाग निकले. इधर बुंडू अस्पताल में इलाज के क्रम में देर रात युवक गोविंद अहीर का मौत हो गयी है.

नामकुम : ट्रेन से गिर कर युवक की मौत

नामकुम। थाना क्षेत्र के कृष कुमार शांडिल (17)ट्रेन से गिरने से घटना स्थल पर ही मौत हो गया. प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रफुल्ल शांडिल का पुत्र कृष कुमार का ट्रेन से गिरने से गम्भीर चोट लग गया जिससे कृष का मौत हो गया . घटना सिलवे डोल बगीचा रांची जिला रांची का साखेटोली रेलवे लाइन के पास की है . सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस प्रशासन घटना स्थल पर पहुंचकर सव को कब्जा में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स भेज दिया गया .

मुहर्रम मेले की तैयारी को कमेटी का गठन

चान्हो। प्रखंड के ललमटिया सोनचिपी गांव में लगने वाले मुहर्रम मेला की तैयारी को लेकर सोम वार को सेन्ट्रल मुहर्रम एक्शन कमेटी की बैठक हुई. बैठक में मुहर्रम मेला की तैयारी को लेकर कमेटी गठित की गई. कमेटी में जुल्फान अंसारी को अध्यक्ष, सरफूल हक महासचिव, मियांजान अंसारी, महबूब अंसारी और शमीम अंसारी को उपाध्यक्ष बनाया गया. बैठक यह भी तय किया गया कि मेले की तैयारी को लेकर विस्तृत बैठक 14 जुलाई को होगी.

गोंदली पोखर से 25 श्रद्धालु अमरनाथ रवाना

अनगड़ा। गोंदलीपोखर से 25 शिव भक्तों का एक दल सोमवार को अमरनाथ यात्रा पर रवाना हुआ. इससे पूर्व सभी ने गोंदलीपोखर शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की. दल में सूरज गुप्ता, अनिकेत साहू, संदीप साहू, मुकेश महतो, राजेश महतो, प्रकाश महतो, बबलू साहू, चंद्रमोहन महतो, रोशन साहू, राजन नायक, मंटू साहू, प्रेम महतो, हरिलाल महतो, जगेश्वर महतो, अजय सोनी, रामकिशोर साहू, दिनेश महतो, रामप्रीत साहू, अमन सोनी और गौतम चौधरी आदि शामिल हैं.

हथियार के साथ चुटिया के पटेल चौक से दो गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

हथियार के साथ दो युवक गिरफ्तार हुआ है. एसएसपी चंदन सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सिटी एसपी राजकुमार मेहता के निर्देश पर सिटी डीएसपी केवी रमण के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई की है.पुलिस की टीम ने चुटिया थाना क्षेत्र के पटेल चौक के पास सरकारी बस स्टैंड स्थित अन्नपूर्णा भोजनालय से दो अपराधी अमजद गद्दी और शाहीद आलम को हथियार पकड़ा. उसके पास से एक देशी कट्टा और गोली बरामद हुआ है.गिरफ्तार अमजद गद्दी का अपराधिक इतिहास रहा है जो पूर्व में हत्या के केस में जेल जा चुका है.

रोस्पा टॉवर में लगी आग, शॉर्ट सर्किट की आशंका

संवाददाता। रांची

हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के मेन रोड में स्थित रोस्पा टॉवर के सेकेंड फ्लोर पर आग लग गई. आग लगने की यह घटना सोमवार की दोपहर हुई है. जहां एक कंप्यूटर के गोडाउन आग लग गई. आग लगने के वजह से वहां मौजूद कर्मियों में अफरा-तफरी मच गई. जिसके बाद इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई. मौके पर दमकल वाहन पहुंचकर आग पर काबू पाया. आग लगने की वजह से कुछ लोग गोडाउन के अंदर फंस गए थे. उन्हें दीवार तोड़कर बाहर निकाला गया. बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट होने के वजह से आग लगी है. हालांकि आग लगने की सही वजह अब तक पता नहीं लग पाया है. आग लगने की घटना में कितने का नुकसान हुआ है, इसका आकलन भी बाद में पता चल पाएगा.

रोस्पा टॉवर के सेकेंड फ्लोर में लगी आग को बुझाते अग्निशमन कर्मी .

आसपास

नीट पेपर लीक : एक बार फिर सीबीआई ने हजारीबाग में डाला डेरा

होटल व रिसॉर्ट्स के विजिटर्स बुक व अन्य दस्तावेज खंगाले

- तीन से सात मई के बीच ठहरे गेस्ट की ली गई है जानकारी
- पेपर लीक का एपिसेंटर माना जा रहा ओएसिस स्कूल

संवाददाता। हजारीबाग

नीट (यूजी) पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम एक बार फिर हजारीबाग पहुंची है. बताया जा रहा है कि विगत चार दिनों से सीबीआई के अफसर डेरा डाले हुए हैं. इसी कड़ी से रविवार को शहर के सभी होटल, बैंक्वेट हॉल और रिसॉर्ट्स के मालिकों को कई दस्तावेजों के साथ डीवीसी गेस्ट हाउस बुलाया गया. एक-एक कर हर एक होटल के विजिटर्ज बुक की बारिकी से जांच की गई है. विगत तीन मई से सात मई तक यहां ठहरे हर एक गेस्ट के बारे में जानकारी भी ली गई है. सीबीआई के अफसर यह जानने में लगे हैं कि इन पांच दिनों में कहां से और कौन लोग हजारीबाग आए थे.

सीबीआई की टीम ने हर एक होटल का बिल बुक भी चेक किया है. यह भी जानकारी ली गई हे कि गेस्ट ने चेकआउट करने के लिए भुगतान नकद किया या ऑनलाइन माध्यम से किया. इस पूरे मामले में संजीव मुखिया गैंग का नाम आने के बाद उसके गैंग के लोगों को ध्यान में रखकर भी होटलों के विजिटर्स बुक को खंगाला जा रहा है. गौरतलब है कि नीट (यूजी) परीक्षा पेपर लीक मामले में बीते दिनों भी सीबीआई की टीम पहुंची थी. तीन दिनों तक कल्लू चौक मंडई रोड स्थित ओएसिस स्कूल में जांच कर कागजात खंगाले गये थे. इसके बाद स्कूल के तत्कालीन प्रिंसिपल डॉ एहसान उल हक, वाइस प्रिंसिपल इम्तियाज आलम और एक बड़े बैनर के कर्मचारी को गिरफ्तार कर अपने साथ लेकर चली गई थी.

सबूतों को इकट्ठा कर रही है सीबीआई : नीट (यूजी) पेपर लीक मामले की तह तक पहुंचने के लिए सीबीआई पिछले कई दिनों में सबूतों को इकट्ठा कर रही है. इस मामले के तार बिहार से लेकर, गुजरात, महाराष्ट्र और झारखंड तक फैले हुए हैं. इनके केंद्र में बिहार मॉड्यूल है. पटना, हजारीबाग, गोधरा और लातूर के सेंटर जांच के दायरे में हैं. हजारीबाग के ओएसिस स्कूल को पेपर लीक का एपिसेंटर माना जा रहा है. पूर्व में इस मामले की जांच कर रही बिहार की आर्थिक अपराध ईकाई (ईओयू) इस स्कूल की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर चुकी है. जांच रिपोर्ट में ईओयू ने कहा था कि इसी सेंटर पर बुकलेट बॉक्स के साथ छेड़छाड़ की गई थी. इस मामले में सीबीआई की टीम अलग-अलग राज्यों से अब तक दो दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है.

ओएसिस स्कूल भी गई थी सीबीआई की टीम : पेपर लीक मामले की जांच के क्रम में सीबीआई की टीम एक बार फिर कल्लू चौक मंडई रोड स्थित ओएसिस स्कूल पहुंची थी. बताया जा रहा है कि इस बार हजारीबाग पहुंची सीबीआई की टीम में 15 सदस्य शामिल हैं. अलग-अलग टीम में बंट कर सीबीआई के अफसर इस पूरे प्रकरण में हजारीबाग से जुड़े तार को खंगालने में जुटे हुए हैं. हालांकि, इस बारे में कोई भी अधिकारी कुछ भी बताने से परहेज कर रहे हैं.

एक पीएलएफआई उग्रवादी गिरफ्तार

चक्रधरपुर। आनंदपुर थाना क्षेत्र के मुंडा टोला से रविवार देर शाम पुलिस ने पीएलएफआई उग्रवादी बाबू उर्फ रिंकू साहू को गिरफ्तार किया. उसे सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. गिरफ्तार उग्रवादी के पास से एक कट्टा और एक मोबाइल बरामद किया गया है. एसडीपीओ जयदीप लकड़ा ने पबताया कि गुप्त सूचना मिली थी की पीएलएफआई उग्रवादी रिंकू साहू हथियार के साथ मुंडा टोला में घूम रहा है और बंदूक की नोंक पर ग्रामीणों को डरा-धमका रहा है. सूचना पर पुलिस टीम गठित कर छापेमारी अभियान चला कर रिंकू साहू को खदेड़ कर पकड़ लिया गया.

गिरिडीह पुलिस के हत्थे चढ़ा करोड़पति साइबर अपराधी

गिरिडीह। पुलिस ने करोड़पति साइबर अपराधी सोनू कुमार वर्मा को गिरफ्तार कर लिया है. एसपी के निर्देश पर पुलिस की टीम ने मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के गपैय गांव से उसे दबोचा है. गिरिडीह एसपी दीपक शर्मा ने सोमवार को बताया कि सोनू करीब चार करोड़ की संपत्ति का मालिक है. उसका पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है. सोनू के खिलाफ साइबर ठगी के चार मामले दर्ज हैं. एसपी ने कहा कि उसकी संपत्ति को जब्त करने के लिए संबंधित विभाग को पत्र भी लिखेंगे.

सुरसू घाटी में बारातियों से भरा वाहन पलटा, 17 बाराती घायल

संवाददाता। सिकिदिरी

सिकिदिरी थाना क्षेत्र की सुरसू घाटी में वन बरवाडीह के पास बारातियों से भरा वाहन पलटने से 17 बाराती घायल हो गए. घटना सोमवार की सुबह लगभग छह बजे की है. बताया जाता है कि डिमरा आमटोली से एक बारात गोला थाना क्षेत्र के हेसल कोराम्बे गई थी लौटने के दौरान फोर्स पैसेंजर वाहन वन बरवाडीह के पास अनियंत्रित होकर पलट गया. हादसे में संतोष बेदिया, आसाराम बेदिया, विष्णु बेदिया, बलकू बेदिया, रोशन बेदिया, अघनू बेदिया, दिलीप बेदिया, नरेंद्र बेदिया, शनिचरवा बेदिया, अमृत लोहार, गोविंद बेदिया, लखीन्द्र बेदिया, शिवेश्वर बेदिया, लखीराम बेदिया, बिरसा बेदिया, दुर्गेश बेदिया, सुनील बेदिया आदि घायल हो गए. हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई. आसपास के ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को जोन्हा स्थित रिंची अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद अधिकतर घायलों को छुट्टी दे दी गई. वहीं गंभीर रूप से घायल संतोष बेदिया, डोमन बेदिया, रोशन बेदिया और अघनू बेदिया को रिम्स रेफर किया गया है. सूचना मिलने पर सिकिदिरी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तब तक चालक वाहन लेकर फरार हो गया.

सोलर प्लाटं पिपरवार क्षेत्र के लिए ड्रीम प्रोजेक्ट है : सीबी सहाय

कारो सोलर प्लांट से चालू हुआ कमीशिनिंग का काम

संवाददाता। पिपरवार

नवनिर्मित कारो सोलर पावर प्लांट से सोमवार को कमीशिनिंग का काम शुरू हो गया है. मुख्य अतिथि पिपरवार जीएम सीबी सहाय ने फीता काटकर इसका उदघाटन किया. सोलर प्लांट के अधिकारियों ने बताया कि 20 मेगावाट के क्षमता वाले इस सोलर प्लांट से डेढ़ मेगावाट विद्युत उत्पादन चालू हो गया है. सोमवार से डीवीसी को डेढ़ मेगावाट पावर भेजा जा रहा है. वहीं दस दिनों के अन्दर फुल लोड पर 20 मेगावाट बिजली चालू हो जाएगा. पिपरवार जीएम सीबी सहाय ने कहा कि 20 मेगावाट का यह सोलर पावर प्लांट पिपरवार एरिया के लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट है जो अब पूरा हो चुका है. इस मौके पर एचपी/सीपीपी परियोजना पदाधिकारी धनंजय कुमार, स्टाफ ऑफिसर विद्युत एवं यांत्रिक जेएन दता,स्टाफ ऑफिसर एक्सावेशन जीएसपी शर्मा,स्टाफ ऑफिसर सेफ्टी मुकेश तोषाग, स्टाफ ऑफिसर माईनिंग सुभोजित हलदर, एरिया सिक्योरिटी ऑफिसर अरुण कुमार महतो,स्टाफ ऑफिसर ईएंडटी आरएन गौतम,प्रोजेक्ट इंजीनियर विद्युत एवं यांत्रिक इमाम उल हक, एनटीपीसी प्रतिनिधि बीके उर्मालिया, दीपक कुंडु,रंजन कुमार,राजन कुमार, सिकन्द्र महतो, रजनीश सिंह, राहुल रंजन, धीरेन्द्र कुमार सहित कई लोग मौजूद थे.

कोर्ट कार्रवाई सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की फर्जी तरीके से खरीद-बिक्री का मामला

छवि रंजन समेत 10 के खिलाफ आरोप तय, 22 को ईडी पेश करेगी सबूत

संवाददाता। रांची

- सभी आरोपित वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के जरिए कोर्ट में हुए उपस्थित
- ईडी कोर्ट ने 10 आरोपितों के खिलाफ आरोप तय कर दिये हैं

सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की फर्जी तरीके से खरीद-बिक्री करने के आरोपित निलंबित आईएएस अधिकारी छवि रंजन, अमित अग्रवाल सहित दस आरोपितों के खिलाफ ईडी कोर्ट ने आरोप तय कर दिया है. मामले में नौ आरोपित जेल में है और एक आरोपित जगतबंधु टी इस्टेट के निदेशक दिलीप घोष जमानत पर हैं. इससे पूर्व ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत में सोमवार को आरोप गठन पर सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान छवि रंजन के वकील ने समय दिए जाने की मांग की. लेकिन अदालत ने समय देने से इनकार कर दिया. छवि रंजन के वकील दिल्ली से ही वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ कर आरोप गठन पर बहस की.उन्होंने कहा कि मेरे मुवक्किल मामले में निर्दोष हैं, जिसका विरोध ईडी के विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार काका ने किया. इसके बाद अदालत ने आरोपितों पर आरोप गठित किया. मामले में ईडी को साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए 22 जुलाई की तिथि निर्धारित की है. बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार में बंद आरोपितों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के समक्ष पेश किया गया था, जबकि दिलीप घोष व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित था. छवि रंजन चार मई 2023 से जेल में हैं.

इन पर हुआ आरोप तय

सोमवार को विशेष अदालत ने छवि रंजन, कोलकाता कारोबारी अमित अग्रवाल, बड़गाईं अंचल के तत्कालीन राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन दलाल रिम्स का कर्मी अफसर अली उर्फ अफ्सू खान, इम्तियाज अहमद, मो. सद्दाम हुसैन, तलहा खान, फैयाज अहमद एवं दिलीप घोष के साथ दो कंपनी भी शामिल है. ईडी की चार्जशीट में बताया है कि भू-राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से भू-माफियाओं के पक्ष में फर्जी तरीके से इन भूखंडों का नामांतरण किया गया है. ईडी के अनुसार, रांची के बरियातू थाने में रांची नगर निगम ने सेना के कब्जे वाली जमीन के फर्जी रैयत पर जालसाजी कर जाली दस्तावेज पर दो-दो होल्डिंग लेने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी.

फोरेंसिक जांच में फर्जीवाड़ा का खुलासा

अदालत की अनुमति से रजिस्ट्रार आफ एश्योरेंस कोलकाता और रांची के भू-राजस्व विभाग के मूल रिकार्ड की गुजरात के गांधी नगर स्थित फोरेंसिक साइंस निदेशालय से जांच कराई. इन दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच में फर्जीवाड़ा साबित हुआ.

न्यूज अपडेट

सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

रांची। मेसरा ओपी क्षेत्र के विकास विद्यालय के पीछे टुक्कू टोली में सात साल की बच्ची के साथ पड़ोसी युवक ने दुष्कर्म किया.मामले को लेकर में बच्ची की मां ने लिखित शिकायत सोमवार को नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई. इसके बाद पुलिस ने आरोपी महेश मुंडा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. पुलिस ने पीड़ित बच्ची का मेडिकल चेकअप कराया. मेसरा ओपी के प्रभारी ने बताया कि सात साल की बच्ची रविवार को दोपहर में घर के बाहर खेल रही थी. इसी क्रम में पड़ोस में रहने वाला महेश मुंडा ने आवास के कमरे में ले गये. इसके बाद उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया. बच्ची बेहाल अवस्था में महेश मुंडा के आवासीय परिसर में मिली. अभिभावक सोमवार को मेसरा ओपी पहुंचे . कुछ ही देर में पुलिस ने आरोपी को उसके आवास से ही धर दबोचा.

पिपरवार में लापता युवक का जंगल में मिला शव

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र स्थित बचरा एलो कालोनी से लापता हुए युवक का शव सोमवार की सुबह खलारी थाना क्षेत्र के भेलवाटांड़ के होदहोदी जंगल से क्षत विक्षत शव बरामद किया गया है. मृतक की पहचान पिपरवार थाना क्षेत्र के बचरा ऐलो कॉलोनी निवासी अविनाश सिंह उर्फ सोनू सिंह के रूप में की गई है. मृतक के परिजनों ने बताया कि सोनू सिंह 23 जून से लापता था और पिपरवार थाना में उनके गुमशुदगी होने का मामला दर्ज कराया गया था.सोमवार की सुबह भेलवाटांड़ जंगल के पास उनका शव देखा गया इसके बाद इसकी सूचना परिजनों के अलावा खलारी थाना पुलिस को दी गई.

भाजपाइयों ने महाप्रबंधक को सौंपा मांगपत्र

नामकुम। भाजपा के प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को बिजली की समस्या को लेकर झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम के महाप्रबंधक से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया. प्रतिनिधि मंडल ने अनगड़ा प्रखंड के चार गांव जो हाथी से प्रभावित क्षेत्र हैं .नामकुम के बालसिरीग और कांके प्रखंड के कुछ क्षेत्रों में जले हुए ट्रांसफार्मर की जगह पर नया ट्रांसफार्मर लगाने के लिए महाप्रबंधक से मांग किया.

समाजसेवी ने नवकुंज परिसर में किया पौधरोपण

सोनाहातू। तेतला नवकुंज मंदिर परिसर में समाजसेवी सह नरेंद्र मोदी विचार मंच युवा शाखा के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनपति महतो ने नौ मंदिर में अलग अलग पौधे लगाया. उन्होंने कहा की जल संरक्षण और वायु संरक्षण में पौधरोपण मददगार होता है. मौके पर कलेश्वर महतो ,मनीष महतो, नीतीश महतो, चंदन महतो, भदरू महतो ,कार्तिक महतो महादेव महतो,विदेशी महतो, राहुल कोइरी, लाल महतो,गोपी दास गोस्वामी, श्याम दास गोस्वामी , लाल मोहन कोइरी, भूषण महतो, लखीचरण कोइरी भोलानाथ महतो आदि मौजूद थे.

हाहाप पंचायत में ग्रामीणों ने की बतौली पूजा

नामकुम। प्रखंड के हाहाप पंचायत में शनिवार को रथ यात्रा के एक दिन बाद ग्रामीण क्षेत्रों में बतौली पूजा पूर्वजों से करते आ रहे.बतौली पूजा रीति रिवाजों के साथ पूजा पाठ पाहन के द्वारा किया गया. इस दौरान ग्रामीणों से मिलकर आजसू पार्टी हल्ला बोल 9 जुलाई प्रखंड मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन पर चर्चा हुई.खिजरी विधानसभा पूर्व प्रत्याशी पारस उरांव ने बताया नामकुम प्रखंड में बढ़ रहे भ्रष्टाचार को मिटाना है इस बार झारखंड में आजसू का सरकार बनाना है. मौके पर पंचायत प्रभारी निकोलस मुंडा, पौलुस स्वांसी, सोहराई मुंडा, जगदीश महतो,गशिराम सिंह मुंडा, राम मुंडा,मोसो पाहन आदि मौजूद रहे .

सिर्फ भाजपा में होता है कार्यकर्ताओं का सम्मान:विनय

सिल्ली/मुरी। पतराहातू में मंडल स्तरीय बैठक सोमवार को मंडल अध्यक्ष सृष्टिधर प्रजापति की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष एवं पतराहातू प्रभारी विनय महतो धीरज शामिल हुए. 13 जुलाई को सिल्ली विधानसभा बूथ स्तरीय सम्मान समारोह पतराहातू में आयोजित किया जाना है. मौके पर अशोक पोद्दार,लक्ष्मीकांत प्रमाणिक,गुलाब महतो, वरुण हाजरा, बेनीवाल महतो,लखीन्द्र कुम्हार,युधिष्ठिर महतो,अरविंद साहू आदि मौजूद थे.

भाजपा में होता है कार्यकर्ताओं का सम्मान :जैलेन्द्र

राहे। भाजपा कार्यालय राहे में मंडल स्तरीय बैठक मंडल महामंत्री मेघनाथ महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा ग्रामीण जिला पूर्व अध्यक्ष एवं राहे मंडल प्रभारी जैलेन्द्र कुमार शामिल हुए. 13 जुलाई को सिल्ली विधानसभा बूथ स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया जाना है. बैठक में राहे मंडल से 55 बूथों के कार्यकर्ता शामिल होंगे। मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष जवाहर महतो,ज्योति प्रसाद कोईरी, युधिष्ठिर महतो, लक्ष्मीकांत महतो, कार्तिक मांझी आदि मौजूद थे.

कोयला मजदूरों ने किया बायोमेट्रिक सिस्टम का विरोध

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के सीएचपी/ सीपीपी परियोजना में संयुक्त ट्रेड यूनियन मोर्चा ने गेट मीटिंग किया. गेट मीटिंग की अध्यक्षता मोहम्मद अब्दुल्ला ने किया. गेट मीटिंग में बायोमेट्रिक सिस्टम से हाजिरी बनाने की प्रक्रिया का विरोध किया गया. इसे वापस लेने की मांग की. मीटिंग को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि कोल इंडिया प्रबंधन मजदूरों के सुख सुविधा पर हमला कर रही है. बायोमेट्रिक सिस्टम से हाजिरी बनाने की प्रक्रिया काफी कठिन है.

डकरा परियोजना में मजदूरों ने की गेट मीटिंग

डकरा। डकरा परियोजना हाजरी घर के पास सोमवार को संयुक्त श्रमिक संगठन के द्वारा कृष्णा चौहान की अध्यक्षता मे मजदूरों के साथ गेट मीटिंग किया . संचालन शैलेश कुमार ने की.गेट मीटिंग में उपस्थित कामगारों के बीच 16 जुलाई को डकरा महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष होनेवाली धारना प्रदर्शन को लेकर चर्चा किया गया. मिथलेश सिंह, गोल्डन यादव,डी पी सिंह , शैलेन्द्र सिंह, हरेन्द्र सिंह, प्रमोद पाठक आदि शामिल थे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष — शिक्षा में विशेष ध्यान देने पर ही विद्यार्थी वर्ग शोध कार्य व शैक्षणिक गतिविधियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में कोई नया विचार क्रियान्वित हो सकता है.

वृषभ — सुख का सामान एकत्र होगा. कार्य की सफलता के लिए प्रयास अधिक करना पड़ेंगे. गलतफहमी से विवाद हो सकता है. भावनाओं पर अंकुश आवश्यक है. हितशत्रुओं से सावधान रहें. कारोबार ठीक चलेगा.

मिथुन — भाई का सहयोग मिलेगा. आपके कार्य और प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. कोई बड़ा कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश शुभ फल देगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें. भरपूर प्रयास करें.

कर्क — आय बहुत ही अच्छा होगी. आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. कार्य और प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

सिंह — किये गए कार्य का लाभ मिलेगा. सुबह से खर्च में वृद्धि होगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भाग्य का सहारा रहेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. चोट व रोग से बचें. किसी बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है.

कन्या — आय एक समान नहीं होगी. कर्ज लेना पड़ सकता है. किसी व्यक्ति के उकसावे में नहीं आएं. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा.

तुला — किसी कार्य को लेकर लापरवाही न करें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पुरानी लेनदारी वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. जल्दबाजी न करें. इतर का दान करना चाहिए.

वृश्चिक — कोई मानसिक पीड़ा हो सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. शत्रुओं का पराभव होगा. आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

धनु — समय सामान्य है. सुबह का समय सामान्य होगा. ससुराल से शुभ समाचार मिलेगा. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी मामलों की बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पूजा-पाठ आदि पर व्यय होगा.

मकर — उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है. वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें. कारोबार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. शनि को खुश रखें. कार्य में गति आएगी.

कुंभ — घर परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा. कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी. आपके कार्य और प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा. किये गए कार्य का लाभ होगा.

मीन — बहुत जरूरी नही हो तो ऋण लेने से बचें. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. लंबी यात्रा की योजना बन सकती है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. मंदिर में मिठाई का दान करें.

मां ने दो बच्चों के साथ कुएं में कूदकर दी जान

छतरपुर/पलामू। छतरपुर थाना क्षेत्र के खोड़ी निवासी करीमन भुईंया के पत्नी सजन्ती देवी 28 वर्ष ने अपने दो बच्चे पूनम कुमारी तीन साल, नानका कुमार एक साल के साथ क्रियाही पहाड़ के समीप एक कुएं में कूदकर जान दे दी. इस घटना में पत्नी और एक बच्चा की मौत हो गई, 64 जबकि एक बच्चा का इलाज अस्पताल में चल रहा है. पति करीमन भुईंया ने बताया कि वह सभी के साथ नावा बाजार जा रहे थे. इसी दौरान दोनों में रास्ते में कहा सुनी हो गई और उसकी पत्नी ने दो बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगा दिया. इधर घटना की सूचना के बाद छतरपुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है. वहीं पति को भी छतरपुर थाना लाकर पूछ-ताछ कर रही है.

फाइनेंस कंपनी के 81 हजार किए गायब, दो धराये

मेदिनीनगर। आर्थिक तंगी झेल रही एक महिला एजेंट ने अपने नाबालिग भाई के साथ मिलकर फाइनेंस कंपनी के 81 हजार की राशि गायब कर दी. मामले को लूट बताकर तरहसी थाना में प्राथमिकी भी दर्ज करायी, लेकिन पुलिस अनुसंधान में सोमवार को महिला का षडयंत्र सामने आ गया. महिला को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. भाई के नाबालिग रहने के कारण उसे निरूद्ध किया गया. बाल सुधार गृह भेजा गया. महिला की पहचान पांकी थाना क्षेत्र के चांपी फुलवरिया की चांदनी कुमारी (20वर्ष) पति विक्रम सिंह के रूप में हुई है. उसके भाई की उम्र 16 वर्ष है. बताया जाता है कि चांदनी कुमारी की शादी वर्ष 2021 में हुई थी. बच्चा होने के बाद चांदनी अपने मायके में रहती थी और उसका पति बैंगलोर मंे मजदूरी करता है. पिता सुरेन्द्र सिंह राजमिस्त्री का काम करते हैं. पिता की कमाई से भरण पोषण नहीं हो पाता था. साथ ही कर्ज भी बहुत ज्यादा हो गया था. ऐसे में चांदनी एक फाइनेंस कंपनी के लिए काम करने लगी. गांव गांव जाकर लोन देती थी और हर 14 दिन पर लोन के पैसे वापस लेने जाती थी. आर्थिक तंगी देखकर चांदनी के मन में ख्याल आया कि जब लोन का पैसा गांव से लाकर रखते हैं तो क्यों ने उस पैसे को किसी तरह से अपने पास रखकर उधार चुकाया जाए. चांदनी ने अपने छोटे भाई से इस मामले को साझा किया और बताया कि तरहसी थाना क्षेत्र के गोइंदी समेत अन्य सेंटर से पैसा उठाने जा रही हूं.

विधानसभा चुनाव के लिए जेबीकेएसएस ने शुरू किया 'झारखंड मांगे जयराम अभियान'

इस बार झारखंड में सत्ता परिवर्तन होना तय है : जयराम महतो

- झारखंड की साढ़े तीन करोड़ जनता तक पहुंचने का लक्ष्य
- झारखंड की जनता को अधिकारों के लिए एकजुट करेंगे

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड की राजनीति में नया चेहरा बन कर उभरे जयराम महतो की पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए दम खम लगा दिया है. इस कड़ी में जेबीकेएसएस (झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति) ने झारखंड की साढ़े तीन करोड़ जनता तक पहुंचने के लिए सोमवार से 'झारखंड मांगे जयराम' अभियान की शुरूआत की है. केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि इस अभियान के जरिए झारखंड की जनता को उनके अधिकारों के लिए एकजुट किया जाएगा. आगामी विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेंगे और झारखंडियों की अपनी सरकार बनाएंगे.

जेबीकेएसएस को जनता का समर्थन हसिल

जयराम महतो ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव के परिणाम ने साबित कर दिया है कि झारखंड की जनता का समर्थन जेबीकेएसएस को हासिल है. इस बार झारखंड में सत्ता परिवर्तन तय है. उन्होंने कहा, झारखंड के नवनिर्माण के लिए जो भी कमी रह गई है, उसे पूरा कर झारखंड वासियों के सेवक बन कर कार्य करेंगे. प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण की. इसमें लंदन के इंपीरियल कॉलेज से पढ़ाई करने वाले बोकारो के प्रकाश कुमार ने सदस्यता ली.

झारखंड में बुलंद हो रही है बदलाव की आवाजः संजय

संगठन के उपाध्यक्ष संजय मेहता ने कहा कि नीति, योजना, शोध और विकास को देखते हुए टीम बनाकर काम करेंगे. देश और विदेशों में बेहतर काम कर रहे लोगों से संपर्क भी स्थापित किया जाएगा. झारखंड में बदलाव की आवाज बुलंद हो रही है. जनता बड़ी आशा के साथ जयराम महतो की ओर देख रही है. कहा, जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए हम पूरी ताकत के साथ इस चुनाव में भाग लेंगे और नई सरकार बना कर झारखंड के लिए बेहतर करेंगे. बस एक मकसद है, झारखंड का नवनिर्माण.

संगठन की रणनीति पर जानकारी देते जेबीकेएसएस के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो व उपाध्यक्ष संजय मेहता.

उपायुक्त ने शिकायत पर की छापामारी, फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार, गया जेल

नर्सिंग होम सील, संचालक व फर्जी डॉक्टर के खिलाफ केस

- अवैध क्लिनिक संचालकों व बिना डिग्रीधारक चिकित्स क को नहीं किया जाएगा माफ
- चतरा के अवैध क्लिनिक संचालक पर बड़ी कार्रवाईडीसी ने स्वयं एमजी नर्सिंग होम में मारा छापा

संवाददाता। चतरा

जिले में लगातार यह शिकायत प्राप्त हो रही थी कि बिना डिग्री के चिकित्सक यूट्यूब का सहारा लेकर अवैध नर्सिंग होम में जाकर प्रसव जैसे कार्य को अंजाम देकर लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं. इस पर उपायुक्त रमेश घोलप मामले को गंभीरता से लेते हुए शनिवार देर शाम को राज नर्सिंग होम संचालक व डॉक्टर चंदन को अनुमंडल पदाधिकारी को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया. गिरफ्तारी करते हुए प्राथमिकी दर्ज कर दोनो को जेल भेजा गया. वहीं दूसरे मामले में उपायुक्त रमेश घोलप ने रविवार की देर शाम अनुमंडल पदाधिकारी व पुलिस बल के साथ लिपदा बाईपास रोड शिव मंदिर के सामने अवैध रूप से संचालित एमजी. नर्सिंग होम में छापेमारी की. छापेमारी के क्रम में उन्होंने सभी वार्डों का जायजा लिया, जिसमें दो मरीज पाए गए. उसी क्रम में नर्सिंग होम के स्टाफ ने बताया कि मैं लगभग एक वर्ष से एमजी. नर्सिंग होम में स्टाफ के रूप में कार्य कर रहा हूं, यहां जिस भी प्रकार का ऑपरेशन होता है, वो डॉक्टर चंदन कुमार द्वारा किया जाता है. लगभग छह माह पहले एक मरीज के बच्चे का ऑपरेशन के दौरान बाहर निकाला गया, जो स्वस्थ नहीं रहने के कारण हजारीबाग भेज दिया गया. कुछ दिनों के बाद उस बच्चे की मौत हो गयी, बच्चे की मौत के बाद महिला के परिजनों ने काफी हंगामा किया. इसके बाद पूर्णिमा सिन्हा ने मामले को किस तरह दबाया, इसकी जानकारी मुझे नहीं है. इस नर्सिंग होम में नॉर्मल प्रसव से ज्यादा ऑपरेशन से प्रसव होते हैं. प्रत्येक ऑपरेशन चंदन कुमार द्वारा ही किया जाता था. डॉक्टर चंदन कुमार सिर्फ ऑपरेशन करने आते थे और चले जाते थे. ऑपरेशन के लिए लगभग 25000-30000 तक राशि ली जाती रही है.

देर रात नर्सिंग होम को किया सील

0000000000000

उपायुक्त ने दिया सख्त निर्देश

उपायुक्त ने कहा, लगातार जिले में अवैध रूप से नर्सिंग होम का संचालन हो रही थी. इसे संज्ञान में लेते हुए त्वरित कार्रवाई के लिए एक टीम का गठन किया गया और छापेमारी की कार्रवाई की गई. छापेमारी के प्रथम दिन एक बिना डिग्रीधारक चिकित्सक एवं नर्सिंग होम संचालक को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया. संस्थान में लगे सीसीटीवी डीवीआर बॉक्स को जांच के लिए जब्त किया गया व नर्सिंग होम को देर रात ही सील कर दिया गया. साथ ही पूर्णिमा सिन्हा, चंदन कुमार एवं अन्य के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकि दर्ज की गई है. उन्होंने कहा कि अगर इसमें सदर अस्पताल के पदाधिकारी, कर्मी की संलिप्तता पाई जाती है तो उनके उपर भी कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

एनडीए सरकार में चार मंत्रालय संभाल चुके हैं बैद्यनाथ राम

मंत्री बनने पर बैद्यनाथ राम का स्वागत करते कार्यकर्ता.

आशीष टैगोर। लातेहार

लातेहार विधायक बैद्यनाथ राम ने एक बार फिर मंत्री पद की शपथ ली है. हेमंत सोरेन के जेल से आने और मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद से ही यह कयास लगाया जा रहा था कि झारखंड मंत्री मंडल में फेरबदल किया जा सकता है और बैद्यनाथ राम को मंत्री बनाया जा सकता है. हालांकि पिछली बार जब बुलावा दे कर भी श्री राम को मंत्री नहीं बनाया गया तो उन्होंने अपनी नाराजगी साफ जाहिर कर दी थी और उस समय उन्हें आश्वास्त किया गया था कि उन्हें मंत्री बनाया जायेगा. बता दें कि बैद्यनाथ राम को एक अनुभवी राजनेता माना जाता है. उन्होंने एनडीए सरकार में चार-चार मंत्रालयों का दायित्व बखूबी संभाला है. हालांकि एक शिक्षक से लेकर मंत्री तक उनका सफर कम दिलचस्प नहीं है. वे सरस्वती शिशु मंदिर, लातेहार में शिक्षक थे. बाद में राजनीति में आ गये. साल 2000 के विधानसभा चुनाव में बैद्यनाथ राम भाजपा से टिकट पाने के प्रबल दावेदार थे. लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया गया. इसके बाद पब्लिक डिमांड में उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया. बाद में जदयू के टिकट पर चुनाव लड़े और विजयी हुए. तत्कालीन सरकार में उन्हें खेल मंत्री बनाया गया. बाद में उन्हें मद्य निषेध व शिक्षा मंत्री भी बनाया गया. साल 2005 में राजद के प्रकाश राम ने बैद्यनाथ राम को हराया. बैद्यनाथ राम पुनः जदयू से भाजपा में आ गये. घर वापसी के बाद 2009 विधानसभा चुनाव बीजेपी के टिकट पर लड़े और विजयी रहे. सरकार में शिक्षा मंत्री बने. 2014 में बैद्यनाथ राम विधानसभा चुनाव नहीं लड़े. साल 2019 में जब बीजेपी से उन्हें टिकट नहीं दिया तो वे झामुमो में शामिल हो गये और झामुमो के टिकट पर चुनाव जीते. हालांकि चुनाव जीतने के बाद कयास लगाया जा रहा था कि झामुमो की सरकार में उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किया जायेगा, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया. बता दें कि पिछले साल विधानसभा सत्र के दौरान बालूमाथ में अस्पताल की मांग को ले कर बैद्यनाथ राम अपनी ही सरकार के खिलाफ धरना में बैठ गये थे. श्री राम को मंत्री पद की शपथ दिलाने के बाद झामुमो जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहेदव, विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, युवा नेता अंकित पांडेय, विवेक कुमार, शुभम कुमार, रंजीत कुमार, दीपक कुमार आदि ने श्री राम को बुके भेंट कर शुभकामनायें दी.

पूर्व विधायक ने मंत्री मिथिलेश ठाकुर पर लगाया आरोप

गढ़वा। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी ने अपने 100 दिन के पोल खोल यात्रा के तहत रंका अनुमंडल क्षेत्र में पहुंचे. उन्होंने स्थानीय विधायक सहकुमार ठाकुर के विकास कार्यों का पोल खोल कर रख दिया. पूर्व विधायक ने कहा कि विकास के नाम पर गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में विनाश लीला चल रही है. जहां लोगों की जिंदगी संवारने की कोशिश होती वहीं विधायक सह मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर लोगों की जिंदगी उजाड़ने की साजिश कर रहे है. ऐसा पूर्व विधायक ने इसी लिए कहा कि उन्होंने पाया कि धनबाद, झरिया एवं पाकुंड की तरह गढ़वा में भी दर्जनों बड़े- बड़े खादान संचालित हो रहे हैं जहां से बड़े पैमाने पर पत्थरों का खनन किया जा रहा है. साथ ही उससे जुड़े हुए कई दर्जन बड़े क्रशर भी संचालित हो रहे हैं. खदान में होने वाले विस्फोट एवं सुबह से देर रात तक चलने वाले क्रशर से निकलने वाले धुंए से आस- पास के गांव पूरी तरह से प्रभावित हैं. ग्रामीणों का जीवन जीना दूभर हो गया हैं. नतीजा है कि लोग घरों में ताले लगाकर बाहर पलायन करने लगे हैं. पूर्व विधायक ने कहा कि स्थानीय विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर व अधिकारियों की मिलीभगत के बाद ही पत्थर माफिया खदान एवं क्रशर चला रहे हैं. ग्रामीणों ने जब खदान व क्रशर की शिकायत करते है तो पत्थर माफियाओं द्वारा गोली मारने की धमकी दी जाती है. सत्येंद्रनाथ तिवारी ने कहा हेमंत राज में गुंडों और माफियाओं की चलती है.

हेमंत सरकार ने विस में जीता विश्वास मत, विपक्ष को दिखाया आईना

- विपक्ष के वॉकआउट के बीच, 45 सदस्यों का मिला समर्थन
- सरयू राय रहे तटस्थ्य, जेपी पटेल रहे अनुपस्थित, आलमगीर नहीं पहुंचे सदन

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को फ्लोर टेस्ट में पास हो गए. उनके द्वारा सदन में रखे गए विश्वास मत के समर्थन में 45 विधायकों का समर्थन मिला. सोरेन सरकार को पार्टी से निष्कासित विधायक लोबिन हेंब्रम और निलंबित विधायक चमरा लिंडा ने भी अपना समर्थन दिया. विपक्ष के वॉकआउट के बीच हेमंत सोरेन सरकार ने विश्वास मत आसानी से हासिल कर लिया. विश्वास मत के विरोध में शून्य वोट पड़े. दरअसल जब मत विभाजन हुआ, तो भाजपा के विधायक वेल में आकर शोर शराबा करने लगे, इसलिए विरोध के मतों की गिनती तकनीकी रूप से नहीं हो पाई. वहीं विस में तकनीकी रूप से झाविमो विधायक बाबूलाल मरांडी, आजसू पार्टी विधायक सुदेश महतो, लंबोदर महतो, सुनीता चौधरी, एनसीपी विधायक कमलेश कुमार सिंह और निर्दलीय विधायक अमित यादव गणना के समय खड़े नहीं हुए, इसलिए इनके मतों की भी गिनती नहीं की गई. निर्दलीय विधायक सरयू राय तटस्थ्य रहे. किसी को सपोर्ट नहीं किया. विधायक जेपी पटेल सदन से अनुपस्थिति रहे. जबकि कांग्रेस के विधायक पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को कोर्ट ने विधानसभा की कार्यवाही में हिस्सा लेने की अनुमति प्रदान नहीं की. मालूम हो कि चार विधायकों (जोबा मांझी, नलिन सोरेन, ढुल्लू महतो और मनीष जायसवाल) के सांसद बन जाने के बाद विधानसभा की सदस्य संख्या घटकर 77 हो रह गई है. सरकार के विश्वास मत हासिल करने के बाद स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी.

मेरी गैर हाजिरी में सरकार को सफलता पूर्वक चलाया : हेमंत सोरेन : इससे पूर्व सदन में विश्वास मत प्रस्ताव रखते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि विपक्ष की बेचैनी को देखते हुए साफ हो जाता है कि ये लोग मुझे यहां देख कर क्या सोच रहे हैं. पूरे देश के लोकसभा चुनाव में लोगों ने इन्हें आईना दिखा दिया है. अब बचा है विधानसभा चुनाव. राज्य की जनता इन्हें दिखा देगी कि वो क्या हैं. हेमंत सोरेन ने विधायकों को धन्यवाद दिया. अपनी गैरहाजिरी में सरकार को सफलता पूर्वक चलाया और इनकी साजिशों को खत्म किया.

अवैध कोयला लदा ट्रक जब्त 4 तस्करों पर प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता। रामगढ़

कोयले के अवैध कारोबारियों पर पुलिस ने एक बार फिर कड़ी कार्रवाई की है. रामगढ़ थाना क्षेत्र के सरैया गांव में बांग्ला ईंट भट्ठा पर रात के अंधेरे में अवैध कोयले को लादा जा रहा था. गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस वहां पहुंची और उस ट्रक को जप्त किया. हालांकि इस दौरान तस्कर वहां से भागने में सफल रहे. पुलिस अब तस्करों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है. इस मामले में रामगढ़ थाना प्रभारी अजय कुमार साहू के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई है. उन्होंने कहा है कि मध्य रात्रि के बाद गस्ती के दौरान उन्हें सूचना मिली की सरैया के प्रदीप महतो के बांग्ला ईंट भट्टे पर एक 10 चक्का ट्रक मौजूद है, जिस पर अवैध कोयले को लोड किया जा रहा है. पुलिस जब वहां पहुंची तो तस्कर पुलिस की लाइट देखकर भाग खड़े हुए. छानबीन के दौरान पता चला कि बीआर 02 के 9073 पर लगभग 10 टन अवैध कोयला लोड कर दिया गया था.

4 तस्करों के खिलाफ दर्ज किया गया मामला

रामगढ़ थाना प्रभारी अजय कुमार साहू ने अवैध कोयले की तस्करी के मामले में चार लोगों को नाम से अभियुक्त बनाया है इनमें सरैया गांव निवासी प्रदीप महतो, पवन महतो, नरेश महतो और बरकाकाना निवासी और राकेश दुबे शामिल हैं. इन लोगों पर भारतीय न्याय संहिता और भारतीय वन अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज किया गया है. पुलिस ने बताया कि इस अवैध तस्करी में ट्रक मालिक और चालक की भी संलिप्तता है.

अवसर डी फॉर्मा करने के लिए स्थानीय विद्यार्थियों को मिलेगा मौका, 20 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन

शैक्षणिक सत्र 2024-26 के लिए डी फार्मा (आयुर्वेद) की पढ़ाई शुरू होगी

रवि भारती। रांची

राज्य सरकार के स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के आदेश के अनुसार राजकीय आयुर्वेदिक फार्मेसी महाविद्यालय, साहिबगंज में डी फार्मा (आयुर्वेद) (डिप्लोमा इन आयुर्वेदिक फॉरमेसी) की पढ़ाई शुरू होगी. राज्य सरकार का यह इकलौता कॉलेज है, जहां आयुर्वेद में डी फार्मा की पढ़ाई होती है. शैक्षणिक सत्र 2024-26 में नामांकन के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20 जुलाई निर्धारित की गई है. इस सत्र में 30 विद्यार्थियों का नामांकन लिया जाएगा. इसमें साइंस से प्लस टू पास विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं.

ऐसे करें आवेदन : प्रत्येक आवेदक को आवेदन पत्र का विहित प्रारूप झारखंड सरकार की वेबसाइट www.jharkhand.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं. इसके अलावा झारखंड राज्य आयुष चिकित्सा परिषद्, आरसीएच कैंपस नामकुम, रांची या प्राचार्य राजकीय आयुर्वेदिक फार्मेसी कॉलेज, साहिबगंज या प्रत्येक जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी कार्यालय से भी प्राप्त कर सकते हैं. आवेदन करने वाले विद्यार्थियों की उम्र एक अगस्त 2024 से कम से कम 17 वर्ष होनी चाहिए. आवेदन पत्र निबंधित डाक, स्पीड पोस्ट के माध्यम से निबंधक, झारखंड राज्य आयुष चिकित्सा परिषद, नामकुम, रांची- 834010 के पते पर भेजना होगा.

झारखंड के स्थानीय निवासी ही कर सकेंगे आवेदन : कार्मिक विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, झारखंड राज्य के स्थानीय निवासी ही आवेदन देने के पात्र होंगे. झारखंड राज्य का स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र धारित नहीं करने वाले अभ्यर्थी आवेदन समर्पित करने के पात्र नहीं होगें. साक्षात्कार की अनुमति पूर्णतः औपबंधिक होगी. निर्धारित साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने अथवा आवेदन में भरे गये पात्रता संबंधी प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करने अथवा निर्धारित अवधि अंतर्गत प्रमाण पत्र संलग्न नहीं होने पर आरक्षण व अन्य लाभ अनुमान्य नहीं होगा. नामांकन के लिए छात्रों के चयन को लेकर प्राप्तांक के आधार पर सामान्य मेधा सूची तैयार की जाएगी.

इन निर्देशों का करना होगा पालन

- मैट्रिक या 10वीं के सर्टिफिकेट व अंक पत्र में दर्ज वर्तनी से भिन्न प्रमाण पत्र मान्य नहीं होगे.
- आवेदक सक्षम स्तर से प्रमाण पत्र प्राप्त करने के उपरांत ही आवेदन पत्र भरना सुनिश्चित करें.
- विज्ञापन प्रकाशन की तिथि को झारखंड सरकार द्वारा लागू आरक्षण संबंधी सभी नियम प्रभावी होंगे.
- आरक्षण का दावा करने वाले अभ्यर्थियों को संबंधित प्रमाण पत्र जांच के अवसर पर समर्पित करना अनिवार्य होगा.
- प्राप्तांक के आधार पर सामान्य मेधा सूची तैयार की जायेगी.
- शैक्षणिक योग्यता से संबंधित प्रमाण पत्र मान्यता प्राप्त संस्था का ही मान्य होगा.

पेज एक का शेष

6-4-1 फॉर्मूला फिट, चंपाई नंबर दो

इसके बाद 2019 में जब राज्य में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में यूपीए की सरकार बनी, तो भी यह पद रिक्त रहा. इसके बाद फरवरी में जब चंपाई सोरेन सरकार बनी, तो भी यह पद रिक्त रहा. अब जाकर 14 साल बाद रिक्त पड़ा 12वें मंत्री का पद भरा गया है. ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट निर्णय दे चुका है कि किसी भी हाल में सांसदों अथवा विधायकों की संख्या के हिसाब से 15 प्रतिशत सदस्य ही कैबिनेट में रखे जा सकते हैं. झारखंड में 81 विधायकों के हिसाब से यह संख्या 12 तक ही हो सकती है. हेमंत कैबिनेट में इस बार 6 4 1 फॉर्मूला फिट हो गया. झामुमो कोटे से छह, कांग्रेस कोटे से चार और राजद कोटे से एक को कैबिनेट में जगह मिली. वहीं तीन नए चेहरों को मौका मिला है. इसमें कांग्रेस की दीपिका पांडेय सिंह और इरफान अंसारी व झामुमो के बैजनाथ राम शामिल हैं. चंपाई कैबिनेट में शामिल रहे बादल पत्रलेख और बसंत सोरेन को ड्राप कर दिया गया. इरफान अंसारी को आलमगीर आलम की जगह मिली है. वहीं दीपिका पांडेय सिंह को बादल पत्रलेख की जगह मिली है. इस बार हेमंत कैबिनेट में शामिल छह मंत्रियों से तीसरी बार मंत्रीपद की शपथ ली है. इसमें चंपाई सोरेन, रामेश्वर उरांव, मिथिलेश ठाकुर, बन्ना गुप्ता, बेबी देवी और सत्यानंद भोक्ता शामिल हैं. वहीं दूसरी बार शपथ लेने वालों में हफीजुल अंसारी, दीपक बिरूआ शामिल हैं.

हेमंत के प्रति विश्वास

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड विधान सभा में विश्वास मत हासिल कर लिया है. इस विधान सभा के कार्यकाल में यह दूसरा अवसर है, जब हेमंत सोरेन को विश्वास मत हासिल करना पड़ा. ईडी की गिरफ्तारी के कारण उन्हें पद छोड़ना पड़ा था. पांच माह पहले इंडिया गठबंधन के चंपाई सोरेन ने बतौर मुख्यमंत्री विश्वास मत हासिल किया था. मुख्यमंत्री ने विश्वास मत के दौरान विपक्ष के हंगामे के बीच संक्षिप्त भाषण दिया और विश्वास जाहिर किया कि कुछ समय बाद होने जा रहे विधान सभा चुनाव में वे अपने गठबंधन के साथ वापसी करेंगे. अब जनता किसके प्रति विश्वास प्रकट करेगी, यह तो विधान सभा के चुनाव परिणाम के बाद ही पता चलेगा, लेकिन एक दिवसीय विशेष सत्र से इतना तो जाहिर हो गया है कि इंडिया गठबंधन को आक्रामक बीजेपी गठबंधन का मुकाबला करना होगा. विपक्ष के नेता ने अपने भाषण में विधान सभा चुनावों के लिए भाजपा के रणनीतिक मुद्दों को प्रकट कर दिया है. भाजपा अपने मुख्य आधार सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के इर्दगिर्द रोजगार और भ्रष्टाचार के सवाल के सहारे चुनाव मैदान में जाने का इरादा रखती है. लोकसभा चुनाव के समय भाजपा का ध्रुवीकरण का मुद्दा असरदार साबित नहीं हुआ था. यहां तक कि अयोध्या की सीट भी भाजपा से छीन गयी, लेकिन भाजपा अपने बुनियादी आधार से हटने को तैयार नहीं है. झारखंड सहित देश की जनता ने यह बताने का प्रयास लोकसभा चुनाव के समय किया कि उनके लिए हिंदू मुसलमान का सवाल महत्वपूर्ण नहीं है. देश की जनता समावेशी विकास, जिसमें रोजगार केंद्र में हो पर जोर दे रही है. हालांकि भाजपा ने हेमंत सरकार के वायदे पांच लाख नौकरी की याद जरूर दिलायी, जिसका जवाब प्रधानमंत्री के दो करोड़ प्रति साल रोजगार के जुमले से सत्ता पक्ष ने दिया. विपक्ष के नेता ने जनसंख्या संतुलन का सवाल उठा कर इंडिया गठबंधन की सरकार को घेरने का प्रयास किया. दरअसल वे घुसपैठ के सवाल को चुनावी एजेंडा बनाने का संकेत दे रहे थे. लेकिन झारखंड में डेमोग्राफी यानी जनसंख्या संतुलन का सवाल इससे ज्यादा पेचीदा है. इस सवाल पर तो भाजपा को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. बहिरागत का मुद्दा झारखंड में बार बार उठता ही रहा है. यह एक ऐसा मुद्दा है, जो भाजपा के वोट आधार को प्रभावित करता है. लोकसभा चुनाव में दो ट्रेंड देखने को मिले हैं. एक तो आदिवासी सुरक्षित सीटों पर भाजपा केवल हारी ही नहीं है, 2019 की तुलना में उसके मत प्रतिशत भी घटे हैं. इसी तरह बहिरागत का सवाल उठाने वाले जयराम महतो की पार्टी का उभार भ्राजपा गठबंधन के लिए एक बड़ा खतरा है. पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने झारखंड को केंद्रीय एजेंसियों का प्रयोगशाला बताया. हेमंत सोरेन को मिली जमानत के संदर्भ में झारखंड हाईकोर्ट के फैसले में जो कुछ लिखा गया है, उसका हवाला दे कर भी केंद्रीय एजेंसियों के सहारे राज्य में अस्थिरता पैदा करने के मुद्दे को सत्ता पक्ष ने उठाया. अब जब कि विधान सभा का चुनाव सन्निकट है, दोनों ही पक्षों को जनता के बीच अपने एजेंडे को ले जाने की चुनौती है.

> दरअसल वे घुसपैठ के सवाल को चुनावी एजेंडा बनाने का संकेत दे रहे थे. लेकिन झारखंड में डेमोग्राफी यानी जनसंख्या संतुलन का सवाल इससे ज्यादा पेचीदा है. इस सवाल पर तो भाजपा को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है.

सुभाषित

स्वभावो नोपदेशेन शक्यते कर्तुमन्यथा।
सुतप्तमपि पानीयं पुनर्गच्छति शीतताम्॥

उपदेश देकर किसी के स्वभाव को बदला नहीं जा सकता, पानी को कितना भी गरम करो, कुछ समय बाद वह फिर से ठंडा हो ही जाता है.जिसकी प्रकृति जैसी होती है, उसकी प्रवृत्ति भी वैसी ही हो जाती है. उसमें परिस्थितिवश थोड़ा परिवर्तन तो होता है, लेकिन फिर सबकुछ पूर्ववत हो जाता है.

विकास और विशेष राज्य का दर्जा

12 वें वित्त आयोग ने सिफारिश की थी कि केंद्र सरकार को सिर्फ अनुदान देना चाहिए और यह राज्यों के ऊपर छोड़ देना चाहिए कि वे बाजार से कितना कर्ज लेना चाहते हैं. तबसे विशेष श्रेणी के राज्यों के लिए 90 प्रतिशत अनुदान और 10 प्रतिशत ब्याजमुक्त कर्ज का फार्मूला यथावत है. सामान्य श्रेणी के राज्यों के लिए ऋणों और अनुदानों के बीच वही अनुपात है, जिस अनुपात में वह केंद्र को प्राप्त होता है.

• देश-काल

अरविंद जयतिलक

केंद्र में सत्तारुढ़ एनडीए सरकार की सहयोगी जनता दल (यू) द्वारा एक बार फिर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग की गई है. गत दिवस संपन्न पार्टी कार्यकारिणी की मीटिंग में जनता दल (यू) द्वारा जोर देकर कहा गया है कि बिहार के विकास के लिए स्पेशल स्टेट्स और विशेष आर्थिक पैकेज मिलना जरूरी है. देखना दिलचस्प होगा कि केंद्र की सरकार अपने सहयोगी की मांग को कितना तवज्जो देती है. बहरहाल गौर करें तो यह पहली बार नहीं है जब बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग की गई है. 2009 में बिहार विधानसभा और 2010 में विधानपरिषद ने सर्वसम्मति से विशेष राज्य का दर्जा देने का प्रस्ताव पारित किया. उसके बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सांसदों ने 23 मार्च 2011 को इस मांग के समर्थन में प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपा. 14 जुलाई 2011 को शरद यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री से मिलकर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें सवा करोड़ लोगों के हस्ताक्षर थे. 4 नवंबर 2012 को पटना के गांधी मैदान में जनता दल (यू) ने महारैली कर विशेष राज्य की दर्जे की मांग का एलान किया और उस मांग के समर्थन में 17 मार्च, 2013 को दिल्ली के रामलीला मैदान में भी रैली की. उसके बाद जून 2013 में जनता दल (यू) ने भारतीय जनता पार्टी से इसलिए नाता तोड़ लिया कि केंद्र की मनमोहन सरकार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दे देगी. लेकिन ऐसा नहीं हुआ. गौर करें तो मौजूदा समय में विशेष राज्य दर्जा प्राप्त राज्यों की संख्या 11 है. ये राज्य हैं-नगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, मिजोरम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, असम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू एवं कश्मीर. ध्यान दें तो विशेष दर्जा प्राप्त ये सभी राज्य पहाड़ी हैं और पिछड़ेपन होने की सभी शर्तों को पूरा भी करते हैं. गौर करें तो विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने के दो आधार बनाए गए हैं. एक, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का मानक और दूसरा योजना आयोग का.

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार उन्हीं राज्यों को पिछड़ा माना गया है, जिनका कमजोर संसाधन आधार और कमजोर अधिसंरचना है. जो भौगोलिक अलगाव और अगम्य भू-क्षेत्र में स्थित हैं. जबकि योजना आयोग की शर्तों के मुताबिक उन राज्यों को पिछड़ा माना गया, जो पहाड़ी क्षेत्र में स्थित हैं, जिनकी निम्न जनसंख्या घनत्व है, जिनकी स्थिति पड़ोसी देशों की सीमाओं पर है और जिनकी राजकीय वित्त व्यवस्था कमजोर है. केंद्र सरकार द्वारा संसाधनों के वितरण में विशेष दर्जा वाले राज्यों को अतिरिक्त आर्थिक मदद दी जाती है, ताकि आर्थिक असमानता और क्षेत्रीय असंतुलन दूर किया जा सके. इन राज्यों को 90 प्रतिशत केंद्रीय अनुदान और शेष 10 प्रतिशत ब्याजमुक्त कर्ज प्राप्त होता है. इसके अलावा उन्हें उत्पाद शुल्क में भी रियायत मिलती है, ताकि वहां पूंजी निवेश हो सके. योजना व्यय के लिए केंद्र सरकार की सकल बजट योजना का 30 प्रतिशत हिस्सा भी उन्हें प्राप्त होता है. इन राज्यों में उद्योग लगाने के लिए उद्योगपतियों को भारी प्रोत्साहन मिलता है. 12 वें वित्त आयोग ने सिफारिश की थी कि केंद्र सरकार को सिर्फ अनुदान देना चाहिए और यह राज्यों के ऊपर छोड़ देना चाहिए कि वे बाजार से कितना कर्ज लेना चाहते हैं. तबसे विशेष श्रेणी के राज्यों के लिए 90 प्रतिशत अनुदान और 10 प्रतिशत ब्याजमुक्त कर्ज का फार्मूला यथावत है. सामान्य श्रेणी के राज्यों के लिए ऋणों और अनुदानों के बीच वही अनुपात है, जिस अनुपात में वह केंद्र को प्राप्त होता है. हालांकि 13 वें वित्त आयोग ने विशेष श्रेणी के राज्यों को अतिरिक्त संसाधन सहायता उपलब्ध कराने की सिफारिश के साथ ही यह भी सुझाव दिया कि केंद्र को 30.5 प्रतिशत के बजाए 32 प्रतिशत की राशि राज्यों की झोली में डालना चाहिए. उसने केंद्र से कुल राजस्व से राज्यों को मिलने वाला हिस्सा भी 38 प्रतिशत से बढ़ाकर 39.5 प्रतिशत किए जाने की भी सिफारिश की. पर गौरतलब यह कि बात चाहे विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों की हो या अन्य राज्यों की सभी आर्थिक बदहाली के संकट में हैं.

विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों का औद्योगिक राज्य बनने का सपना पूरा नहीं हो पाया है. असम, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर तथा जम्मू-कश्मीर समेत अन्य विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों पर भारी कर्ज है. तीन पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए कई योजनाएं बनी. निवेशकों को आकर्षित करने तथा रोजगार सृजित करने के लिए टैक्स में भारी कमी की गयी. दूसरे उपायों की भी घोषणा हुई, लेकिन परिणाम सकारात्मक नहीं दिखा. योजना आयोग ने जब 2013 में इन राज्यों को विकास की कसौटी पर कसा तो तस्वीर उत्साहजनक नहीं दिखी. निवेशक टैक्स छूट का फायदा उठाने में तो सफल रहे, लेकिन ये राज्य रोजगार सृजित करने में विफल रहे. राज्य सरकारों और स्थानीय प्रशासन की सुस्ती की वजह से कई निवेशक अपना कारोबार समेट लिए. नतीजा राज्य में आधारभूत ढांचा विकसित नहीं हो सका. ऐसे में यह धारणा पालना कि विशेष राज्य का दर्जा मिलने मात्र से राज्य की समस्याएं छूमंतर हो जाएंगी और राज्य तरक्की की छलांग लगा लेगा, संभव नहीं. ऊंचा विकास लक्ष्य हासिल करने के लिए राज्यों को सबसे पहले भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना होगा और साथ ही आर्थिक अनुशासन तथा कानून-व्यवस्था भी दुरुस्त करना होगा. वैसे भी संभव नहीं है कि केंद्र सरकार एक साथ देश के सभी पिछड़े राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा दे. पिछड़े राज्यों को तरक्की के लिए अपने पिछड़ेपन के मूल कारणों को तलाश कर उसका निदान ढुंढना होगा. वे पिछड़े इसलिए हैं कि वहां विकास नहीं हुआ. किसी भी राज्य के विकास के लिए पारदर्शिता, ईमानदारी और प्रभावकारी कार्यसंस्कृति जरूरी है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

नैतिक व आदर्श जीवन-मूल्य

आज चारों ओर झूठ, कपट, भ्रष्टता का माहौल है, नैतिक बने रहना मूर्खता का पर्याय माना जाता है और अक्सर परिहास का कारण बनता है. आश्चर्य तो यह है कि नैतिक जीवन मूल्यों की चाहत सभी को है किन्तु इन्हें जीवन में उतार नहीं पाते!! आज मूल्यों को अनुपयोगी मानते हुए भी सभी को अपने आस पास मित्र सम्बंधी तो सर्वांग नैतिक और मूल्य निष्ठ चाहिए. चाहे स्वयं से मूल्य निष्ठा निभे या न निभे!! हम कैसे भी हों किन्तु हमारे आस पास की दुनिया तो हमें शान्त और सुखद ही चाहिए. यह कैसा विरोधाभास है? कर्तव्य तो मित्र निभाए और अधिकार हम भोगें. बलिदान पडौसी दे और लाभ हमे प्राप्त हो. सभी अनजाने ही इस स्वार्थ से ग्रस्त हो जाते है. सभी अपने आस पास सुखद वातावरण चाहते है, किन्तु सुखद वातावरण का परिणाम नहीं आता. हमें चिंतन करना पडेगा कि सुख शान्ति और प्रमोद भरा वातावरण हमें तभी प्राप्त हो सकता है जब नैतिकताओं की महानता पर हमारी स्वयं की दृढ़ आस्था हो, अविचलित धारणा हो, हमारे पुरूषार्थ का भी योगदान हो. कोई भी नैतिक आचरणों का निरादर न करे, उनकी ज्वलंत आवश्यकता प्रतिपादित करे तभी नैतिक जीवन मूल्यों की प्रासंगिकता स्थायी रह सकती है. यदि आज के दौर में नैतिक व आदर्श जीवन-मूल्य की प्रासंगिता त्वरित लाभकारी दृष्टिगोचर नहीं होती तो फिर क्या आज उसकी कोई सार्थकता नहीं रह गयी है. क्या हमें इन मूल्यों का समूल रूप से परित्याग करके समय की आवश्यकता के अनुरूप सुविधाभोगी जीवन मूल्य अपना लेने चाहिए? आज सेवा, त्याग, उपकार, निष्ठा, नैतिकता का स्थान स्वार्थ, परिग्रह, कपट, ईर्ष्या, लोभ-लिप्सा आदि ने ले लिया और यही सफलता के उपाय बन कर रह गए है. विचारधारा के स्वार्थमय परिवर्तन से मानवीय मूल्यों के प्रति विश्वास और आस्था में कमी आई है. आज की सर्वाधिक ज्वलंत समस्या नैतिक मूल्य संकट ही हैं. वैज्ञानिक प्रगति, प्रौद्योगिक विकास, अर्थ प्रधानता के कारण, उस पर अनेक प्रश्न-चिह्न खडे हो गए. हर व्यक्ति कुंठा, अवसाद और हताशा में जीने के लिए विवश हो रहा है. इसके लिए हमें अपना चिंतन बदलना होगा, पुराने किंतु उन शाश्वत जीवन मूल्यों को जीवन में फिर से स्थापित करना होगा. आज चारों और अंधेरा घिर चुका है तो इसका अर्थ यह नहीं कि उसमें हम बस कुछ और तिमिर का योगदान करें! जीवन मूल्यों पर चलकर ही किसी भी व्यक्ति, परिवार, समाज एवं देश के चरित्र का निर्माण होता है.

राजनीतिक अविश्वास से उपजा सत्ता पलट

• पड़ोस

पुष्परंजन

बिहार के सहरसा में जन्मे गिरिजा प्रसाद कोइराला नेपाल में चार बार प्रधानमंत्री रहे. मई, 2008 में जब वह अंतरिम सरकार के कार्यकारी प्रधानमंत्री थे, तब भी अपनी इकलौती संतान सुजाता कोइराला को प्रधानमंत्री बनते देखना चाहते थे, लेकिन उनका यह सपना उनके साथ ही चला गया. नेपाली कांग्रेस की राजनीति आज भी स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला को केंद्र में रखकर की जाती है. उसका उदाहरण मंगलवार को तब देखने को मिला, जब कोइराला की 100वीं जयंती के अवसर पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. 'क्रांति से शांति तक' नामक फोटो प्रदर्शनी नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय, सानेपा, ललितपुर में आयोजित किया गया था, जहां वर्तमान प्रधानमंत्री प्रचंड आये, और इसके प्रकारांतर 'पीएम इन वेटिंग', केपी शर्मा ओली भी पधारे. उस अवसर पर प्रचंड का नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा से क्या संवाद हुआ, वह सार्वजनिक नहीं हुआ है. मगर, बुधवार सुबह प्रचंड ने घोषणा की कि पहले संसद में विश्वास मत करा लेते हैं, फिर मैं कुर्सी छोड़ूंगा.एक साल 180 दिनों से प्रचंड सत्ता में हैं. तीसरे टर्म प्रधानमंत्री पद पर बने रहना कितना कठिन होता है, उसे यों समझा जाये कि अब तक उन्हें चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा है. आखिरी बार 20 मई, 2024 को प्रचंड को विश्वास मत हासिल करना पड़ा था, तब उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी ने अपना समर्थन वापस ले लिया था. बुधवार शाम एमाले ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी. उसके आठ मंत्री सरकार में थे, उन्होंने भी त्यागपत्र दे दिया. एमाले ने चौबीस घंटे के भीतर प्रचंड से प्रधानमंत्री पद छोड़ने को कहा है. प्रचंड ने सुबह ही मना कर दिया था कि फ्लोर टेस्ट के बाद ही सब तय होगा. संविधान के अनुच्छेद 100 (2) में कहा गया है कि यदि गठबंधन में कोई राजनीतिक दल अपना समर्थन वापस ले लेता है, तो प्रधानमंत्री 30 दिन के भीतर विश्वास मत के लिए प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश करेंगे. अब सबको लग गया है कि प्रचंड आसानी से पद छोड़ने वाले नहीं. पिछले सोमवार को जब 'सूर्य अस्त, नेपाल मस्त' था, तब रात सवा बारह बजे काठमांडो के बूढ़ा नीलकंठ स्थित चपली हाइट रिसोर्ट में नेकपा-एमाले (यूएमएल) और नेपाली कांग्रेस ने सत्ता परिवर्तन का समझौता किया था. चपली समझौते में तय हो गया कि बचे हुए टर्म के आधे कालखंड में केपी शर्मा ओली प्रधानमंत्री रहेंगे, और शेष समय शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालेंगे.लिखित सहमति के अनुसार, 'ओली नेपाली कांग्रेस और अन्य सीमांत दलों के समर्थन से नई सरकार का नेतृत्व करेंगे. संविधान संशोधन किया जायेगा. समानुपातिक चुनाव प्रणाली बदली जाएगी, नेपाली कांग्रेस गृह सहित 10 मंत्रालयों का नेतृत्व करेगी. यूएमएल को वित्त सहित नौ मंत्रालय मिलेंगे. कांग्रेस और यूएमएल तीन-तीन प्रांतीय सरकारों का नेतृत्व करेंगे, मगर मधेश में सरकार का नेतृत्व एक क्षेत्रीय पार्टी करेगी.' चपली हाइट रिसोर्ट से ही सन्देश जारी किया गया कि इस समझौते का अनुमोदन हम मंगलवार से करने जा रहे हैं, राष्ट्रीय सहमति की सरकार में माओवादियों को छोड़कर, जो शेष दल आना चाहते हैं, उनका स्वागत है. 'चपली समझौते' को सत्ता पलट का प्रयास कहा जाये, तो अनुचित नहीं होगा. ओली ने यह ब्रह्मास्त्र चलाया क्यों, उसके पीछे की वजह अविश्वास है. प्रचंड अलग-अलग ठिकानों पर नेपाली कांग्रेस के नेताओं से बात कर रहे थे, यह खबर केपी शर्मा ओली को थी. एमाले के नेता प्रदीप कुमार ज्ञावाली ने बुधवार को कहा, 'पीएम प्रचंड राष्ट्रीय सर्वसम्मति वाली सरकार बनाने के लिए पिछले एक महीने से नेपाली कांग्रेस के नेताओं के साथ बातचीत कर रहे थे, जिससे अविश्वास की स्थिति पैदा हो गई. इसने अंततः हमें नेपाली कांग्रेस के साथ बातचीत शुरू करने के लिए मजबूर किया.' लेकिन केवल यही बात नहीं थी, राजदूतों की नियुक्तियों में भी दोनों नेताओं में तू-तू, मैं-मैं हुई थी.पांच टर्म प्रधानमंत्री रह चुके शेर बहादुर देउबा 26 दिसंबर, 2022 को सत्ता से बाहर हुए थे, उसी दिन केपी शर्मा ओली की पार्टी 'नेकपा-एमाले' की मदद से प्रचंड प्रधानमंत्री बन गए. लेकिन, ओली से पटरी बैठना प्रचंड के लिए भी आसान नहीं था. मंत्रालयों की फाइलें और राजदूतों की नियुक्तियां मतभेद का कारण बनती चली गईं. देश आर्थिक रूप से जर्जर और ज़रूरी वस्तुओं से अभावग्रस्त होने लगा. इंडस्ट्री धड़ाधड़ बंद होने लगी, मगर दोनों नेताओं में अहं का टकराव चरम पर था.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> पिछले सोमवार को जब 'सूर्य अस्त, नेपाल मस्त' था, तब रात सवा बारह बजे काठमांडो के बूढ़ा नीलकंठ स्थित चपली हाइट रिसोर्ट में नेकपा-एमाले (यूएमएल) और नेपाली कांग्रेस ने सत्ता परिवर्तन का समझौता किया था. चपली समझौते में तय हो गया कि बचे हुए टर्म के आधे कालखंड में केपी शर्मा ओली प्रधानमंत्री रहेंगे, और शेष समय शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालेंगे.

दलित राजनीति का संक्रमण काल

• सामयिकी

लाल बहादुर सिंह

दलित समुदाय में आज जबर्दस्त सामाजिक मंथन है. दलित राजनीति आज एक चौराहे पर है और भारी संक्रमण से गुजर रही है. भारतीय समाज के आखिरी पायदान पर खड़े आबादी के लगभग 20% मेहनतकश तबकों की थोड़ी सी करवट का राजनीति के लिए कितना गहरा निहितार्थ है, यह हालिया चुनावों के नतीजों से साफ है. भाजपा अगर बहुमत से दूर रह गई, तो उसमें इकलौता सबसे बड़ा कारक यही है. आज सबसे बड़ी और संगठित दलित पहचान वाली पार्टी बसपा इस चुनाव के बाद अपने ताकतवर अतीत की छाया मात्र रह गई है. जिस बसपा ने आज के महज 12साल पहले तक राजनीतिक दृष्टि से देश के सबसे महत्वपूर्ण राज्य यूपी में अकेले अपने दम पर पूर्ण बहुमत की सरकार चलाई थी, आज उसका देश में कोई सांसद नहीं है और यूपी में उसके इकलौते विधायक को स्वतंत्र अधिक, बसपा का कम माना जाता है.इस चुनाव में बसपा को मात्र 2.04% वोट मिला है और 1997 से चली आ रही राष्ट्रीय पार्टी की उसकी मान्यता अब खत्म होने जा रही है. क्योंकि वह इसके लिए वांछित तीनों अर्हताओं में से कोई पूरा कर पाने की स्थिति में अब नहीं रह गई है, मसलन न तो उसके पास 4 राज्यों में 6%से अधिक वोट और 4 सांसद हैं, न 2% लोकसभा की सीटें 3 राज्यों से हैं, न ही कम से कम 4 राज्यों में वह मान्यता प्राप्त पार्टी है.अब वह बमुश्किल यूपी की राज्यस्तरीय मान्यता प्राप्त पार्टी रह गई है. दरअसल इसके लिए 8% मत की जरूरत होती है और वह हाल में हुए लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में 9.39%मत पाकर बाल-बाल बच गई. इसके पूर्व 2022 के विधानसभा चुनाव में उसे 12.88% मत मिला था.यह वही बसपा है जिसने 2009 में लोकसभा में 21सीटें जीती थीं और उसे राष्ट्रीय स्तर पर 6.17% वोट हासिल हुआ था, 2014 में सीट तो नहीं मिली पर मत 4.19% मिला. मात्र 5साल पहले सपा के साथ गठबंधन में उसे 10 सीटें मिलीं और 3.66% मत मिला. वाया बामसेफ, डीएस 4, बसपा मूलतः दलित अधिकारियों कर्मचारियों तथा युवाओं के संगठन के आधार पर एक सामाजिक सांस्कृतिक आंदोलन के गर्भ से उभरी थी. यद्यपि बहुजन समाज की पार्टी के बतौर इसका गठन सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक दृष्टि से शुरू से ही गहरे अंतर्विरोधों से भरा हुआ था, यह व्यवहारतः एक दलित जनाधार वाली पार्टी के बतौर उभरती गई. क्योंकि 80 के दशक का वह काल खंड दलितों के कांग्रेस से मोहभंग का दौर था और ओबीसी राजनीति में भी एक मंथन और संक्रमण का काल था, बसपा को इन तबकों में अच्छा समर्थन मिला. बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद मुस्लिम समुदाय कांग्रेस से अलग होकर सपा-बसपा के नजदीक आया और दोनों ने मिलकर 1993 में भाजपा को सत्ता से बाहर कर दिया. राजनीतिक दृष्टि से लोगों को लगा कि यह एक स्वाभाविक और स्थाई गठबंधन बन गया है. लेकिन दोनों दलों के नेताओं की महत्वाकांक्षा के टकराव और उधर जमीनी स्तर पर उनके सामाजिक आधार के टकराव ने जल्द ही उनके रिश्तों को दुश्मनी में बदल दिया. उसके बाद कांशीराम ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाने का जो फैसला किया वह दूरगामी दृष्टि से बसपा के लिए और पूरे देश के लिए आत्मघाती साबित हुआ. दरअसल सरकार तो बनती रही, लेकिन ग्रामीण दबंगों की ब्राह्मणवादी हिंदुत्व की पार्टी भाजपा पर निर्भर होने के कारण बसपा की मूल पहचान और छवि का क्षरण होता गया, वह उन ताकतवर हितों और उनकी सोच से टकराने वाले कोई भी दलित बहुजन हितैषी कदम उठाने में असमर्थ हो गई. मायावती ने इसी दौर में भाजपा के दबाव में एससी-एसटी कानून को कमजोर किया और पेरियार की स्टेच्यू लगवाने की अपनी घोषणा से पीछे हट गईं.भाजपा के आगे राजनीतिक विचारधारात्मक तौर पर समर्पण करके उन्होंने अपने जनाधार को वैचारिक रूप से पर भाजपा की वैचारिकी के आगे निरस्त्र कर दिया. उसी दौर में मायावती पोस्ट गोधरा चुनाव में मोदी के पक्ष में प्रचार करने गुजरात गई. इधर संघ भाजपा अपने अनगिनत संगठनों के माध्यम से इनके आधार को कुतरने लगे. बाल्मिकी, सोनकर जैसे शहरी कस्बाई दलितों के कुछ हिस्सों में तो भाजपा का पहले से असर था, अब अन्य हिस्सों में भी भाजपा प्रवेश करती गई. बसपा कोई पुनर्विचार या सुधार करने की बजाय बहुजन से एक कदम आगे सर्वजन के नारे के साथ आ गई और 2007 में ब्राह्मणवादी सामंती दबंग पावर ग्रुप्स की मदद से अकेले ही सत्ता में पहुंच गई. जाहिर है दलित हित में कुछ कर पाने में वह और भी पंगु होती गई.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> वाया बामसेफ, डीएस 4, बसपा मूलतः दलित अधिकारियों कर्मचारियों तथा युवाओं के संगठन के आधार पर एक सामाजिक सांस्कृतिक आंदोलन के गर्भ से उभरी थी. यद्यपि बहुजन समाज की पार्टी के बतौर इसका गठन सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक दृष्टि से शुरू से ही गहरे अंतर्विरोधों से भरा हुआ था, यह व्यवहारतः एक दलित जनाधार वाली पार्टी के बतौर उभरती गई.

मीडिया में अन्यत्र

बदलाव की बयार के बीच ईरान में उदारवाद

ईरान के राष्ट्रपति पद के चुनाव में महिलाओं की नैतिक निगरानी (मोरल पुलिसिंग) का विरोध और पश्चिम के साथ टकराव के बजाय जुड़ाव का आह्वान करने वाले सुधारवादी नेता मसूद पेजेशकियान की जीत से यह पता चलता है कि आर्थिक संकट और सामाजिक तनाव से ग्रस्त यह इस्लामिक गणराज्य अभी भी आश्चर्यचकित कर देने में सक्षम है. कुछ महीने पहले तक, ईरान की कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पर उन तथाकथित 'सिद्धान्तवादियों' (रूढ़िवादियों) का नियंत्रण था, जो सुधारों के विरोधी हैं. पिछले कुछ साल विरोध प्रदर्शन और राज्य के दमन के गवाह भी बने. क्रांति पुरानी पड़ती दिखाई दे रही थी. फिर भी, मई में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में रूढ़िवादी नेता इब्राहिम रईसी की मौत की वजह से जरूरी हुए मतदान में इस इस्लामिक गणराज्य ने एक ऐसे उम्मीदवार को चुना है जो बदलाव का हामी है. पेजेशकियान, जिनका एकमात्र प्रशासनिक अनुभव दो दशक पहले खातमी सरकार में बतौर एक काबीना मंत्री का है, पिछले महीने तक एक अपेक्षाकृत गुमनाम हस्ती थे. जब 'गार्डियन काउंसिल' द्वारा उनकी उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी गई, तो एक के बाद एक चुनावी झटकों से कमजोर पड़ जाने वाला ईरान का सुधारवादी गठबंधन खम ठोककर उनके पीछे लामबंद हो गया. श्री खातमी और उदारवादी मौलवी तथा 2013-21 तक राष्ट्रपति रहे हसन रूहानी ने उनका समर्थन किया. बीते 5 जुलाई को हुए चुनाव में उन्होंने 53.6 फीसदी मत हासिल कर अपने रूढ़िवादी प्रतिद्वंद्वी सईद जलीली को हरा दिया.हाल के वर्षों में, बड़ी तादाद में ईरान के मतदाताओं ने व्यवस्था के विरोध में चुनावों से दूरी बना ली है. राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर में, महज 39.9 फीसदी मतदान ने इस अर्ध-प्रातिनिधिक प्रणाली की वैधता संबंधी संकट के बारे में बहस को हवा दी.

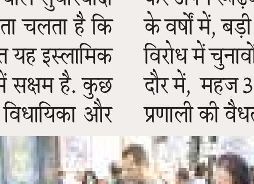

लेकिन एक सुधारवादी जीत की संभावना ने ज्यादा तादाद में मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित कर दिया. लगभग 50 फीसदी मतदान ने पेजेशकियान को रूढ़िवादियों की तमाम एकजुटता के बावजूद जलीली को हराने में मदद की. इसका मतलब यह भी है कि मतदाताओं को उस पेजेशकियान से काफी उम्मीदें हैं, जिन्होंने अतीत में विरोध प्रदर्शन से निपटने के सुरक्षा कर्मियों के तरीकों के खिलाफ आवाज बुलंद की थी. पेजेशकियान 2015 के परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने के लिए पश्चिम के साथ बातचीत के भी समर्थक हैं. इस समझौते को 2018 में वाशिंगटन द्वारा पलीता लगा दिया गया था. यह देखना होगा कि शिया मौलवियों द्वारा नियंत्रित व्यवस्था में वह कितनी दूर तक जा पाते हैं. ईरान के राष्ट्रपति, जो सर्वोच्च निर्वाचित अधिकारी होता है, के पास इस देश के धर्मतंत्र में सीमित शक्तियां हैं.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सफ़र/सिफ़र

जिंदगी का सफर, है ये कैसा सफर, कोई समझा नहीं, कोई जाना नहीं. जिंदगी का सफर यानी शैशव काल से चलकर यौवन काल होते हुए वृद्धावस्था तक पहुंचने के बाद फिर मृत्यु तक की यात्रा. किशोर कुमार के मुख से एक गीत सुना था-जब तक हमने जाना जीवन क्या है, जीवन बीत गया. मतलब यह कि जीवन का सफर ऐसा सफर है, जिसे पूरी तरह जान पाना संभव नहीं है. सफर अपने आपमें इतना रहस्यमय होता है कि उसको समझने में पूरी जिंदगी समाप्त हो जाती है तो भी हम पूरा जान नहीं पाते, लेकिन हम सफर शब्द को तो जानने की कोशिश कर ही सकते हैं. सफर अरबी भाषा मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है यात्रा, रवानगी, कूच, प्रस्थान, यात्रा के समय तय की हुई दूरी, हिजरी सन का दूसरा महीना, रास्ते में चलना, रवाना होना, बाहर जाना, एक शहर से दूसरे शहर या एक मुल्क से दूसरे मुल्क जाना, एक जगह से दूसरी जगह जाना, प्रस्थान, पर्यटन, गमन, निरंतर संघर्ष, इच्छित की खोज का निरंतर शौक़. गुलजार कहते हैं-ज़िंदगी यूं हुई बसर तन्हा, क़ाफ़िला साथ और सफ़र तन्हा. सफ़र जैसा ही लगनेवाला शब्द है सिफ़र, लेकिन अर्थ के मामले में यह सफर शब्द से बिल्कुल अलग है. समानता अगर है तो यही कि यह भी सफ़र की तरह ही अरबी मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका सामान्य तौर पर मतलब है गिनती में वह संख्या जिसके बाद 1, 2, 3 आदि संख्याएं आती हैं. इसे शून्य या जीरो के रूप में हर कोई परिचित है. सिफ़र विशेषण के रूप में भी प्रयोग में आता है. तब इसका मतलब होता है जिसमें कुछ भरा न हो, खाली, रिक्त, अयोग्य, निकम्मा. सिफर को वाक्यों में इस प्रकार देखा जा सकता है-यह आदमी बिल्कुल सिफ़र है. मेहनत तो बहुत की थी, लेकिन नतीजा सिफ़र निकला. कुएं के पास से आ रहे हो, फिर भी तुम्हारी बाल्टी सिफ़र है?

स्वीकार कीजिए मेरी शादी का यह कार्ड

• तीर-तुक्का

विनय भारत

शादियों का दौर अभी चल रहा है. इसी चलते दौर में हमने भी शादी करने का विचार किया. इस विचार के चलते कन्या की तलाश शुरू हुई वैसे मुझसे तो कोई शादी नहीं करती, लेकिन एक सुन्दर कन्या राजी हो गई. वैसे तो शादी करके आप सभी पछता रहे होंगे, पर मुझे पता है कि आप मुझे नहीं रोकेंगे, क्योंकि मेरी शादी का कार्ड हाथ में आते ही आप सर्वप्रथम प्रतिभोज की दिनांक और समय देखेंगे कि भोजन के लिए कहां और कब जाना हैं. समय का तो मेरा भारत इतना पाबन्द है कि चाहे कितनी ही अर्जेन्ट मीटिंग हो लेट पहुंचेंगे. लेकिन जहां खाने की बात आयी वहां समय से पहले पहुंचकर व्यवस्था बिगाडेंगे. भोजन खाते तो आप कम हैं और बिगाड़ते ज्यादा हैं, उल्टा सीधा एक साथ ठूंसकर पेट खराब करते हो. फिर सीधा डॉक्टर के पास जाते हो, हमारा माल भी खराब हो और आपका पैसा भी खराब हो. यह सब देखते हुए मैंने प्रीतिभोज का कार्यक्रम ही लिस्ट से हटा दिया है. मेरे देश के भूखों, चिन्ता मत करों, भोजन तो होगा लेकिन कुछ हट के. बुफे तो होगा, लेकिन बुफे में केवल पूरियां और दाल होगी. साथ में नमक होगा. पानी पीकर आयें, क्योंकि मैं मुख्यमंत्रीजी के नारे पर अमल कर रहा हूं पानी बचाओ. कॉफी, चाय का इंतजाम नहीं हैं क्योंकि मैं आपके फेफड़ों का हितैषी हूं. मिठाई में लड्डू होंगे, वो भी केवल मोतीचूर के, क्योंकि मेरी शादी में गणेशजी देव गणों के साथ सपरिवार आ रहे हैं और गणेशजी को मोदक पसंद हैं. यदि मोदक नहीं रखा तो गणेशजी के नाराज होने पर मेरी शादी रुक सकती है. इसलिए शेष मिठाइयां न रखना मेरी मजबूरी है. जैक-चैक से होने वाली इस शादी को मैं तोडना नहीं चाहता. मेरी शादी में केवल एकबार प्रीतिभोज होगा और वह भी तब, जब मेरे सातों फेरे हो जायेंगे. मैं भूखा-प्यासा बैठकर फेरे लूं और आप सभी खा-पीकर. क्षमा करें पीकर तो आप घर से ही आयेंगे, मेरे लिए भी एक बिसलेरी की बोतल लेते आना. घर बैठे और गर्मी हो या सर्दी मैं ही मरूं. इसलिए फेरों के बाद सभी साथ में प्रीतिभोज करेंगे. कोई भी भोजन खाये बिना न जाये. सभी मेरी शादी में आने से पहले 151 रुपये पुत्रदान की राशि लेकर आयें, क्योंकि दहेज कम आ रहा है. आप मुंह दिखाई की राशि में टीवी, फ्रिज, डबलबेड, वाशिंग मशीन आदि बड़े-बड़े आईटम दें, शेष सामान बेटी वाले दे रहे हैं. बारात में सभी को चलना हैं, अपनी-अपनी गाडी करके लायें, क्योंकि मैं भी किसी जीप से लटक कर जा रहा हूं. मेरे भरोसे न रहें. शेष कार्यक्रम निम्न हैः-महिला संगीत- बिना डीजे के होगा. मुझे ध्वनि प्रदूषण पसंद नहीं. चाक- चाक का कार्यक्रम सभी अपने-अपने घर पर करें. आपका प्यारा विवाहार्थी- बल्लू बजेला और मेरी दुल्हन, चम्पा चमेली. प्रार्थी व अभिलाषी-जीजा-जीजी एवं समस्त बदनाम देशभक्त परिवार. कल्ली कार्टून-सल्लू सीलेली. चाचा-चाची, ताऊ-ताई, पप्पू कटेला-गप्पी बदनाम, गंजा घनचक्कर-बुढिया दीवानी.

आखर

कहानी

छूटना

माला कुमारी

शैलजा का घर बिक रहा था. वही घर जहां वह वर्षों पहले देवेश के साथ परिणय-सूत्र में बंधकर आई थी. नादान, अल्हड़ किशोरी, घर-गृहस्थी की बातों से अनजान, चंचल बाला बड़े अरमानों और सपनों को संजोए उस घर में आई थी. पति इंजीनियरिंग कॉलेज में व्याख्याता थे. उन्होंने शहर में एक पुराना मकान खरीद लिया था जहां वे शैलजा को ब्याह कर लाए थे.

गांव में उनका विशाल पैतृक घर और एक वृहत संयुक्त परिवार था. कुछ दिनों के लिए उन्होंने माताजी को नई बहू के साथ रहने को बुला लिया था. पति के भरपूर प्यार और सासुमां के वात्सल्यपूर्ण सान्निध्य में शैलजा के दिन सुखपूर्वक गुजरने लगे.

देवेश की अच्छी-खासी मित्र-मंडली थी. मित्रों का अक्सर घर में आना-जाना होता था. उनकी पत्नियों से हेल-मेल के बाद शैलजा ने खाना पकाने और घर-गृहस्थी के गुर सीख लिए थे. शादी के साल बीतते ही शैलजा ने एक पुत्री और उसके दो वर्ष बाद एक पुत्र को जन्म दिया. उस घर में बच्चों की किलकारियां, चपल क्रीड़ाएं, उनका धीरे-धीरे बड़ा होना, संगी-साथियों के साथ खेलना-कूदना, लड़ना-झगड़ना, पढ़ना-लिखना, पास-पड़ोस के साथ उनके आत्मीय संबंध इत्यादि शैलजा के मन के परदे पर चित्रपट की भांति आज भी दृश्यमान होते रहते हैं. आगे चलकर बेटी निमिषा डॉक्टर बनी और बेटा निखिल इंजीनियर बन गया. उसी घर से दोनों की शादी धूमधाम से रचाई और आज दोनों अपने परिवार के साथ खुश हैं. बेटा-बहू दिल्ली में इंजीनियर हैं और बेटी अमेरिका में अपने पति के साथ डॉक्टरी की प्रैक्टिस कर रही है.

शैलजा को सुखद आश्चर्य होता है कि कैसे इस घर में इतना लम्बा समय गुजर गया! जिस घर में वह नव परिणीता दुल्हन बनकर आई थी, आज वहीं विवाह की पचासवीं वर्षगांठ मना रही है. इस घर में उसने एक भरपूर जिन्दगी जी है. बच्चों के लालन-पालन, उनकी शिक्षा-दीक्षा और घर की अभिवृद्धि हेतु उसने कठोर संघर्ष और परिश्रम किया है. आज एक छोटा-सा घर महल में तब्दील हो गया है. घर के सामने रंग-बिरंगे फूलों से सजी वाटिका और पीछे एक सुन्दर -सा किचेन गार्डेन है जिसमें आम, कटहल और सहजन के वृक्ष भी हैं. घर के फाटक के दोनों ओर दो-दो नारियल के पेड़ हैं और वे इतने फलते हैं कि शैलजा छठ पर्व में व्रतियों को खूब नारियल बांटती है.

देवेश ज्यादातर बाहर का काम, कॉलेज में अध्यापन और ट्यूशन में व्यस्त रहते थे पर उसने अपनी ऊर्जा, कला-कौशल और दक्षता से इस घर को भव्य और पावन बना दिया है.

आज भी वह उस पल को याद करके आत्मविभोर हो जाती है जब सबसे पहले उसके शयन-कक्ष का लाल फर्श सफेद बॉर्डर के साथ बना था. वह खुशी से चहक रही थी. बार-बार उस कमरे के फर्श को देखती और निहाल हो जाती थी. धीरे-धीरे सीढ़ियां बनीं, फिर छत और उसके बाद खाली जमीन पर भी निर्माण कार्य और कुछ वर्षों बाद एक नया आलीशान बंगला बनकर तैयार था. शैलजा खुद को बहुत भाग्यशाली मानती थी कि उसके घर के आगे कुछ ही दूर पर, चढ़ाई वाली सड़क के अंतिम छोर पर गंगा घाट था और उसके ठीक पहले शहर का सुविख्यात महिला कॉलेज और घर के बगल की सड़क से सटे एक पुराना शिव मंदिर था. मंदिर, गर्ल्स कॉलेज और गंगाघाट लेन की वजह से उसके घर के मार्ग पर हमेशा गहमागहमी बनी रहती थी.

बाल अरुण के उदय होते ही शैलजा की छत के टैरेस पर स्वर्णाभा फैल जाती थी और मंदिर के शंख और घंटा ध्वनि से वातावरण गुंजायमान हो जाता था. वह नित्य प्रातः अपने टैरेस पर से ही सूर्य को अर्घ्य देती और मंदिर के देवी-देवताओं को नमन करती. फिर नीचे उतरकर गृह मंदिर में पूजा करती और तुलसी जी को जल चढ़ाती.

उसके पति देवेश बहुत मस्तमौला स्वभाव के थे. तड़के ही मित्रों की पुकार सुनकर उठ जाते और मिल्केन हाथ में लिए दूध लाने चल पड़ते थे. सुबह-सुबह गाय दुहवाकर शुद्ध दूध लाते और स्वयं चाय बनाकर पत्नी के साथ पीते. उसके बाद मित्रों के साथ प्रातःभ्रमण और फिर किन्हीं मित्र के घर बैठकर परिवार, राजनीति एवं अन्य समसामयिक विषयों पर चर्चा करते. गप्पें हांकना, हो-हल्ला, हंसी-ठिठोली करना,चाय की चुस्कियों और पान की गिलौरी के साथ मित्रों के संग वक्त बिताना--देवेश की दिनचर्या में शुमार था; किन्तु वे समय के पाबन्द और अपने काम में पक्के थे. उनकी सफलता का रहस्य उनकी कर्मठता और अनुशासित जीवन में निहित था.

सुबह गृहकार्य से फुर्सत न मिलने के कारण शैलजा पार्क में सखियों के साथ संध्या भ्रमण करती थी. शैलजा का ज्यादातर समय टैरेस पर ही बीतता था. उसने टैरेस का कुछ भाग खुला छोड़कर बाकी में कांच की बड़ी-बड़ी खिड़कियां लगाकर बैठक का रूप दे दिया था. वहीं बैठकर वह अखबार और पत्र-पत्रिकाएं पढ़ती, हारमोनियम बजाती, सुबह-शाम की चाय और नाश्ता वगैरह, यहां तक कि रसोई के अनेक काम भी वहां बैठकर निबटाती. रंग-बिरंगे आधुनिक परिधानों में सजी कॉलेज जाती हुई छात्राओं को देखना उसे बड़ा अच्छा लगता था. छात्राएं सामने की मनिहारी दुकान पर साज-श्रृंगार की चीजें खरीदतीं. उनका तेज स्वर में आपसी वार्तालाप, शोखी भरी हरकतें, कुछ लड़कियों की बॉयफ्रैंड के साथ शरारत भरी नोक-झोंक आदि दृश्य देखकर वह आनंदित होती थी.

भोर होते ही उसके घर के बगल के मंदिर में फुलडलिया, लोटकी, धूप-दीप आदि लेकर जाती स्त्रियां, बच्चे-बच्चियां उसका मन मोह लेती थीं. कार्तिक पूर्णिमा, मकर संक्रांति आदि के पावन अवसर पर वहां गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता था. छठ पर्व के अवसर पर तो सप्ताह भर उस मार्ग पर पूजोत्सव का भक्तिमय माहौल बना रहता था. ऐसे सुरम्य वातावरण को छोड़कर शैलजा का कहीं अन्यत्र जाने का दिल नहीं करता था. यद्यपि बीच-बीच में वह छुट्टियों में अपने बच्चों के पास जाती थी पर शीघ्र ही उसे उकताहट होने लगती थी. वह जल्दी ही अपने बसेरे में लौट आती थी. इससे देवेश और बच्चों को काफी क्षोभ और खीझ होती थी.

कुछ समय से देवेश की तबीयत खराब रहने लगी थी. इस बारे में जानकर निखिल और निमिषा इस घर को छोड़कर मां-पिताजी के दिल्ली शिफ्ट होने की बात करने लगे थे पर शैलजा इसका कड़ा विरोध करती थी. निखिल कहता— "समय के साथ सोच बदलनी चाहिए मां! छोटे शहर से निकलकर बड़े शहर में आओ. यहां क्या रखा है? न अच्छे डाक्टर्स हैं और न किसी तरह की आधुनिक सुविधा. हमारे बच्चों को भी दादा-दादी की जरूरत है. फिर इस ढलती उम्र में तुमलोग बीमार हुए तो हमलोग नहीं आ सकेंगे. फिर कौन तुमलोगों की देखभाल करेगा? निमिषा को भी दिल्ली आने में कोई दिक्कत नहीं पर यहां आना मुश्किल है. पिताजी ने तो अपना मन बना लिया, फिर तुम क्यों नाहक ज़िद पर अड़ी हो?"

ऐसी बातें सुनकर शैलजा को अजीब -सी छटपटाहट होती. करुण स्वर में वह कहती –"यहां छोड़कर मेरा मन कहीं नहीं लगता बेटा.यहां मेरा व्यवस्थित जीवन है, नियमित दिनचर्या है जिसकी मुझे आदत हो गई है."

निखिल कड़े स्वर में कहता- "कैसी बातें करती हो मां! यहां के अस्वच्छ वातावरण, लोगों की दकियानूसी सोच से बाहर निकलो. हमारी सोसायटी में विभिन्न प्रांतों, धर्मों के उत्सव, त्योहार मनाए जाते हैं. इनमें सम्मिलित होकर तुम अपूर्व आनंद का अनुभव करोगी. धीरे-धीरे वहां तुम्हारा मन रम जाएगा"

देवेश भी शैलजा को समझाते-"अब भला किसके सहारे यहां रहूं? मेरे सारे दोस्त स्वर्ग सिधार चुके हैं. अब पुकारने वाला कोई मित्र नहीं, सुबह उठकर अगल-बगल, आमने-सामने जिनके मुस्कुराते चेहरे देखकर दिन की शुरूआत होती थी, अब कोई न रहा. अब बातें करने या मिलने-जुलने वाले कोई आत्मीय रिश्तेदार भी नहीं, सबके बच्चे बाहर चले गए हैं. अकेलेपन की पीड़ा और अवसाद ने मुझे कुंठित कर दिया है."

ये बातें सुनकर भी शैलजा टस से मस न हुई. यह घर उसके लिए सिर्फ आश्रय-स्थल नहीं था, यहां उसने अपने सपनों का संसार बसाया था. यहां उसके सपने साकार हुए थे, उसकी कल्पनाओं को मूर्त्त रूप मिला था. उसका अस्तित्व इस घर में इस कदर समाहित हो गया था जैसे पानी में रंग घुल-मिल गया हो. उसका रोम-रोम रच-बस गया था इसकी पावन मिट्टी में.

वह घर न बेचने की गुहार लगाती रही पर पति और बेटे ने एक न सुनी. सारा सौदा तय हो गया. सामान पैक करवाकर दिल्ली भेजे जाने लगे. शैलजा के तन-मन में न कोई खुशी थी,न स्फूर्ति. वह यंत्रवत काम कर रही थी. उसके हाथों से सजाया हुआ आशियाना वीरान हो गया. विदाई की बेला आ गई. देवेश के कहने पर शैलजा ने घर की चाभी क्रेता के हवाले की. उसकी आंखें छलछला उठीं. ऐसा लगा किसी ने उसके प्राण खींच लिए हों. वह मौन, निस्पन्द बैठी रही. तभी देवेश ने शैलजा से कहा—"गाड़ी आ गई है, एक बार पूरे घर को देख लो,चेक कर लो,कहीं कुछ जरूरी चीज न छूट जाए." फिर वह हाथ में बैग उठाए नीचे उतरकर गाड़ी में बैठ गए.

गाड़ी बार-बार हार्न बजा रही थी. देवेश चिल्ला रहे थे-"क्या हुआ शैल? अब क्या छूट गया?" शैलजा ने मंदिर में स्थित देवी-देवताओं को प्रणाम किया और फिर तुलसी चौरा को दोनों हाथों से थामकर, हृदय से लगाकर नमन किया.

आंखों में उमड़े आंसुओं को रोककर फिर वह गेट के बाहर आई और चुपचाप गाड़ी में बैठ गई. अंतिम बार उसने अपने घर की ओर दृष्टि डाली. मन-प्राण,आत्मा-सबकुछ तो यहीं छूट गया था. वह बेजान जिस्म, बुत बनी बैठी थी. शैलजा की मनःस्थिति को भांप कर देवेश भी चुप हो गए थे.

गाड़ी चल पड़ी--एक नए परिवर्तन की डगर पर.

गंगाघाट, कॉलेज, शिव मंदिर, पीर बाबा की मजार, योग-संस्थान, सुरसागर संगीत केंद्र उसके चिर-परिचित सभी स्थान पीछे छूट गए. शहर से आगे गाड़ी ने रफ्तार पकड़ ली और अब पक्की, चिकनी सड़क पर सरपट दौड़ने लगी.

विमर्श

नागरी की वर्तनी में यह घुसपैठ रोकिए

डॉ बुद्धिनाथ मिश्र

इसे देवनागरी लिपि की ताकत ही कहिए कि जिन नामी-गरामी शायरों की उर्दू में छपी किताबें कुछ सौ भी नहीं बिक पाती थीं, उनका लिप्यंतरण कर हिन्दी में उतार देने से हजारों प्रतियां हाथोंहाथ बिक जाने लगीं. यहां तक कि वे शायर हिन्दी के बेस्टसेलर माने जाने लगे. हिन्दी के कवि मुंह ताकते रह गए. उसका बड़ा कारण यह है कि हिन्दी के रसूखदार वामपंथी प्रोफेसरों ने समकालीन हिंदी कविता का सर तन से जुदा कर इस लायक भी नहीं रखा कि उसको कोई खरीदकर पढ़े. हिंदी कविता की मुख्यधारा वहीं रुकी पड़ी है, जहां दिनकर की पीढ़ी ने छोड़ी थी. नवगीतकारों ने एक नहर बनाने का प्रयास अवश्य किया, लेकिन उसे इकोसिस्टम का पूरा सहयोग नहीं मिल सका. इसकी तुलना में उर्दूदां काव्य प्रेमियों ने अपनी परंपरागत काव्य-विधा का योजनाबद्ध प्रचार कर उसे हिन्दी के गांव-घर तक पहुंचा दिया. राजभाषा के झंडाबरदार छंद -मुक्त कविता की झरबेरी फेंककर गजल के रसीले खजूर खाने लगे. यहां तक तो ठीक था, लेकिन लिप्यंतरण की बाढ़ में बहुत से खर-पतवार भी आ गए, जिससे नागरी लिपि प्रदूषित होने लगी, जो हमारी चिंता बढ़ा रही है. उदाहरण के लिए केवल शेर यथावत प्रस्तुत है-

तुझसे मिलते ही वो कुछ
बेबाक हो जाना मिरा
औ' तिरा दांतों में वो
उंगली दबाना याद है.

इसमें यह मिरा और तिरा क्या है? इन्हें क्रमशः मेरा और तेरा आसानी से लिखा जा सकता था. 'ए' को एक मात्रात्मक मानने का गुर हमें गोस्वामी तुलसीदास जी बहुत पहले सिखा गये हैं- 'एहि सन हठ करि हौं पहिचानी' में भी तो ए लघु-मात्रिक ही है. कहां किसी को परेशानी हुई? फिर अचानक यह मिरा-तिरा क्यों होने लगा? इसके पीछे भी कोई सुनियोजित साजिश तो नहीं!

कहावत है कि बुढ़िया के मरने से उतना डर नहीं, जितना यम के परचने का डर है. वह हो भी रहा है. हिंदी के सैकड़ो जांबाज नवयुवक जिस तरह गजल लिखने और उसमें मिरा -तिरा करने लगे हैं, उसे देखकर आशंका होना स्वाभाविक है. यह देव मंदिरों में साईं बाबा की मूर्ति की प्रतिष्ठा की भांति अनर्गल और अनर्थकारी है. पहले हिन्दी के प्रकाशक पांडुलिपियों को तराशने के लिए सुयोग्य संपादक रखते थे. आज उनका अदर्शनं लोपः हो गया है. ऐसे में बाढ़ के साथ आयी खर-पतवारों से भाषा की सुरसरि को कैसे बचाया जाए, यह विचारणीय है. सुतरां, देवनागरी की वर्तनी में यह घुसपैठ हर हाल में रोकिए.

लघुकथा

रिटायरमेंट

सारिका भूषण

चौधरी परिवार आज बहुत खुश था. घर में पार्टी हो रही थी. सारे दोस्त और रिश्तेदार आज की पार्टी में मौजूद थे, जो अक्सर घर आने में बहाने बनाया करते थे. पर्व-त्योहार में भी परिवार के छोटे सदस्य नहीं आ सकने का कोई-न-कोई बहाना खोज ही लेते थे. रामाकान्त चौधरी परिवार में सबसे बड़े थे, इसीलिए चाहते थे कि सभी लोग उनसे मिलने उनके घर आया करे.

आखिर पीडब्ल्यूडी से चीफ इंजीनियर के पद से रिटायर हुए कड़क व्यक्तित्व के स्वामी थे. पर जब तक नौकरी में थे तब तक लोग आ भी जाते थे पर अब उनके घर पर वो पहले वाली रौनक जो कम हो गई थी. इसमें उनके इकलौते सपूत का भी हाथ था.

चौधरी साहब ने अपने बेटे को इंजीनियरिंग पढ़ाने की लाख कोशिश की पर वह न माना. शुरू से ही मेधावी रहा आनंद अपनी मर्ज़ी से आर्ट्स लेकर पढ़ाई की और एक छोटे से प्राइवेट कॉलेज में लेक्चरर पद पर नियुक्त हुआ. रमाकान्त जी को बेटे के इंजीनियर नहीं बनने का बेहद दुःख था. उन्हें क्या परिवार में जिसे जब मौक़ा मिलता कुछ-न-कुछ सुना ही देता था. जब दूसरे अपने बच्चों के बड़े-बड़े मल्टीनेश्नल में नौकरी की बात करते तब रमाकान्त जी का दिल जलने लगता. मगर उनके बेटे पर किसी प्रकार की ग्लानि नहीं दिखती थी. वह सबकी अनसुनी करके सिर्फ पढ़ने-पढ़ाने में लगा रहता.

"पता नहीं इसके दिमाग में क्या चलते रहता है. जाने किस मिट्टी का बना है यह?"

चौधरी साहब कभी-कभी झुंझलाकर बोल ही देते थे. मगर आज उनकी छाती चौड़ी हो गई थी.

पूरे राज्य में उनका बेटा आईएएस की परीक्षा में टॉप किया था. आज सही मायने में वह उसकी सादगी, पढ़ाई और काबिलियत को समझ पा रहे थे. बहुत दिनों बाद पिता को इतना खुश देखकर आनंद ख़ुद को सौभाग्यशाली पुत्र मान रहा था.

" भरे-पूरे घर और इतने रिश्तेदारों के बीच पापा कितने खुश हैं न! अब कम-से-कम मेरे रिटायर होने तक इस घर में यह रौनक तो बनी रहेगी." आनंद ने पद और परिवार के रिश्ते से जुड़ी कड़वी सच्चाई को समझते हुए धीरे से अपनी पत्नी को कहा. दोनों मुस्कुरा दिए.

व्यंग्य ›› बर्बरीक

तमाशा मेरे आगे

बड़ी खुशी की बात है कि हमारा देश तमाशों का देश है और हम परले दर्जे के तमाशबीन. किसिम किसिम के तमाशे रोज होते रहते हैं और हम बिलकुल नहीं थकते. अभी अभी लोकतंत्र को मज़बूती देने वाला तमाशा खत्म हुआ नहीं कि कुछ और तमाशा शुरू.

बड़े तमाशे के दौरान हमने तमाशेबाज़ राजा के तमाशे देखे. एक-एक दिन में चार-चार जगह हेलीकॉप्टर उड़ने और चुनावी भाषण के तमाशे देखे. भाषा बिगड़ने-सुधरने के तमाशे देखे. एक एक दिन में चार-पांच कपड़े बदलने के तमाशे देखे और सोचते रहे कि कब कपड़े बदले गए और बाल-दाढ़ी संवारी गई. सबकुछ चकाचक किया गया. तमाशे में कोई कमी नहीं पाई गई. पंजों के बल खड़े होकर रिजल्ट का तमाशा देखा चुनावों का. यह भी देखा कि जीतने वाले जीत कर भी हारे हुए लग रहे थे और हारने वाले हारकर भी जीता हुआ महसूस कर रहे थे. यह भी एक अभूतपूर्व तमाशा हुआ.

एक तमाशा राम जी ने भी दिखाया कि जहां उनको लाया गया था वही लाने वाले हार गए. इससे यह भी साबित हुआ कि राम जी को ओवरकॉन्फिडेन्स वाले तमाशे पसंद नहीं. तमाशेबाज़ राजा ने जिस चार सौ पार करने के तमाशे का दावा किया था जनता जनार्दन ने उस दावे की हवा निकाल कर मैसेज दे दिया कि ज़्यादा ऊंचा उड़नेवाले तमाशे दिखाने की ज़रूरत नहीं है.

सबसे बड़ी पंचायत में भी तमाशा जारी रही. कोई भोले बाबा की तस्वीर लेकर दिखलाता रहा तो कोई बालसुलभ अदा बताकर तमाशे को फुस्स करने की कोशिश करता रहा. इस बीच एक और बड़ा तमाशा सामने आ गया जब हम विश्व विजेता बन गए. अरे सचमुच के नहीं, क्रिकेट में. बस फिर क्या था! हम ढाक ढोल पटाखे लेकर सड़कों पर आ गए. लगा जैसे देश की सारी समस्याओं पर काबू पा लिया गया. लोग खुशहाल हो गए. हमारा तमाशेबाज़ मन नाचने कूदने लगा और हमने खिलाड़ियों का जुलूस ही निकाल दिया. खुशी में बिहार में पुल नदियों में कूदने लगे. एयरपोर्ट की छतें नाच नाच कर गिरने लगी. बाज़ार ऐसे तमाशे बहुत पसंद करता है और हमलोग भी. तभी तो मायानगरी की सड़कों पर हजारों लोग खेल और बाज़ार दोनों को सेलीब्रेट करने निकल पड़े.

अभी यह सब तमाशे चल ही रहे थे कि एक तथाकथित बाबा ने तमाशा कर दिया. लाखों लोग जो बाबा का तमाशा देखने जमा हुए थे उनके बीच ही भगदड मचवा दी. दुखद था लेकिन कभी-कभी तमाशा घुसकर देखने की सज़ा भी भुगतनी पड़ती है. लेकिन अब तो आपको भी अंदाजा हो ही गया होगा कि हम तमाशबीन क़ौम हैं जो एक्सीडेंट होने पर भी घायल पर ध्यान बाद में देते हैं पहले रील बनाते हैं.

तमाशा हमारी नियति भी है नीयत भी. हमलोगों के बारे में ही चचा ग़ालिब कह गए- बाज़ीचाए अतफाल है दुनिया मिरे आगे/होता है शबोरोज़ तमाशा मिरे आगे.

कविता/ग़ज़ल

विनोद कुमार राज विद्रोही

कभी देखा है

क्या तुमने कभी देखा है
फूस की झोपड़ी में
जगह-जगह चूते बरसात का पानी,
घर के तमाम बर्तनों से
पानी छांदने की जद्दोजहद,
आंसू और पानी को
एक साथ मिलते हुए
एकाकार होते हुए.

क्या तुमने कभी महसूसा है
भूखे गर्भाशय का दर्द
मां की अंतड़ियां जब मरोड़ती है भूख से,
तब पेट में पल रहा अविकसित नवजात शिशु
किस तरह छटपटाता है
किस तरह पांव मारता है पेट में
मां की वेदना जब आंसू बनकर
टपकती है जहां-तहां जमीन पर
एक अमूर्त आकृति बनती है.

क्या तुमने कभी देखा है
नमक और सरसो तेल के साथ
बासी रोटी खाते किसी मजदूर को
मड़ुआ का 'घोटरउंवां' रोटी खाते
किसी रोपनी को
गोंदली के भात से पेट भरते किसी किसान को?

तो आओ
तुम्हें लेकर चलता हूं मैं
उन गलियों में
उन खेतों में
दक्षिण टोलों में.

वीना श्रीवास्तव

गमलों के सोवनियर

पर्वतों के पीछे से आज फिर रिस रहा है लहू
शायद फिर हो रहा है कोई हलाल
काटा जा रहा है किसी का शीश
अभी तो रेता जा रहा होगा उसका गला
फिर, किए जाएंगे अलग उसके हाथ, धड़ और पैर
फिर उखाड़ दिया जाएगा समूल
वो नहीं बन पाएंगे इतिहास
नहीं पनपेगी उनकी वंश बेल
दुनिया के नक़्शे से ग़ायब हो जाएंगे
आदिमजातियों के आदिम घर
विरासत में मिले हरियालापन को
हमने कर दिया धूसर
उन्होंने हमें दिया भोजन और सांसें
और हमने स्वाह कर दिया उनका जीवन
शायद तभी गढ़ी गई
होम करते हाथ जलने की परिभाषा
न, न, परिभाषा तो हमने अपने लिए गढ़ी
दरअसल, केवल उनके हाथ ही नहीं जले
वो पूरे जल गए, पूरे कट गए, पूरे मिट गए
जब खंडहर ही नहीं होंगे तो कोई कैसे जानेगा
कि इमारत कितनी बुलंद थी
वो भी हो जाएँगे ऐसे ग़ायब
जैसे ग़ायब हो रहे हैं
आदिवासी और उनके ठिकाने

सभ्यताओं के इतिहास में हमारी तरह
वो भी हो जाएंगे ज़मींदोज़
आजकल ज़ोरों पर हो रहा है गिरि संहार
पुराने घरों को किया जा रहा है समूल नष्ट
बनाए जा रहे हैं कंकरीट के महल
और महलों में तैयार हो रहे हैं
गमलों के सोवनियर.

डा. राजश्री जयंती

लौट आना

पहचान अपनी हुनर का बनाने हमें आता है
हमसफ़र बन जाओ तो अच्छा वरना
अकेले सफर काटने का हुनर हमें आता है.
तुम्हारे हाथों की लकीरों में हम ही तो हैं
अनपढ़ न समझना हमें
लकीरें पढ़ने का हुनर हमें आता है.
क्या हुआ अगर इश्क की आग बुझ सी रही
हौले-हौले हवा देने का हुनर हमें आता है.
ज़ख्मों से भरा है दिल तो क्या हुआ
ज़ख्मों पर मरहम लगाकर फूंकने का हुनर हमें आता है.
तुम्हारे बगैर भी जीने की आदत सी हो रही थी
इस तरह भी जीने का हुनर हमें आता है.
क्या कहा तुमने लौटकर नहीं आओगे,
लौटना तो था ही तुम्हें बुलाने का हुनर हमें आता है.

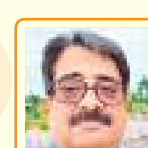

प्रवीण परिमल

बूढ़ा रिक्शावाला जब मुस्कुराता है

बूढ़ा रिक्शावाला जब मुस्कुराता है
आदमी, भीतर तक चनक जाता है
यदि उसकी मुस्कुराहट का अर्थ समझ ले!

उसकी मुस्कुराहट का सही अर्थ समझना
ठीक वैसा ही दुष्कर है
जैसा कि 'मोनालिसा' को समझ पाना.

हवा में तीर मारने जैसा
आसान नहीं है, यह.

चक्र पर नाचती हुई
मछली की आंख है
उसकी मुस्कुराहट,
जिसे अर्जुन जैसा कुशल धनुर्धर ही
बेध सकता है!

तवायफों या मंत्रियों की तरह
उसकी मुस्कुराहट के 'प्रकार' नहीं होते!

बस,
एक ही अंदाज में
मुस्कुराता है वह
सदा, सर्वदा.

चाहे यात्रियों की गालियां हों
या ऑटोचालकों की फटकारें,
ट्रैफिक पुलिस के डंडे हों
या बिगड़ैल विद्यार्थियों के तमाचे!

अपनी फटी - चीकटदार चादर की तरह
वह ओढ़ता नहीं किसी भी बात को!

ललाट पर चुहचुहाते
पसीने की बूंदों की तरह
पोंछकर झटक देता है वह
भीतर के आक्रोश को
एक ख़ास और स्थायी अंदाज़ में!

बस, यही वह घड़ी होती है
जब वह
महज एक रिक्शाचालक भर
नहीं रह जाता, बल्कि
एक कुशल कलाकार दिखने लगता है,
जिसकी मुस्कुराहट देख
आदमी भीतर तक
चनक जाता है!

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पत्नी के साथ स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह.

वानखेड़े में विराट कोहली ने कहा था - बुमराह जैसा खिलाड़ी कई पीढ़ियों में एक बार जन्म लेता है

पिछले कुछ दिनों से सपनों में जी रहा हूं : जसप्रीत बुमराह

- अहमदाबाद पहुंचने पर फूलों से किया गया स्वागत

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय खिलाड़ियों के टी20 विश्व कप का चैंपियन बनने के बाद स्वदेश में मिले शानदार स्वागत के लिए आभार व्यक्त करने की कड़ी में गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने कहा कि वह पिछले कुछ दिनों से सपनों में जी रहे हैं. इस 30 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अमेरिका और वेस्टइंडीज की संयुक्त मेजबानी में खेले गए टूर्नामेंट में 15 विकेट लिए. बुमराह ने टी20 विश्व कप में भारत की 17 साल बाद खिताबी जीत में अहम भूमिका निभायी. उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया. बुमराह ने

एक्स पर पोस्ट किया, मैं पिछले कुछ दिनों से बहुत आभारी हूं. मैं सपनों में जी रहा हूं और इसने मुझे खुशी और कृतज्ञता से भर दिया है. इस तेज गेंदबाज ने इसके साथ एक वीडियो भी पोस्ट किया है, जिसमें स्वदेश लौटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नाश्ते और मुंबई में लाखों प्रशंसकों के

साथ विजय परेड के अंश शामिल हैं. 42 सेकंड की इस क्लिप में गुरुवार को परेड के बाद सम्मान समारोह के दौरान विराट कोहली के भाषण का ऑडियो भी शामिल है, जिसमें वह बुमराह के योगदान की प्रशंसा कर रहे हैं. बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में हार्दिक पांड्या के साथ मिलकर भारत को शानदार वापसी दिलायी थी. दक्षिण अफ्रीका को एक समय 30 गेंद पर 30 रन चाहिए थे लेकिन इन दोनों ने मिलकर उसकी बल्लेबाजी को थर्रा दिया और भारत सात रन से जीत दर्ज करने में सफल रहा. कोहली ने वानखेड़े स्टेडियम में सम्मान समारोह के दौरान कहा था कि बुमराह जैसा खिलाड़ी कई पीढ़ियों में एक बार जन्म लेता है. इसके बाद स्टेडियम में बुमराह के नाम की गूंज सुनाई देने लगी. विश्व कप के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कोहली ने कहा था, मैं चाहता हूं कि सभी उस खिलाड़ी की प्रशंसा करें जिसने हमेशा हमें बार-बार वापसी दिलायी है. यह अद्भुत प्रदर्शन था. मुझे खुशी है कि वह हमारे लिए खेलता है. बुमराह का हाल में अहमदाबाद अपने घर पहुंचने पर फूलों से स्वागत किया गया था.

ब्रीफ खबरें

अश्विन ने ग्लोबल चेस लीग में टीम खरीदी

नयी दिल्ली। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अमेरिकन गैम्बिट्स टीम के सह मालिक बन गए हैं, जो ग्लोबल चेस लीग (जीसीएल) के दूसरे सत्र में हिस्सा लेने वाली नयी टीम है. जीसीएल टेक महिंद्रा और अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के संयुक्त स्वामित्व वाली लीग है. लंदन में तीन से 12 अक्टूबर तक होने दूसरे सत्र के लिए लीग ने सोमवार को छह फ्रेंचाइजी को पेश किया. जाने-माने व्यवसायी प्रचुर पीपी, वेंकट के नारायण और अश्विन के स्वामित्व वाली अमेरिकन गैम्बिट्स टूर्नामेंट में चिंगारी गल्फ टाइटंस की जगह लेगी. हम अमेरिका गैम्बिट्स को शतरंज जगत के सामने पेश करके रोमांचित हैं.

रेहान दूसरे पेशेवर टूर्नामेंट में ही शीर्ष 10 में शामिल

रबात (मोरक्को)। भारत के रेहान थॉमस ने 20 लाख डालर इनामी इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को गोल्फ टूर्नामेंट में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी दूसरी पेशेवर प्रतियोगिता में ही शीर्ष 10 में जगह बनायी. दुबई में रहने वाले इस भारतीय खिलाड़ी ने चार दौर में 69-73-69-72 का स्कोर बनाया. उनका कुल योग नौ अंडर रहा जिससे वह संयुक्त आठवें स्थान पर रहे. इस प्रतियोगिता में भारत के 16 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जिनमें से केवल पांच खिलाड़ी कट में जगह बना पाए थे. भारतीय खिलाड़ियों में रेहान का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा.

भारत के खिलाफ शृंखला से पूर्व जयसूर्या बने कोच

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या को इस महीने के अंत में भारत के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला से पहले टीम का अंतरिम मुख्य कोच नामित किया गया है. भारतीय टीम 27 जुलाई से शुरू होने वाले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे मैचों के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी. आक्रामक सलामी बल्लेबाजी के साथ स्पिन गेंदबाजी करने वाले 55 साल के वामहस्त खिलाड़ी जयसूर्या इंग्लैंड के क्रिस सिल्वरवुड की जगह लेंगे. सिल्वरवुड ने टी20 विश्व कप में टीम टीम के खराब प्रदर्शन के बाद इस्तीफा दे दिया था. टीम इस विश्व कप में टीम लीग चरण से आगे नहीं बढ़ पायी थी.

यूरो कप 2024 : गत विजेता इटली चैंपियनशिप से बाहर हो गया है

स्पेन, फ्रांस, इंग्लैंड, नीदरलैंड के बीच होगी फाइनल की जंग

एजेंसी। एलियांज एरीना

यूरोपीय चैंपियनशिप (यूरो कप 2024) के सेमीफाइनल मुकाबलों को अंतिम रूप दे दिया गया है. गत विजेता इटली बाहर हो गया है, लेकिन उपविजेता इंग्लैंड अंतिम चार में पहुंचने में सफल रहा है और इस बार वह एक कदम और आगे बढ़ना चाहेगा। लेकिन उन्हें नीदरलैंड का सामना करना होगा और फिर अगर वे जीत जाते हैं, तो स्पेन और फ्रांस के बीच दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ना होगा, ताकि वे अपने ''घर वापसी'' के सपने को पूरा कर सकें. यूरो कप 2024 के सेमीफाइनल में टीमें हैं स्पेन, फ्रांस, इंग्लैंड, नीदरलैंड. यूरो कप 2024 सेमीफाइनल का प्रारूप

चार सेमीफाइनल मैचों का विजेता फाइनल के लिए क्वालीफाई करेगा. यदि सेमीफाइनल में विजेता का फैसला नियमित 90 मिनट में नहीं होता है तो खेल अतिरिक्त समय में चला जाएगा. यदि अतिरिक्त समय में विजेता का चयन नहीं होता है, तो पेनल्टी शूटआउट का विजेता फाइनलिस्ट का खुलासा करेगा.

यूरो कप 2024 सेमीफ़ाइनल मैच

यूरो कप 2024 सेमीफाइनल की तारीखें, समय और स्थान

मैच	टीमें	दिन और तारीख	समय	स्थान
पहला सेमी-फाइनल	स्पेन बनाम फ्रांस	बुधवार 10 जुलाई	रात 12 :30	एलियांज एरीना
दूसरा सेमी-फाइनल	नीदरलैंड बनाम इंग्लैंड	गुरुवार 11 जुलाई	रात 12 :30	सिग्नल इडुना पार्क

कोपा अमेरिका 2024 : अर्जेंटीना, कनाडा, उरुग्वे, कोलंबिया के बीच मुकाबला

कोपा अमेरिका 2024 के लिए अंतिम चार टीमों का फैसला हो गया है, क्योंकि क्वार्टर फाइनल चरण में कुछ उलटफेर देखने को मिले और कुछ टीमें अपनी जीत की राह पर बरकरार रहीं. अर्जेंटीना का सामना कनाडा से, उरुग्वे का सामना कोलंबिया से होगा.

क्वार्टर फाइनल चरण में कुछ उलटफेर देखने को मिले और कुछ टीमें अपनी जीत की राह पर बरकरार रहीं. गत चैंपियन अर्जेंटीना, पहली बार खेल रही कनाडा, शानदार फॉर्म में चल रही कोलंबिया और 15 बार की चैंपियन उरुग्वे वे चार टीमें हैं जो फाइनल में जगह बनाने के लिए सेमीफाइनल में खेलेंगी.

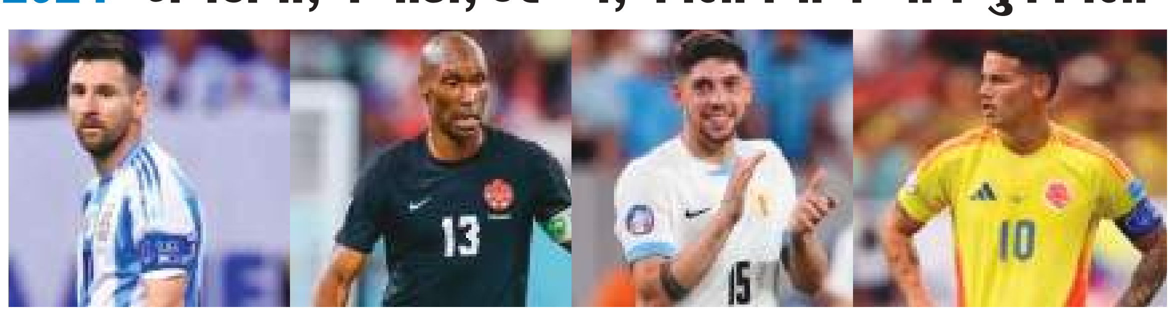

सेमीफाइनल 1: अर्जेंटीना बनाम कनाडा

इक्वेडोर के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में एमिलियानो मार्टिनेज के शानदार प्रदर्शन ने अर्जेंटीना के सेमीफाइनल में स्थान सुनिश्चित कर दिया, जबकि कनाडा ने भी पेनल्टी शूटआउट में वेनेजुएला को हराकर पहली बार फाइनल चार में जगह बनायी. अर्जेंटीना बनाम कनाडा का मैच बुधवार, 10 जुलाई को भारतीय समयानुसार सुबह 5 :30 बजे ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में शुरू होगा.

सेमीफाइनल 2: उरुग्वे बनाम कोलंबिया

कोलंबिया ने क्वार्टर फाइनल में पनामा को 5-0 से हराकर अपना अजेय रिकॉर्ड 27 मैचों तक पहुंचा दिया. दूसरी ओर, उरुग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में ब्राजील को 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी. उरुग्वे बनाम कोलंबिया मैच गुरुवार, 11 जुलाई को सुबह 5 :30 बजे उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट में बैंक ऑफ अमेरिका स्टेडियम में खेला जाएगा.

जब मैं शून्य पर आउट हुआ तो युवराज काफी खुश थे : अभिषेक

भाषा। हरारे

भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने खुलासा किया कि जिंबाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण मैच में जब वह शून्य पर आउट हो गए थे, तो उनके मेंटर (मार्गदर्शक) युवराज सिंह काफी खुश थे, क्योंकि इस पूर्व ऑलराउंडर का मानना था कि यह अच्छी शुरुआत है. अभिषेक भारत की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करते हुए खाता नहीं खोल पाए थे. जिंबाब्वे ने यह मैच 13 रन से जीता। अभिषेक ने हालांकि शानदार वापसी करके दूसरे मैच में 47 गेंद पर 100 रन बनाए जिससे भारत यह मैच 100 रन से जीतने में सफल रहा.

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें अभिषेक ने कहा, मैंने उनसे (युवराज) बात की और मैं नहीं जानता कि जब मैं शून्य पर आउट हुआ तो वह क्यों बहुत खुश थे. उन्होंने कहा कि यह अच्छी शुरुआत है लेकिन अब वह मेरे परिवार की तरह खुश होंगे और उन्हें मुझ पर गर्व होगा. अभिषेक ने न सिर्फ क्रिकेट मैदान पर उनका कौशल सुधारने बल्कि मैदान के बाहर भी उनका समर्थन करने के लिए भारत की 2011 की विश्व कप की जीत के नायक युवराज का आभार व्यक्त किया. मैं आज जो भी हूं उसमें उनकी काफी अहम भूमिका रही है. उन्होंने मुझे यहां तक पहुंचाने में कड़ी मेहनत की. उन्होंने न सिर्फ क्रिकेट मैदान पर मेरा कौशल निखारा बल्कि मैदान के बाहर की जिंदगी में भी मेरी मदद की. रविवार को खेले गए मैच के बाद अभिषेक ने युवराज से बात की और वह इस युवा बल्लेबाज के प्रदर्शन से काफी खुश थे. युवराज ने कहा, शाबास, मुझे तुम पर गर्व है. तुम इसके हकदार थे. यह तो अभी शुरुआत है. आगे अभी इस तरह की कई पारियां खेलोगे.

अभिषेक शर्मा के लिए फिर शुभ साबित हुआ शुभमन का बल्ला

भाषा। हरारे

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने पदार्पण मैच में शून्य पर आउट होने के बाद भारत के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने जिंबाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जिस बल्ले से शतक जड़ा, वह उन्होंने कप्तान शुभमन गिल से लिया था, जो जूनियर क्रिकेट के दिनों की तरह यहां भी उनके लिए शुभ साबित हुआ. अभिषेक ने 47 गेंद पर 100 रन की तूफानी पारी खेली जिससे भारत ने यह मैच 100 रन से जीत कर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की. अभिषेक ने मैच के बाद गिल का विशेष आभार व्यक्त किया.

शुभमन का विशेष आभार जो उन्होंने सही समय पर मुझे अपना बल्ला दिया: उन्होंने कहा, शुभमन का विशेष आभार जो उन्होंने सही समय पर मुझे अपना बल्ला दिया. मेरे लिए और टीम के लिए इस पारी की सख्त जरूरत थी. अभिषेक ने कहा, ऐसा अंडर-14 के दिनों से हो रहा है. मैं जब भी उनके बल्ले से खेला मैंने अच्छा प्रदर्शन किया और आज भी ऐसा हुआ. उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, मैं केवल उनके बल्ले से खेला जो मुझे काफी मिन्नत करने के बाद मिला. वह अपना बल्ला आसानी से नहीं देते हैं. जब मुझे लगता है कि वापसी के लिए मुझे उनके बल्ले से खेलना होगा, तब यह मेरे लिए अंतिम विकल्प की तरह होता है.

यानिक सिनर क्वार्टर फाइनल में, कोको गॉफ बाहर

विंबलडन 2024

एजेंसी। लंदन

ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन महिला वर्ग में कोको गॉफ को बाहर का रास्ता देखना पड़ा. सिनर ने 14वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन के खिलाफ 6-2, 6-4, 7-6 (9) से जीत दर्ज की. उनका अगला मुकाबला दानिल मेदवेदेव से

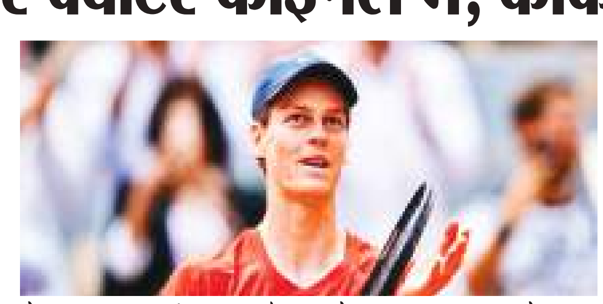

होगा. एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच कार्लोस अल्काराज और टॉमी पॉल के बीच खेला जाएगा. गत चैंपियन अल्काराज ने 16वें वरीय उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-4, 1-6, 7-5 से पराजित किया. पॉल ने रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट को 6-2, 7-6 (3), 6-2 ही हरा कर पहली बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी. मेदवेदेव ने ग्रिगोर दिमित्रोव के पहले सेट में पांव पर चोट लग जाने के कारण बाहर हो जाने से अंतिम आठ में प्रवेश किया. महिला वर्ग में मेडिसन कीज के तीसरे सेट में 5-5 के स्कोर पर हट जाने के कारण जैस्मीन पाओलिनी ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी. पाओलिनी का अगला मुकाबला एम्मा नवारो से होगा, जिन्होंने मौजूदा अमेरिकी ओपन चैंपियन गॉफ को 6-4, 6-3 से हराया. क्वालीफायर लुलु सन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है.

ह्यूस्टन स्क्वाश के फाइनल में हारे चोतरानी

नयी दिल्ली। भारत के वीर चोतरानी ह्यूस्टन में 9000 डॉलर इनामी पीएसए चैलेंजर टूर प्रतियोगिता कान्सो ओपन स्क्वाश के फाइनल में पाकिस्तान के मुहम्मद अशाब इरफान से पांच गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 2-3 से हार गए. विश्व में 106वें स्थान पर काबिज और यहां चौथे वरीय चोतरानी ने दो बार वापसी करके बराबरी की, लेकिन इरफान ने रविवार को खेले गए फाइनल में निर्णायक गेम अपने नाम किया.

उमा छेत्री कड़ी मेहनत करने वाली क्रिकेटर है : मुनीश बाली

भाषा। चेन्नई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के क्षेत्ररक्षण कोच मुनीश बाली ने उमा छेत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह युवा विकेटकीपर वास्तव में कड़ी मेहनत करने वाली क्रिकेटर है.

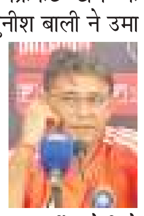

21 वर्षीय छेत्री ने रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बारिश के कारण रद्द कर दिए गए दूसरे मैच में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया. उन्होंने दीप्ति शर्मा की गेंद पर तेजमिन ब्रिट्स को स्टंप आउट किया.

इससे पहले वह इसी बल्लेबाज को स्टंप के आगे से गेंद पकड़ने के कारण जीवनदान दे चुकी थी. बाली ने हालांकि छेत्री का बचाव किया और कहा कि इस युवा खिलाड़ी ने पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में शॉर्ट लेग पर जिस तरह से क्षेत्ररक्षण किया वह सराहनीय है. बाली ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, मुझे बहुत खुशी है कि उसे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिला. टेस्ट मैच के दौरान उसने 70 से 80 ओवर तक फील्डिंग की थी. वह बहादुर लड़की है. उन्होंने कहा, शॉर्ट लेग पर फील्डिंग करना आसान नहीं होता है. उसे तब चोट भी लगी थी लेकिन दर्द के बावजूद भी उसने वहां पर फील्डिंग की.

महिला क्रिकेट — चेन्नई में चल रही तीन मैचों की टी20 शृंखला को 1-1 से बराबर करने की चुनौती

शृंखला के अंतिम टी20 मैच में भारत को करनी होगी बेहतर गेंदबाजी

भाषा। चेन्नई

भारतीय महिला टीम तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला में मंगलवार को यहां आखिरी मैच में जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान में उतरेगी तक उसके सामने जीत दर्ज कर इसे 1-1 से बराबर करने की चुनौती होगी. इसके लिए हालांकि भारतीय गेंदबाजों को अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा उठाना होगा, जिसके खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ने पहले मैच में नौ विकेट पर 189 रन बनाकर 12 रन से जीत दर्ज की. दूसरे मैच में बारिश के कारण भारत को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन गेंदबाजों ने इस

मुकाबले में भी छह विकेट पर 177 रन लुटाये थे. तीसरे टी20 में पर भी खराब मौसम का खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि मंगलवार को भी बारिश की 30 से 40 प्रतिशत संभावना है. दोनों मैचों में दो-दो विकेट लेने वाली पूजा वस्त्राकर और स्पिनर दीप्ति शर्मा को छोड़कर, अधिकांश भारतीय गेंदबाज प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही हैं. रेणुका सिंह के पहले मैच में असरहीन रहने के बाद दूसरे मुकाबले में सजीवन सजना को मौका मिला लेकिन इससे भी टीम को कोई फायदा नहीं हुआ. श्रेयंका पाटिल और राधा यादव ने रविवार को एक-एक विकेट लिया लेकिन यह दोनों गेंदबाज भी रन रोकने में नाकाम रहीं. भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चाहेंगी कि श्रृंखला दांव पर होने के कारण उनके गेंदबाज कड़ी मेहनत करें. बल्लेबाजी के मोर्चे पर पहले मैच में भारतीयों ने अच्छा प्रदर्शन किया है. जेमिमा रोड्रिग्स (नाबाद 53), स्मृति मंधाना (46), हरमनप्रीत (35), शेफाली वर्मा (18) और दयालन हेमलता (14) ने बल्ले से अच्छा योगदान दिया. टी20 में रविवार को पदार्पण करने वाली विकेटकीपर उमा छेत्री के टीम में बने रहने की संभावना है.

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), उमा छेत्री (विकेट कीपर), ऋचा घोष (विकेट कीपर), दयालन हेमलता, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, सजीवन सजाना, दीप्ति शर्मा, आशा शोभना, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, शबनम शकील, पूजा वस्त्रकार और राधा यादव.

दक्षिण अफ्रीका : लौरा वोल्वार्ट (कप्तान), तजमिन ब्रिट्स, मीके डी रिडर (विकेट कीपर), सिनालो जाफ्ता (विकेट कीपर), एनेके बॉश, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसेन, मारिजान कप्प, सुने लुस, क्लो ट्रायोन, अयाबोंगा खाका, मसाबाटा क्लास, एलिज़-मारी मार्क्स, नॉनकुलुलेको म्लाबा और तुमी सेखुखुने.

मैच का समय : शाम सात बजे से.

ब्रीफ खबरें

बिहार बीएड परीक्षा का रिजल्ट जारी

पटना। बिहार बीएड परीक्षा की रिजल्ट घोषित हो गया है. परीक्षा में हाजीपुर की प्रीति अनमोल ने प्रथम स्थान प्राप्त की है. दरअसल, ललित नारायण मिथिला विवि (एलएनएमयू) ने सोमवार को दो वर्षीय बीएड व शिक्षा शास्त्री की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीईटी-बीएड 2024) का परिणाम घोषित कर दिया है. हाजीपुर की प्रीति अनमोल ने 102 अंकों के साथ परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है. वहीं बांका के कुणाल सिंह एवं बाढ़, पटना के बुल्लू कुमार 100 अंक लाकर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे.

नालंदा में भीषण सड़क हादसा, दो की मौत

नालंदा। नालंदा जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग और जख्मी हो गए. घटना हिलसा और दीपनगर थाना क्षेत्र में घटी है. संबंधित थाना पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दी है. पहली घटना दीपनगर थाना क्षेत्र के महानंदपुर एनएच 20 पर घटी है. जहां सड़क पार करने के दौरान अज्ञात वाहन की चपेट में आने से स्वर्गीय बिंदा महतो के 50 वर्षीय पुत्र इंद्रदेव प्रसाद की मौत हो गई. परिजनों ने बताया कि वह सेंटरिंग का काम करते हैं काम कर घर लौट रहे थे इस दौरान यह हादसा हुआ. इसी तरह हिलसा थाना क्षेत्र के कामता फाल्ट के समीप अनियंत्रित होकर कर पेड़ से टकरा गई.

करंट की चपेट में आने से किशोरी की मौत

गोपालगंज। जिले के भोरे थाना क्षेत्र के बनकटा जागीरदारी गांव में रविवार की रात दस बजे मोटर पंप में करंट आ जाने से एक किशोरी चपेट में आ गई. परिजनों ने किशोरी को तत्काल इलाज के लिए रेफरल अस्पताल भोरे लाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद किशोरी को मृत घोषित कर दिया. मृत किशोरी की पहचान जिले के भोरे थाना क्षेत्र के बनकटा जागीरदारी गांव निवासी राजेश साह की 16 वर्षीय पुत्री लक्ष्मीन कुमारी के रूप में की गई है. घटना की सूचना मिलने पर भोरे थाना अध्यक्ष अनिल कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्थल पहुंचे और परिजनों से घटना की विस्तृत जानकारी ली.

जन सुराज के सूत्रधार ने राजद पर किया अबतक का सबसे बड़ा हमला

सिर्फ बकवास करते हैं तेजस्वी यादव : प्रशांत किशोर

संवाददाता। पटना

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने राजद पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया है. उन्होंने राजद पार्टी के ऊपर आरोप लगाते हुए कहा कि आज बिहार में एक दल के लोग हैं, जो बालू माफिया का काम कर रहे हैं. पूरे राज्य को इन्होंने बालू के अवैध खनन का केंद्र बना दिया है. तेजस्वी यादव कहते हैं कि मुझे क्रिमिनल और क्राइम से लगाव नहीं है. मतलब तो यही हुआ न कि बाघ ये कहे कि उसे मांस से लगाव नहीं है. आज इस देश में राजद से ज्यादा क्रिमिनल और क्राइम करने वाले लोग किसी पार्टी में है? आज इस देश में क्राइम और क्रिमिनल से इतने जुड़े लोग देश के किस पार्टी में है?

प्रशांत किशोर ने कहा कि तेजस्वी यादव ने जीवन में न कुछ पढ़ा न समझा, सिर्फ खड़े होकर बकवास करते हैं. तेजस्वी यादव को किसी विषय का ज्ञान नहीं है, कभी जाति पर बोलना है कभी धर्म के नाम पर बोलना है. दूसरी पार्टियों पर बस आरोप-प्रत्यारोप करना है. बिहार में जितने भी आदमी हैं क्या अनपढ़ हैं? क्या मैं बिहार का नहीं हूं, मैंने सरकारी स्कूलों में पढ़ाई नहीं की है? क्या मैं अंग्रेजी नहीं बोलता हूं फ्रेंच नहीं बोलता हूं? नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव क्या मुझसे बढ़िया भोजपुरी बोलेंगे? तेजस्वी यादव को न भोजपुरी बोलना आता है न अंग्रेजी बोलना आता है. तेजस्वी को किसी भी विषय का कोई ज्ञान नहीं है.

भाजपा के नाम पर लोगों को बनाते हैं मूर्ख

पीके ने आगे कहा कि, जब जनता तेजस्वी से रोजगार के बारे में पूछती है तो वो कहते हैं कि भाजपा को रोको और यह बोलकर वह लोगों को मूर्ख बनाते हैं. आप कहते हैं कि शराब माफिया और बालू माफिया बहुत ज्यादा हो गए हैं तो तेजस्वी कहते हैं कि जातीय जनगणना करवा रहे हैं. ये काम करते नहीं है बस नए नए मुद्दों पर अपनी बात रख कर बहानेबाजी करते रहते हैं. प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव पर राज्य की जनता के मुद्दों की अनदेखी करने की बात कहते हुए कहा कि बिहार की जनता पूछ रही है रोजगार नहीं है तो तेजस्वी यादव बोलते हैं कि बीजेपी को रोको. बिहार की जनता पूछती है कि बालू और शराब माफिया क्यों हैं तो वो जातीय जनगणना की बात करके बिहार के लोगों को बेवकूफ बनाते हैं.

पटनासिटी में पोते ने की दादा की गोली मारकर हत्या

जमीनी विवाद को लेकर हुई घटना

संवाददाता। पटना

गाड़ी में शव.

पटनासिटी में जमीनी विवाद को लेकर एक बुजुर्ग की हत्या कर दी गई. वहीं इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया. फिलहाल पुलिस इस मामले में छानबीन कर रही है. दरअसल, पूरा मामला पटनासिटी के फतुहा का है. जहां एक वृद्ध व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गयी है. मामला फतुहा थाना क्षेत्र के अरियाग टोला कोल्हर की है. जहां 71 वर्षीय सर्वि यादव को उसके पोते द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गयी. सर्वि यादव को सिर में दो गोली मारी गयी है. हालांकि घटना को अंजाम देकर पोता फरार हो गया है. घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके वारदात पर पहुंच मामले की जांच में लग गई है.

बताया जा रहा है कि घर में आपस में ही बंटवारे को लेकर घटना को अंजाम दिया गया है. फ़िलहाल फतुहा डीएसपी निखिल सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि हत्यारे की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है. फतुहा डीएसपी निखिल सिंह घटना की जानकारी दी.

शंकर सिंह ने जदयू-राजद की बढ़ाई मुश्किलें

रुपौली में थम गया चुनाव प्रचार का शोर

संवाददाता। पूर्णिया

त्रिकोणीय संघर्ष तय, कलाधर मंडल और बीमा भारती ने झोंकी पूरी ताकत

अवधेश मंडल, शंकर सिंह और बीमा भारती के बीच मुकाबला.

कोसी नदी के किनारे बसे रुपौली में चुनावी घमासान तेज हो गया है. इस सीट पर 10 जुलाई को उप चुनाव होने वाला है. तमाम दल जोर अजमाइश में जुटे हैं. वैसे बी पूर्णिया जिला की राजनीति बाहुबलियों के लिए ख्यात है. रुपौली विधानसभा क्षेत्र की राजद प्रत्याशी बीमा भारती के पति अवधेश मंडल बाहुबली हैं. शंकर सिंह निर्दलीय ताल ठोक रहे हैं, वे भी बाहुबली माने जाते हैं. शंकर सिंह और अवधेश मंडल के बीच पुरानी अदावत है. आज रुपौली में चुनाव को भोंपू शाम पंच बजे बंद हो जाएगा. रुपौली विधानसभा क्षेत्र से जदयू विधायक रहीं बीमा भारती ने जदयू से त्यागपत्र देकर राजद से लोकसभा चुनाव लड़ा था, इस कारण यह सीट खाली गई थी, अब यहां उप चुनाव हो रहे हैं.

रुपौली विधानसभा उपचुनाव के लिए 10 जुलाई को मतदान होगा. यहां से जदयू ने गंगोता जाति से आने वाले कलाधर मंडल को प्रत्याशी बनाया हैतो राष्ट्रीय जनता दल की ओर से गंगोता जाति से आने वाली बीमा भारती उम्मीदवार हैं. एक अन्य निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह जो राजपूत जाति से आते हैं, ताल ठोक रहे हैं. शंकर सिंह के चुनाव लड़ने से यहां लड़ाई दिलचस्प हो गयी है. शंकर सिंह की छवि बाहुबली नेता की है. रुपौली इलाके में अगड़ी जाति के बीच उनकी छवि रॉबिन हुड की है. अवधेश मंडल, कथित रूप से फैजान गिरोह का सर्वेसर्वा है. दोनों के बीच लंबे अरसे तक खूनी संघर्ष का दौर चला. दर्जनों लोगों की जान गई. नेताओं के दौरों के साथ-साथ कार्यकर्ताओं की पूछ व लोगों की उत्सुकता भी बढ़ने लगी है. रुपौली उपचुनाव का नाता लोकसभा चुनाव से होने के करण पूरे जिले की नजर इस पर टिकी हुई है.

बीमा भारती चुनाव जीतने के लिए पसीना बहा रही है. बीमा भारती ने पप्पू यादव से भी समर्थन मांगा था और पप्पू यादव ने भी बीमा भारती को आशीर्वाद दिया है. बता दें कि कुछ दिन पहले ही संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में बीमा भारती और पप्पू यादव आमने-सामने थे.

कुर्सी जाने पर लालू यादव का मन नही लगता : दिलीप

भागलपुर। लालू यादव की भविष्यवाणी पर राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल ने पलटवार करते हुए कहा कि हर वक्त बिल्ली देखती रहती है कि छींका कब टूटेगा और दूध पियेंगे, लालू यादव का भी यहीं हाल है. लालू यादव का अभी मन नही लग रहा है ना... एक बार जो सत्ता की कुर्सी पर बैठा जाता है तो उसका मन नही लगता है, वो तो कब्र तक जाने तक भी इंतजार करता है कि शायद सत्ता में आ जाएं...राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल ने तेजस्वी यादव के द्वारा अपराधिक घटनाओं के लिस्ट जारी करने के सवाल पर कहा कि उनको अपने माता-पिता से पूछना चाहिए कि 2005 से पहले 15 साल में बिहार का क्या हाल था.

मुंगेरी लाल का सपना देख रहे हैं लालू : अश्विनी चौबे

संवाददाता। भागलपुर

अश्विनी चौबे.

अब साल 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर शतरंज की बिसात बिछनी शुरू हो गई है. विधानसभा चुनाव को लेकर पक्ष विपक्ष एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं. इसी क्रम में पूर्व केन्द्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कुछ समय पहले विधानसभा चुनाव को लेकर कहा था कि आगामी चुनाव में बिहार में भाजपा सरकार का नेतृत्व करेगी, उनके इस बयान को लेकर खूब हंगामा भी हुआ. अभी ये विवाद थमा भी नहीं था कि उन्होंने दोबारा बयान दिया है. इस बार पूर्व केन्द्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने भाजपा को लेकर वापस से बयान दिया है, हालांकि उन्होंने इस बयान में सीधे तौर पर जेदयू को साइड लाइन नहीं किया है, लेकिन अपने बयान में एनडीए के लिए नरम होते दिखे. पूर्व केन्द्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि 2025 में फिर से भाजपा एनडीए की सरकार बनेगी. उन्होंने कहा कि भाजपा पूरी कर्मठता के साथ चुनाव लड़ने जा रहा है. एनडीए में ऑल इज वेल है.

जर्जर स्कूल की छत का गिरा प्लास्टर, चार छात्राएं हुईं घायल

पटना। बिहार में कहीं पुल गिर रहा है तो कही स्कूल का छत भरभरा कर गिर रहा है तो कहीं सरकारी भवन दरक रहा है. रविवार को पूर्णिया में स्कूल की छत गिर गयी. छुट्टी का दिन होने के कारण कोई दुर्घटना नहीं घटी. लेकिन आज यानी सोमवार को राजधानी पटना के फतुहा प्रखंड के मसाढ़ी पंचायत के मसाढ़ी गांव में स्थित सरकारी स्कूल में मध्याह्न भोजन के दौरान अचानक से छत का प्लास्टर गिर गया. इस घटना में चार बच्चे और बच्चियां घायल हो गए. स्कूल का छत गिरने से कुछ बच्चों का सिर फुट गया तो कुछ के हाथ में चोट लगी है. बच्चों का आनन फानन में इलाज किया गया. स्थानीय लोगों का कहना है कि बड़ी दुर्घटना टल गई है.

सीएम नीतीश ने नदियों के बढ़ते जलस्तर का किया हवाई सर्वेक्षण

संवाददाता। पटना

बिहार में लगातार हो रही बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ गया है. बिहार के कई जिलों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है. वहीं बाढ़ के खतरे को लेकर बिहार सरकार एक्शन में है. सीएम नीतीश सोमवार को बाढ़ से निपटारे की तैयारी के लिए हवाई सर्वेक्षण किया है. सीएम नीतीश अपने खास मंत्री विजय चौधरी के साथ पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण व गोपालगंज जिलों में नदियों के बढ़ते जलस्तर का हवाई सर्वेक्षण किया. सीएम नीतीश हवाई सर्वेक्षण करने के बाद अधिकारियों के साथ इस मामले को लेकर बैठक करेंगे. साथ ही अधिकारियों को बड़े आदेश भी दे सकते हैं. बिहार सरकार बाढ़ के खतरे को देखते हुए उसके निपटारे के लिए तैयारी में जुटी हुई है. सीएम नीतीश ने आज बाढ़ के खतरे वाले इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया है.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गंडक समेत अन्य नदियों के बढ़ते जलस्तर के साथ ही कटाव एवं अन्य हालातों का भी जायजा ले रहे हैं. मुख्यमंत्री वाल्मीकि नगर में गंडक बराज, बगहा में कैलाश नगर, शास्त्री नगर समेत कटाव क्षेत्रों का जायजा ले रहे हैं. बता दें कि जल संसाधन विभाग के अनुसार उत्तर बिहार की प्रमुख नदियां उफान पर हैं. गंडक, कोसी, बागमती, कमला बलान और महानंदा नदी कुछ जगहों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं.

गंडक बराज से 4.40 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा चुका है, जिससे पश्चिम चंपारण जिले के दियारा क्षेत्र के गांव जलमग्न हो गए हैं. बगहा शहर के भी कुछ इलाकों में नदी का पानी पहुंचा है. यही हालात, सुपौल जिले में कोसी तटबंध पर बसे गांवों का भी है.

कारोबार

सोना वायदा कीमतों में भी देखी गयी गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के बीच सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया, जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को सोने की कीमत 186 रुपये की गिरावट के साथ 72,865 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गयी. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अगस्त माह में आपूर्ति वाले अनुबंध का भाव 186 रुपये यानी 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,865 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया. इसमें 13,670 लॉट का कारोबार हुआ. बाजार विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के कारण सोना वायदा कीमतों में गिरावट आई.

चांदी वायदा कीमतों में 0.51% की गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से सोमवार को वायदा कारोबार में चांदी की कीमत रुपये की गिरावट के साथ 93,075 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया. मल्टी कमोडिटी एक्स्चेंज में चांदी के सितंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 479 रुपये यानी 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 93,075 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया. इसमें 22,772 लॉट का कारोबार हुआ. वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में चांदी की कीमत 1.53 प्रतिशत की हानि के साथ 31.21 डॉलर प्रति औंस रह गयी.

कच्चे तेल के वायदा भाव में गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के बाद कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा कारोबार में कच्चे तेल की कीमत सोमवार को 1.19% की गिरावट के साथ 6,894 रुपये प्रति बैरल रह गयी. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का जुलाई माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 83 रुपये या 1.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,894 रुपये प्रति बैरल रह गया. इसमें 5,672 लॉट के लिए कारोबार हुआ. वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 0.61 % की गिरावट के साथ 82.65 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जबकि ब्रेंट क्रूड का दाम 0.44% की गिरावट के साथ 86.16 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था.

लार्सन एंड टुब्रो की अक्षय ऊर्जा शाखा को मिले दो ठेके

भाषा। नयी दिल्ली

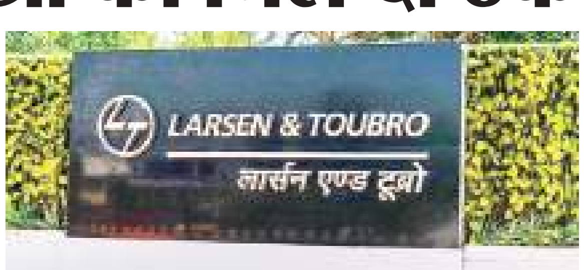

लार्सन एंड टुब्रो की अक्षय ऊर्जा शाखा को पश्चिम एशिया के एक बड़े डेवलपर से दो गीगावाट पैमाने के सौर पीवी संयंत्र बनाने के लिए दो ठेके मिले हैं. कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की अक्षय ऊर्जा शाखा को पश्चिम एशिया के एक अग्रणी डेवलपर से दो गीगावाट पैमाने के सौर पीवी संयंत्र बनाने के लिए बड़े ठेके मिले हैं. एलएंडटी ने अनुबंध के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया. उसके परियोजना वर्गीकरण के अनुसार एक बड़े ठेके का मूल्य 10,000 से 15,000 करोड़ रुपये के बीच है. एलएंडटी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक एस. एन. सुब्रह्मण्यन ने कहा, ये ठेके हमारे हरित खंड में स्वागत योग्य वृद्धि हैं। हम अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों के साथ भविष्य के लिए कंपनी का निर्माण कर रहे हैं. लार्सन एंड टुब्रो 27 अरब अमेरिकी डॉलर की भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है. यह इंजीनियरिंग, खरीद तथा निर्माण (ईपीसी) परियोजनाओं, उन्न्त विनिर्माण व सेवाओं के कारोबार में है.

डब्ल्यूआरटीएल को 412.5 मेगावाट का मिला ठेका

भाषा। नयी दिल्ली

वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (डब्ल्यूआरटीएल) को राजस्थान में 412.5 मेगावाट की सौर परियोजना स्थापित करने का ठेका मिला है. डब्ल्यूआरटीएल ने एक बयान में कहा कि ठेका इंजीनियरिंग, खरीद व अनुबंध (ईपीसी) से जुड़ा है. कंपनी ने हालांकि ठेके के वित्तिय विवरण का खुलासा नहीं किया. बयान में कहा गया, वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज को राजस्थान में एसीओना एनर्जी की अनुषंगी कंपनी जूना रिन्यूएबल एनर्जी की 412.5 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजना के लिए ईपीसी ठेका मिला है. यह परियोजना राज्य के बीकानेर जिले के कवनी गांव में स्थापित की जाएगी. यह एक 'यूटिलिटी' स्तर का सौर संयंत्र होगा जिसके लिए वारी एनर्जीज द्वारा द्विमुखी सौर मॉड्यूल की आपूर्ति की जाएगी. वारी एनर्जीज लिमिटेड (डब्ल्यूईएल) की अनुषंगी कंपनी डब्ल्यूआरटीएल थर्मल, हाइड्रो, न्यूक्लियर, सौर, पवन ऊर्जा और गैर-परंपरागत/नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के जरिए उत्पन्न बिजली के सभी पहलुओं से जुड़े काम करती है.

तांबा वायदा कीमतों में 0.39% की गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा कारोबार में तांबा की कीमत सोमवार को 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 871.95 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई. एमसीएक्स में तांबा के जुलाई माह में डिलिवरी वाले तांबा अनुबंध की कीमत 3.30 रुपये अथवा 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 871.95 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई जिसमें 6,865 लॉट के लिए कारोबार हुआ. बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच सटोरियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से मुख्यतः वायदा कारोबार में तांबा कीमतों में गिरावट आई.

विनिवेश को आगे बढ़ाने का समयः एसबीआई

नयी दिल्ली। सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में विनिवेश को आगे बढ़ाना चाहिए क्योंकि वे अच्छी स्थिति में हैं. एसबीआई के आर्थिक शोध विभाग ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में यह बात कही है. रिपोर्ट में मौजूदा सरकारी बैंकों को सुदृढ़ करने पर भी जोर दिया गया है. 'केंद्रीय बजट 2024-25 की प्रस्तावना' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है, चूंकि बैंक अच्छी स्थिति में हैं, इसलिए सरकार को सार्वजनिक बैंकों के विनिवेश को लेकर आगे बढ़ना चाहिए.

नयी दिल्ली में ताइवान के आर्थिक मामलों के मंत्रालय (एमओईए) द्वारा सोमवार को आयोजित ताइवान एक्सपो 2024 में मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा और ताइवान विदेश व्यापार विकास परिषद के अध्यक्ष जेम्स सी.एफ.

मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने पहली छमाही में रिकॉर्ड 9,262 इकाइयों की बिक्री की

भाषा। नयी दिल्ली

जर्मनी की लग्जरी कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज की 2024 की पहली छमाही में भारत में बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 9,262 इकाई हो गयी. यह वृद्धि विभिन्न श्रेणियों में मजबूत मांग और बड़ी संख्या में मॉडलों की उपलब्धता के दम पर दर्ज की गयी.

कंपनी बयान के अनुसार, यह देश में उसकी अभी तक की सबसे अधिक बिक्री वाली छमाही रही. मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने एक बयान में कहा कि उसकी योजना 2024 की दूसरी छमाही में छह नए उत्पाद पेश करने की है. मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी संतोष अय्यर ने कहा, हमने नए तथा अद्यतन उत्पाद, खुदरा क्षेत्र में बेहतर ग्राहक अनुभव के साथ ही सकारात्मक ग्राहक भावनाओं के दम पर अभी तक की सर्वश्रेष्ठ छमाही (पहली) बिक्री दर्ज की.

कंपनी की घोषणा 2,275 करोड़ के अपने दूसरे वित्त पोषण चक्र के पूरा होने की घोषणा की

वेलस्पन वन कंपनी ने जुटाए 2,275 करोड़ रुपये

भाषा। नयी दिल्ली

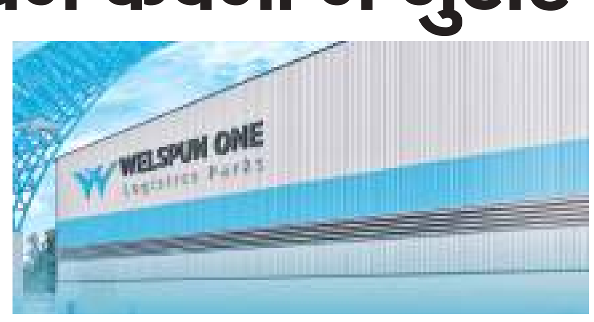

वेलस्पन वन ने अपने दूसरे वित्त पोषण चक्र में निवेशकों से 2,275 करोड़ रुपये जुटाए हैं. एकीकृत फंड एवं विकास प्रबंधन मंच वेलस्पन वन ने सोमवार को सह-निवेश प्रतिबद्धताओं सहित 2,275 करोड़ रुपये के अपने दूसरे वित्त पोषण चक्र के सफलतापूर्वक पूरा होने की घोषणा की. इस पूंजी का इस्तेमाल गोदाम के निर्माण के लिए किया जाएगा. यह पूंजी करीब 800 सीमित साझेदारों (एलपी) या निवेशकों के विविध समूह से हासिल की गई. कंपनी के अनुसार, इससे वेलस्पन वन के मौजूदा एक करोड़ वर्ग फुट खंड में 80 लाख वर्ग फुट का इजाफा होगा, जिससे उनका कुल खंड लगभग 1.8 करोड़ वर्ग फुट हो जाएगा.

कुल परियोजना व्यय करीब एक अरब अमेरिकी डॉलर होगा. वेलस्पन वर्ल्ड के चेयरमैन बालकृष्ण गोयनका ने कहा, महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता भारत के लॉजिस्टिक्स लागत को 14 प्रतिशत से घटाकर आठ प्रतिशत करने के रणनीतिक उद्देश्य के साथ पूरी तरह से संरेखित है, जिससे हमारे उद्योगों की वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी.

मैन इंडस्ट्रीज को मिला 1,850 करोड़ रुपये का ठेका

नयी दिल्ली। मैन इंडस्ट्रीज को एक अंतरराष्ट्रीय तेल एवं गैस कंपनी से 1,850 करोड़ रुपये की पाइप आपूर्ति का ठेका मिला है. मैन इंडस्ट्रीज ने एक बयान में कहा कि इस ठेके के तहत एक विदेशी एलएनजी परियोजना के लिए एपीआई 5एल ग्रेड लाइन पाइप की आपूर्ति की जाएगी. लाइन पाइप की आपूर्ति अगले 12 से 18 महीने में की जाएगी. मैन इंडस्ट्रीज इस परियोजना के लिए एसएडब्ल्यू पाइप की आपूर्ति भी करेगी. इसके साथ ही कंपनी की ऑर्डर बुक 4,000 करोड़ रुपये को पार कर जाएगी. मैन इंडस्ट्रीज (इंडिया), मैन समूह की प्रमुख कंपनी है.

MAN Industries (India) Ltd

मुनाफा वसूली से सेंसेक्स में मामूली 36 अंक की गिरावट

भाषा। मुंबई

हाल की तेजी के बाद निवेशकों की मुनाफावसूली से बीएसई सेंसेक्स सोमवार को मामूली 36.22 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ. एनएसई निफ्टी भी लगभग स्थिर बंद हुआ. एशिया के अन्य बाजारों में कमजोर रुख से भी घरेलू शेयर बाजार की धारणा प्रभावित हुई. तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स की शुरूआत कमजोर रही. अंत में यह 36.22 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 79,960.38 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 264.77 अंक तक नीचे चला गया था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 3.30 अंक यानी 0.01 प्रतिशत की नाममात्र गिरावट के साथ 24,320.55 अंक पर बंद हुआ. सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन, अडाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फिनसर्व प्रमुख रूप से नुकसान में रहे. दूसरी तरफ आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टाटा मोटर्स प्रमुख रूप से लाभ में रहे.

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे. यूरोप के प्रमुख बाजारों में कारोबार सकारात्मक दायरे में रहा. अमेरिकी बाजार शुक्रवार को लाभ में रहे थे.

प्रधानमंत्री की रूस यात्रा शुरू, मॉस्को हवाई अड्डे पर दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

राष्ट्रपति पुतिन संग शिखर वार्ता करेंगे मोदी

एजेंसी। मॉस्को

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार से अपनी दो दिवसीय रूस यात्रा शुरू की जिसमें वह द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करने तथा व्यापार, ऊर्जा एवं रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसर तलाशने के लिए, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर वार्ता करेंगे.

रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मांतुरोव ने हवाई अड्डे पर मोदी की अगवानी की. मांतुरोव मोदी को हवाई अड्डे से उनके होटल तक छोड़ने उनके साथ गए. मांतुरोव ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की रूस यात्रा के दौरान उनका भी स्वागत किया था. यह पिछले पांच साल में मोदी की रूस की पहली यात्रा है. यह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद उनकी पहली मॉस्को यात्रा है. यह मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भी है. इससे पहले वह 2019 में रूस गए थे जहां उन्होंने सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तक में एक आर्थिक सम्मेलन में भाग लिया था. मोदी और पुतिन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर लिखा, 'प्रधानमंत्री दोनों देशों के बीच विशेष साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ महत्वपूर्ण बातचीत करेंगे. वह रूस में भारतीय समुदाय के साथ भी संवाद करेंगे.' मॉस्को पहुंचने पर भारतीय प्रधानमंत्री को हवाई अड्डे पर 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया. मोदी ने रूस के लिए प्रस्थान करने से पहले एक बयान में कहा, 'भारत और रूस के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी पिछले 10 वर्षों में और बढ़ी है, जिसमें ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन और लोगों से लोगों का संपर्क आदि क्षेत्र शामिल हैं.' उन्होंने कहा, 'मैं, मेरे मित्र राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने और विभिन्न क्षेत्रीय एवं वैश्विक मामलों पर दृष्टिकोण साझा करने को लेकर आशान्वित हूं.'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मॉस्को हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया.

क्या पीएम युद्ध के दलदल में फंसे भारतीयों की वापसी सुनिश्चित करेंगे : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे के बीच सोमवार को सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री उन भारतीय युवाओं की सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित करेंगे जो वहां युद्ध के दलदल में फंस गए हैं. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'दशकों से कांग्रेस सरकारों की समझदारी से भरी कूटनीतिक और रणनीतिक पहल के कारण भारत के रूस के साथ अच्छे संबंध विरासत में मिले हैं. प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह ने 10 वर्षों में (भारत या रूस में) व्लादिमीर पुतिन और दिमित्री मेदवेदेव (रूस के दो राष्ट्रपति जो मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान थे) से 16 बार मुलाकात की थी. तुलनात्मक रूप से देखें तो, 10 वर्षों के कार्यकाल के बाद राष्ट्रपति पुतिन के साथ नरेंद्र मोदी की यह केवल 11वीं मुलाकात है.'

नेता प्रतिपक्ष ने चुराचांदपुर में जातीय हिंसा से प्रभावितों से बात कर सुनीं समस्याएं

राहुल गांधी ने राहत शिविरों का किया दौरा

एजेंसी। इंफाल/नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को मणिपुर के जिरीबाम और चुराचांदपुर जिलों में राहत शिविरों का दौरा किया और वहां रह रहे लोगों से बातचीत की. राज्य में पिछले साल मई में मेइती और कुकी समुदाय के लोगों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी. इसमें 200 से अधिक लोगों की मौत हुई है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ पहुंचे गांधी ने राहत शिविरों में रह रहे लोगों से बात की और उनकी समस्याएं सुनीं. कांग्रेस द्वारा राज्य की दोनों लोकसभा सीटें जीतने के बाद राहुल गांधी पहली बार यहां आए हैं.

हम शांति बहाली के लिए सबकुछ करेंगे : बाद में मीडिया से बात करते राहुल गांधी ने कहा कि हिंसा प्रभावित लोगों को सांत्वना देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर आना चाहिए. हम यहां शांति बहाल करने के लिए सब कुछ करेंगे. कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'हिंसा के बाद मणिपुर की उनकी (राहुल गांधी की) तीसरी यात्रा लोगों के मुद्दों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है.' पिछले साल तीन मई को मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के कुछ हफ्ते बाद गांधी ने पहली बार मणिपुर का दौरा किया था. उन्होंने जनवरी में राज्य से अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' भी शुरू की थी. गांधी ने सबसे पहले जिरीबाम उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्थापित राहत शिविर का दौरा किया. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के. मेघचंद्र ने संवाददाताओं को बताया कि जिरीबाम के लोगों ने गांधी को अपने अनुभवों के बारे में बताया. मेघचंद्र ने कहा, 'उन्होंने यह भी पूछा कि उन्हें किस चीज की जरूरत है. एक लड़की ने राहुल गांधी से कहा कि न तो प्रधानमंत्री और न ही मुख्यमंत्री उनसे मिलने आए हैं. उसने गांधी से यह मामला संसद में उठाने का भी आग्रह किया.' प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जिरीबाम में हजारों की संख्या में लोग गांधी का स्वागत करने आए और उनमें से कई लोग उनसे बात करते हुए रो पड़े.

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी चुराचांदपुर राहत शिविर के दौरे के दौरान. प्रेट्र

राहुल गांधी 'राजनीतिक पर्यटक', मणिपुर की शांति उन्हें नहीं पच रही : भाजपा

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सोमवार को मणिपुर की यात्रा पर गए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 'राजनीतिक पर्यटक' करार दिया और आरोप लगाया कि उनसे इस पूर्वोत्तर के राज्य की 'शांति' पच नहीं रही है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता के पास तमिलनाडु में जहरीली शराब से और पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के पीड़ितों से मिलने का समय नहीं है. उन्होंने कहा, 'मणिपुर की शांति राहुल गांधी जैसे 'पॉलिटिकल टूरिस्ट' से पच नहीं रही है. प्रधानमंत्री ने सदन में मणिपुर की स्थिति और किस कुशलता से केंद्र व राज्य सरकार ने मिलकर राज्य को संभाला है, उसका विवरण सदन में खुद दिया है.' उन्होंने कहा कि गांधी के पास हाथरस और मणिपुर जाने का तो समय है पर तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में जाने का समय नहीं है

ब्रीफ खबरें

फ्रांस के प्रधानमंत्री एटल देंगे इस्तीफा

पेरिस। फ्रांस में रविवार को हुए संसदीय चुनाव में अधिकतर सीट पर वाम झुकाव वाले गठबंधन की जीत के बाद प्रधानमंत्री गैब्रियल एटल ने घोषणा की है कि वह अपने पद से इस्तीफा दे देंगे. वामपंथी झुकाव वाला नया गठबंधन 'न्यू पॉपुलर फ्रंट' सबसे अधिक सीट जीतने के बावजूद बहुमत से चूक गया है लेकिन वह दक्षिणपंथी 'नेशनल रैली' से बहुत आगे है. दक्षिणपंथी नेशनल रैली राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मध्यमार्गी के बाद तीसरे स्थान पर है. संसदीय चुनाव के इन नतीजों के कारण फ्रांस में त्रिशंकु संसद की स्थिति पैदा हो गई है.

ईरान की नौसेना का विध्वंसक जहाज डूबा

तेहरान। ईरानी नौसेना का एक जहाज मरम्मत किए जाने के दौरान होर्मुज की खाड़ी के पास एक बंदरगाह में डूब गया. सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी. समाचार एजेंसी 'आईआरएएन' की खबर के अनुसार, मरम्मत के दौरान विध्वंसक पोत 'सहंद' के टैंकों में पानी घुस गया जिसके कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और वह डूब गया. एजेंसी ने बताया कि जिस जगह जहाज डूबा है, वहां पानी की गहराई कम है. अतः संभावना है कि जहाज संतुलन हासिल कर ले. घटना में कुछ लोग घायल हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

कीव : बच्चों के अस्पताल पर रूस ने किया हमला

कीव। कीव में बच्चों के एक अस्पताल पर रूस ने सोमवार को मिसाइलों से हमला किया और यूक्रेन की राजधानी के अन्य स्थानों पर भी रूसी हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. वहीं मध्य यूक्रेन के एक अन्य शहर कीवी रीह में हुए एक और हमले में कम के कम 10 लोगों की मौत हो गई. यह कई महीनों में कीव पर सबसे बड़ी बमबारी थी. यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि दिन के उजाले में किए गए हमलों में किंजल हाइपरसोनिक प्रक्षेपास्त्र शामिल थे, जो सबसे उन्नत रूसी हथियारों में से एक है. यह ध्वनि की गति से 10 गुना अधिक रफ्तार से उड़ता है.

उपनगरीय रेल, विमान सेवाएं प्रभावित, स्कूल-कॉलेज बंद, विस की कार्यवाही भी स्थगित

मुंबई में भारी बारिश से जनजीवन ठप

एजेंसी। मुंबई

मुंबई में भारी बारिश के कारण आम जनजीवन ठप हो गया तथा सोमवार को मध्य रेलवे के मार्गों पर उपनगरीय रेल सेवाएं और विमान संचालन प्रभावित हुआ. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. बृहन्मुंबई महानगर पालिक (बीएमसी) ने विद्यार्थियों को असुविधा से बचाने के लिए शहर के सभी निकाय स्कूल, सरकारी और निजी स्कूलों तथा कॉलेजों में छुट्टी की घोषणा कर दी. महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने भारी बारिश के कारण दक्षिण मुंबई में विधानमंडल परिसर में कई विधायकों और मंत्रियों के नहीं पहुंच पाने के कारण आज सदन की कार्यवाही दोपहर एक बजे तक के लिए स्थगित कर दी. सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने भारी बारिश के कारण मुंबई में लोगों को हो रही परेशानियों का जिक्र किया. इस पर नार्वेकर ने कहा कि मुंबई में 300 मिमी बारिश दर्ज की गई है और कई विधायक और मंत्री अभी भी विधानमंडल परिसर में नहीं पहुंचे हैं. उन्होंने कोरम (सदन की बैठक के लिए विधायकों की आवश्यक संख्या) पूरा नहीं होने का हवाला देते हुए सदन की कार्यवाही दोपहर एक बजे तक स्थगित कर दी. वहीं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को मंत्रालय में एक बैठक कर मुंबई में भारी बारिश की स्थिति की समीक्षा की और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के नियंत्रण कक्ष का दौरा भी किया.

रेल सेवाओं को रोक दिया गया : बीएमसी ने एक प्रवक्ता ने कहा, 'भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुंबई में भारी से बेहद भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है.' मध्य रेलवे (सीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नीला ने बताया कि दक्षिण मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और पड़ोसी ठाणे के बीच मुख्य रेल मार्ग की 'फास्ट' लाइन पर विभिन्न स्थानों पर जलभराव के कारण रेल सेवाओं को कुछ समय के लिए रोक दिया गया. चूनाभट्टी में जलभराव के कारण हार्बर लाइन पर भी रेल सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गईं.

मुंबई में बारिश से कई इलाके डूब गए. रेल व सड़क मार्ग पर जलजमाव हो गया.

मुंबई हवाई अड्डे पर 50 उड़ानें रद्द, यात्री हुए परेशान

मुंबई हवाई अड्डे पर सोमवार को सेवाएं शहर में भारी बारिश के कारण बुरी तरह प्रभावित हुईं और कम दृश्यता के कारण रनवे पर परिचालन गतिविधियां एक घंटे से अधिक समय तक बंद रहीं एवं 50 उड़ानें रद्द की गईं. सूत्रों ने यह जानकारी दी. सूत्रों ने बताया कि रद्द की गई 50 उड़ानों (आगमन और प्रस्थान दोनों) में से 42 सेवाएं 'इंडिगो' की और छह 'एअर इंडिया' की थीं. एक सूत्र ने कहा, 'कम दृश्यता और भारी बारिश के कारण मुंबई हवाई अड्डे पर सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक 50 उड़ानें रद्द की गईं. इनमें से 42 उड़ानें इंडिगो की थीं, उनमें से 20 प्रस्थान उड़ानें थीं. एअर इंडिया की छह उड़ानें रद्द हुईं, उनमें से तीन यहां उतरने वाली उड़ानें थीं.' 'एलायंस एयर' को भी सोमवार को अपनी दो उड़ानें रद्द करनी पड़ीं. इससे पहले हवाई अड्डे पर रनवे परिचालन को रविवार देर रात दो बजकर 22 मिनट से तड़के तीन बजकर 40 मिनट तक निलंबित करना पड़ा.

यूके से छोड़े गये लाखों क्यूसेक पानी से आई बाढ़, यूपी के कई जिले प्रभावित

लखनऊ। उत्तराखंड के बांधों से छोड़े गये लाखों क्यूसेक पानी और राज्य में भारी बारिश के कारण उत्तर प्रदेश के तराई और मैदानी इलाकों में आई बाढ़ से छह जिलों के अनेक गांव प्रभावित हुए हैं. राहत आयुक्त कार्यालय से सोमवार को प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तराखंड के बनबसा बांध से रविवार रात करीब तीन लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से पीलीभीत जिले में शारदा नदी उफान पर है और बाढ़ का पानी 20 गांवों में घुस गया है. रिपोर्ट के मुताबिक, प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिये राष्ट्रीय आपका मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम 32 नौकाओं की मदद से राहत कार्यों में जुटी है. रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को सुबह सात बजे से 10 बजे के बीच बनबसा बांध से शारदा नदी में लगभग 10 लाख क्यूसेक तथा दियूनी और नानक सागर बांध से देवहा नदी में एक लाख 81 हजार क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा गया. रिपोर्ट में बताया गया कि पीलीभीत मैलानी रेलवे रूट पर शाहगढ स्टेशन व संडई हाल्ट के बीच सकरिया नाले पर बनी पुलिया रविवार देर रात बह गई. इस वजह से मैलानी और टनकपुर की ओर रेल का संचालन रोक दिया गया. पूर्वोत्तर रेलवे इज्जत नगर मंडल रेल प्रबंधक रेखा यादव ने बताया कि क्षतिग्रस्त पुलिया के निर्माण में अभी समय लगेगा. मरम्मत होने के बाद ही इस रूट पर ट्रेनों का संचालन शुरू किया जा सकेगा. वहीं, खटीमा पुल पर पानी खतरे के निशान से अधिक बढ़ने पर टनकपुर-पीलीभीत मार्ग पर ट्रेन सेवा को भी फिलहाल बंद किया गया है. आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, पानी के तेज बहाव के कारण गजरौला-बरखेड़ा सड़क मार्ग पर एक पुलिया बह गई. ग्रामीणों ने प्रशासन को बताया कि इस मार्ग पर पानी पुलिया के ऊपर बह रहा था. पुलिया पुरानी होने की वजह से तेज बहाव सहन नहीं कर सकी और क्षतिग्रस्त हो गई.

पीलीभीत रेलवे ट्रैक की नीचे की जमीन बारिश के पानी में बह गई. प्रेट्र

मैं असम के लोगों के साथ हूं, संसद में उनका सिपाही हूं : राहुल गांधी

सिलचर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि वह बाढ़ से प्रभावित असम के लोगों के साथ हैं और 'संसद में उनके सिपाही' हैं. उन्होंने केंद्र से राज्य को तुरंत हरसंभव सहायता मुहैया कराने का अनुरोध किया. राहुल ने असम में कछार जिले के फुलेर्तल में एक बाढ़ राहत शिविर का दौरा करने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मैं संसद में उनका सिपाही हूं और मैं केंद्र सरकार से राज्य को तुरंत हरसंभव मदद मुहैया कराने का अनुरोध करता हूं.' उन्होंने कहा कि असम को 'अल्पावधि में व्यापक और दयालु दृष्टि वाली राहत, पुनर्वास और मुआवजे की आवश्यकता है तथा दीर्घावधि में बाढ़ पर नियंत्रण पाने के लिए पूरे पूर्वोत्तर का एक जल प्रबंधन प्राधिकरण चाहिए.' उन्होंने कहा, 'असम में बाढ़ से मची अत्यधिक तबाही हृदयविदारक है जिसने आठ वर्षीय अविनाश जैसे मासूम बच्चे को हमसे छीन लिया है. पूरे राज्य में सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं.' राहुल ने कहा कि असम कांग्रेस के नेताओं ने उन्हें जमीनी स्थिति से अवगत कराया है कि 24 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, 53,000 तथा उससे अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं और 60 से अधिक लोगों की मौत हो गयी है. यह संख्या भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार के घोर और गंभीर कुप्रबंधन को दर्शाती है जो बाढ़ मुक्त असम के वादे के साथ सत्ता में आयी थी'

असम में बाढ़ प्रभावित से मिलते राहुल गांधी.

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में 131 वन्य जीव मारे गए

गुवाहाटी। असम स्थित काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ की वजह से अब तक कम से कम 131 वन्य जीव मारे गए हैं जबकि 96 अन्य को बचा लिया गया है. मृत जानवरों में छह गैंडे और 117 पाढ़ा (हिरण की प्रजाति का जानवर) शामिल हैं. इनमें 98 डूबने से, दो वाहन की चपेट में आने से और 17 इलाज के दौरान मारे गए. दो सांभर, एक रीसस मकाक (बंदर की प्रजाति) और एक ऊदबिलाव की मौत डूबने के कारण हुई. इलाज के दौरान कुल 25 जानवरों की मौत हुई जिनमें 17 पाढ़ा, एक बारासिंगा, एक रीसस मकाक और एक ऊदबिलाव शामिल हैं.

दिल्ली में 5 हजार स्कूल शिक्षकों के तबादले का आदेश स्थगित

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली सरकार ने उपराज्यपाल वी के सक्सेना के आदेशों पर कार्रवाई करते हुए पांच हजार स्कूल शिक्षकों के तबादले का आदेश सोमवार को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया. ये शिक्षक 10 से अधिक वर्ष से एक ही स्कूल में तैनात हैं. सक्सेना ने रविवार को मुख्य सचिव नरेश कुमार को तबादले के आदेश को कुछ वक्त के लिए स्थगित करने का निर्देश दिया.

यह तबादला आदेश पिछले सप्ताह जारी किया गया था. उपराज्यपाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के नेताओं और शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद एक अंतरिम उपाय के रूप में तबादले के आदेश को कुछ वक्त के लिए स्थगित रखने का निर्देश दिया. दिल्ली की शिक्षा मंत्री ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए तबादले के आदेश के पीछे भाजपा की साजिश का आरोप लगाया. उन्होंने आरोप लगाया, "दिल्ली में हमारी सरकार ने पिछले 10 वर्ष में सरकारी विद्यालयों को बदलकर रख दिया है. यहां पढ़ रहे विद्यार्थियों के नतीजे कीर्तिमान बना रहे हैं. भाजपा को यह बदलाव हजम नहीं हो रहा इसलिए शिक्षा के इस क्रांतिकारी बदलाव को दबाने के लिए उसने शिक्षकों के तबादले की साजिश रची." उन्होंने आदेश वापस लिये जाने के लिए दिल्ली के लोगों को शुभकामनाएं भी दीं.

हंगरी के पीएम से मुलाकात के दौरान की पहल

चिनफिंग का रूस-यूक्रेन संवाद शुरू कराने में मदद का आह्वान

एजेंसी। बीजिंग

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सोमवार को हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान से मुलाकात के दौरान वैश्विक महाशक्तियों से सीधा संवाद बहाल करने में रूस और यूक्रेन की मदद करने का आह्वान किया.

सरकारी प्रसारणकर्ता सीसीटीवी ने यह जानकारी दी. ओरबान पिछले सप्ताह रूस और यूक्रेन की यात्रा करने के बाद अचानक चीन पहुंचे. वह यूक्रेन में शांति समझौते की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए ये यात्राएं कर रहे हैं. सीसीटीवी के अनुसार, ओरबान ने शांति के लिए चीन की पहल की तारीफ करते हुए उसे सकारात्मक और महत्वपूर्ण बताया तथा उसे वैश्विक उथल-पुथल के बीच स्थिरता लाने वाली ताकत करार दिया. ओरबान ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि रूस और यूक्रेन के अलावा 'युद्ध खत्म होना तीन वैश्विक महाशक्तियों... अमेरिका, यूरोपीय संघ और चीन के निर्णय पर निर्भर करता है.' उन्होंने शी चिनफिंग से हाथ मिलाते हुए अपनी एक तस्वीर भी साझा की. शी से ओरबान की दो महीने पहले भी मुलाकात हुई थी जब चीन के राष्ट्रपति यूरोप के तीन देशों की अपनी यात्रा के दौरान हंगरी पहुंचे थे. उन्होंने फ्रांस और सर्बिया की यात्रा भी की थी. ओरबान के शासनकाल में हंगरी ने चीन के साथ महत्वपूर्ण राजनीतिक और आर्थिक संबंध बनाए हैं. हंगरी में चीन की इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी विनिर्माण की अनेक इकाइयां हैं. ओरबान की यह यात्रा पिछले सप्ताह यूक्रेन और रूस की इसी तरह की अघोषित यात्रा के कुछ ही दिन बाद हो रही है, जहां उन्होंने प्रस्ताव दिया था कि यूक्रेन, रूस के साथ तत्काल संघर्ष विराम पर सहमत होने पर विचार करे. यूक्रेन और यूरोपीय संघ ने रूस की यात्रा को लेकर ओरबान की आलोचना की है.

नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन के प्रति समर्थन प्रदर्शित करेगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन की मेजबानी में इस सप्ताह आयोजित होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों द्वारा यूक्रेन के प्रति मजबूत समर्थन प्रदर्शित करने की संभावना है. बाइडन प्रशासन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सम्मेलन में यूक्रेन को सैन्य, राजनीतिक और वित्तीय सहायता देने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की जा सकती हैं.

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पिछले साल जून से लेकर अब तक हर महीना सबसे गर्म दर्ज

जून अब तक का सबसे गर्म महीना दर्ज : यूरोपीय संघ

एजेंसी। नयी दिल्ली

पांच महाद्वीपों में पिछले महीने करोड़ों लोगों के कड़ी तपिश महसूस करने के बाद यूरोपीय संघ की जलवायु एजेंसी ने सोमवार को पुष्टि की कि जून अब तक का सबसे गर्म महीना दर्ज किया गया. 'कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस' (सी3एस) ने बताया कि यह लगातार 12वां महीना है जब वैश्विक तापमान पूर्व-औद्योगिक काल के औसत तापमान से 1.5 डिग्री सेल्सियस ऊपर पहुंच गया है. सी3एस के वैज्ञानिकों के अनुसार, पिछले साल जून से लेकर अब तक हर महीना सबसे गर्म दर्ज किया गया है. पेरिस में 2015 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता में विश्व नेताओं ने जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों से बचने के लिए वैश्विक औसत ताप वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक काल से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने की प्रतिबद्धता जतायी थी. वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों - मुख्य रूप से कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन - की तेजी से बढ़ती सांद्रता के कारण पृथ्वी की वैश्विक सतह का तापमान 1850-1900 के औसत की तुलना में पहले ही लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है. इस ताप वृद्धि को दुनियाभर में सूखा पड़ने, वनों में आग लगने और बाढ़ की रिकॉर्ड घटनाओं की वजह माना जाता है. नए आंकड़ों के अनुसार, जून 2024 रिकॉर्ड गर्म माह दर्ज किया गया. सी3एस ने एक बयान में कहा, 'यह महीना 1850-1900 (पूर्व औद्योगिक काल) के लिए अनुमानित जून के औसत तापमान से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म था.

उत्तर पश्चिमी भारत में 1901 के बाद सबसे गर्म जून

जून में कई देशों को रिकॉर्ड तोड़ गर्मी और विनाशकारी बाढ़ तथा तूफान का सामना करना पड़ा. अमेरिका स्थित वैज्ञानिकों के एक स्वतंत्र समूह 'क्लाइमेट सेंट्रल' के एक विश्लेषण के अनुसार, दुनिया की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ने अत्यधिक गर्मी का सामना किया. क्लाइमेंट सेंट्रल ने बताया कि भारत में 61.9 करोड़, चीन में 57.9 करोड़, इंडोनेशिया में 23.1 करोड़, नाइजीरिया में 20.6 करोड़, ब्राजील में 17.6 करोड़, बांग्लादेश में 17.1 करोड़, अमेरिका में 16.5 करोड़, यूरोप में 15.2 करोड़, मेक्सिको में 12.3 करोड़, इथियोपिया में 12.1 करोड़ और मिस्र में 10.3 करोड़ लोगों ने जून में भीषण गर्मी का प्रकोप झेला. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, उत्तर पश्चिमी भारत में 1901 के बाद सबसे गर्म जून दर्ज किया गया. देश में लू लगने के कारण 40,000 से अधिक लोगों की मौत होने और गर्मी के कारण 100 से अधिक लोगों की मौत होने की आशंका है. भीषण गर्मी से जल आपूर्ति प्रणाली और बिजली ग्रिड पर भी प्रभाव पड़ और दिल्ली में भीषण जल संकट पैदा हो गया. आईएमडी के अनुसार, अप्रैल से जून की अवधि के दौरान 11 राज्यों में 20 से 38 दिन लू वाले दर्ज किए गए.

महिलाओं के लिए मासिक धर्म अवकाश पर मॉडल नीति तैयार करे केंद्र सरकार

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह मुद्दा नीति से संबंधित है और अदालतों के विचार करने के लिए नहीं

एजेंसी। नयी दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह राज्यों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श कर महिला कर्मचारियों के लिए मासिक धर्म अवकाश पर एक मॉडल नीति तैयार करे. प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह मुद्दा नीति से संबंधित है और अदालतों के विचार करने के लिए नहीं है. पीठ ने कहा कि इसके अलावा, महिलाओं को ऐसी छुट्टी देने के संबंध में अदालत का निर्णय प्रतिकूल और 'हानिकारक' साबित हो सकता है, क्योंकि नियोक्ता उन्हें काम पर रखने से परहेज कर सकते हैं. पीठ ने याचिकाकर्ता से सवाल किया कि इस तरह की छुट्टी अधिक महिलाओं को कार्यबल का हिस्सा बनने के लिए कैसे प्रोत्साहित करेगी. उसने कहा कि इस तरह की छुट्टी अनिवार्य करने से महिलाएं "कार्यबल से दूर हो जाएंगी...हम ऐसा नहीं चाहते. पीठ ने कहा, "यह वास्तव में एक सरकारी नीतिगत मुद्दा है अदालतों के विचार करने के लिए नहीं है."

सभी हितधारकों से परामर्श करने के बाद निर्णय लें

हालांकि, पीठ ने याचिकाकर्ता और वकील शैलेंद्र त्रिपाठी की तरफ से पेश वकील राकेश खन्ना को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सचिव तथा अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी के पास जाने की अनुमति दे दी. पीठ ने निर्देश दिया, "हम सचिव से अनुरोध करते हैं कि वह इस मामले पर नीतिगत स्तर पर विचार करें और सभी हितधारकों से परामर्श करने के बाद निर्णय लें तथा देखें कि क्या एक मॉडल नीति बनाई जा सकती है." शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि अगर राज्य इस संबंध में कोई कदम उठाते हैं, तो केंद्र की परामर्श प्रक्रिया उनके रास्ते में नहीं आएगी. न्यायालय ने इससे पहले देशभर में छात्राओं और कामकाजी महिलाओं को मासिक धर्म अवकाश देने का अनुरोध करने वाली याचिका का निपटारा कर दिया था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)